THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 147 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.14 2083 गुरुवार, 27 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'अरावली' से आसमान में बढ़ेगी ताकत- भारत-फ्रांस बनाएंगे ताकतवर इंजन

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस मिलकर नई पीढ़ी का शक्तिशाली हेलीकॉप्टर इंजन बनाएंगे। इस इंजन का नाम 'अरावली' रखा गया है। यह 3,500 से 4,000 एसएचपी शक्ति वर्ग का होगा। इस इंजन का निर्माण भारत में किया जाएगा। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और फ्रांस की सैफरान हेलीकॉप्टर इंजन ने अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों कंपनियों की संयुक्त कंपनी सफहल (एसएएफएचएएल) हेलीकॉप्टर इंजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही: 100 मौतें, 1000 लापता

इसमें 133 भारतीय, तिब्बत में ग्लेशियर झील फटने की आशंका; बिहार के 8 जिलों में अलर्ट

काठमांडू, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में बुधवार को अचानक बाढ़ आ गई। जिसमें 100 लोगों की शव मिले हैं। वहीं, 1000 यात्रियों लापता है, जिनमें 300 विदेशी नागरिक है। इसमें 133 भारतीय और 93 नेपाली नागरिक शामिल है। यह जानकारी नेपाल पर्यटन के हवाले से है। इस बाढ़ के कारण तिब्बत सीमा के पास रसुवा जिले के कुछ हिस्से तबाह हो गए। घरों, गाड़ियों, पुलों और बुनियादी ढांचे के परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार बाढ़ में हजारों लोग लापता हैं। जिसके बारे में कई जानकारी नहीं है।

कितने लोग लापता हुए?

उत्तरी रसुवा में एक सीमा चौकी पर तैनात नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के चार जवान अचानक आई बाढ़ के कारण लापता हो गए हैं। इसके अलावा, स्थानीय मीडिया में के अनुसार, रसुवा सीमा शुल्क कार्यालय के 14 कर्मचारी भी संपर्क से बाहर हैं। नेपाल के स्वतंत्र बिजली उत्पादक संघ के अनुसार, बाढ़ से 15 हाइड्रो पावर परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। इनमें से 10 चालू हैं और पांच निर्माणाधीन हैं।

सबसे ज्यादा कौन सा क्षेत्र प्रभावित हुआ?

नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने की सूचना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब नौ बजे मिली। अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ का पानी तिब्बत की ओर से आया प्रतीत होता है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में तिमुरे और स्याब्रुबेसी की सीमावर्ती बस्तियां शामिल हैं। अधिकारियों ने अभी तक विनाश की पूरी सीमा का पता नहीं लगाया है और न ही हताहतों की पुष्टि की है। क्योंकि आकलन दल अभी भी प्रभावित क्षेत्रों से जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

रसुवा प्रशासन ने क्या कहा?

रसुवा जिले के प्रशासन नरेंद्र परियार ने रॉयटर्स को बताया,' हमें गांवों और बुनियादी ढांचा परियोजना स्थलों के बह जाने की खबरें मिली हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भारी जानमाल का नुकसान हो सकता है। लेकिन मैं अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता।'

नेपाल सेना ने क्या बताया?

नेपाल सेना ने कहा कि बाढ़ के कारण तिमुरे और स्याब्रुबेसी क्षेत्र में व्यापक तबाही हुई है, जिसमें वाहन, व्यावसायिक सामान और अन्य संपत्ति पानी में बह गई है। रसुआ के मुख्य सीमा शुल्क अधिकारी राजेंद्र ढुंगाना ने बताया कि सीमा शुल्क परिसर में रखे कई वाहन और सामान बह गए। हाल ही में निर्मित एक पुल भी नष्ट हो गया। काठमांडू से लगभग 125 किलोमीटर दूर स्थित और तिब्बत से सटे पहाड़ी जिले रसुवा की आबादी लगभग 50,000 है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ने क्या चेतावनी दी?

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण ने रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन और गोरखा में नदी तटों के पास रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर चले जाने की चेतावनी दी है।

'समाज में दया और सद्भाव की भावना मजबूत होगी'

पीएम मोदी ने दी ईद और ओणम की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी और ओणम के अवसर पर बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ईद मुबारक। इसके साथ ही अन्य कई नेताओं ने भी बधाई दी है।

पीएम मोदी की ओर से एक्स पोस्ट में लिखा गया, 'मिलाद-उन-नबी की बधाई। मुझे उम्मीद है कि यह अवसर हमारे आस-पास एकता और खुशियां बढ़ाएगा। दया और समाज के प्रति योगदान की भावना हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मिलाद-उन-नबी की बधाई। यह अवसर सभी के लिए शांति और समृद्धि लाए। मुझे उम्मीद है कि हमारे समाज में आपसी सद्भाव और दया की भावना और मजबूत होगी। ईद मुबारक!' केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखा, 'ईद मिलाद-उन-नबी की हार्दिक बधाई! यह पर्व आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए। शुभकामनाएं!' केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ईद मुबारक! मिलाद-उन-नबी के पवित्र अवसर पर सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व हमारे समाज में एकता, सौहार्द और खुशहाली को और मजबूत करे। करुणा, दया और समाज के वंचितों के प्रति सेवा का भाव हमेशा हम सभी का मार्गदर्शन करे।'

पीएम मोदी ने बालेन शाह से की बात

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने बाढ़ के कारण हुई मौतों पर शोक जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल को हर संभव मानवीय और राहत सहायता देने का भरोसा दिया। नेपाल में बाढ़ के कारण कई इलाकों में हालात गंभीर बने हुए हैं। भारत ने संकट की इस घड़ी में नेपाल के साथ खड़े रहने और जरूरत के मुताबिक राहत एवं मानवीय सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है।

बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

सूर्यापेट, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे।

बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई।

हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस की टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा के एक अस्पताल में भेजा गया है।

संयुक्त राष्ट्र पैनल का बयान बेहद दुर्भावनापूर्ण

भारत ने सुनाई खरी-खरी, बोला-हमारे सॉलिसिटर जनरल ने पहले ही खारिज कर दिया था

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने बुधवार यानी 26 अगस्त, 2026 को संयुक्त राष्ट्र के एक पैनल के बयान पर कड़ा ऐतराज जताया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की 'नस्लीय भेदभाव खत्म करने वाली समिति (सीईआरडी)' की देश के बारे में की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने यूएन पैनल के बयान को 'राजनीति से प्रेरित' और 'बेहद दुर्भावनापूर्ण' बताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उसने 11-12 अगस्त को जिनेवा में आईसीईआरडी के तहत भारत की 11वीं आवधिक समीक्षा के बाद समिति द्वारा जारी टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया एक सामान्य संधि-निकाय समीक्षा थी, जिसमें भारत ने रचनात्मक जुड़ाव की भावना के साथ भाग लिया था। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि नस्लीय भेदभाव से निपटने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दृढ़ और अटूट है। भारत रिपोर्ट में शामिल किसी भी राजनीतिक रूप से प्रेरित और बेहद दुर्भावनापूर्ण संदर्भ को पूरी तरह से खारिज करता है और इसकी कड़ी निंदा करता है। समीक्षा प्रक्रिया के दौरान भारत ने अपने संवैधानिक सुरक्षा उपायों, व्यापक कानूनी ढांचे, विविधतापूर्ण मूल्यों और वंचित समुदायों की सुरक्षा के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, 'हालांकि हम तय प्रक्रिया के जरिए समिति की टिप्पणियों का जवाब देंगे, लेकिन भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के नेतृत्व वाले अंतर-मंत्रालयी प्रतिनिधिमंडल ने समीक्षा बैठक के दौरान ही व्यापक सामान्यीकरण, बिना सबूत के लगाए गए आरोपों या कन्वेंशन के दायरे से बाहर जाने की प्रवृत्ति को खारिज कर दिया था।'

शिवकुमार बोले-कर्नाटक में वंदेमातरम के 2 पैरे ही गाए जाएंगे

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य में वंदे मातरम के सिर्फ दो छंद (पैरे) ही गाए जाएंगे। मैं पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखता हूं और हम इस फैसले पर कायम रहेंगे। भाजपा पर तुष्टीकरण की राजनीति करती है। शिवकुमार बेंगलुरु में इंडिया टुडे के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने कहा- स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में पूरा वंदे मातरम उनकी जानकारी के बिना गाया गया था, लेकिन भविष्य में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में अब राष्ट्रगीत के दो ही छंद गाए जाएंगे।

दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी सीडब्ल्यूसी ने 19 अगस्त को ऐलान किया था कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम गान को लेकर हुए विवाद के बाद आया। भाजपा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया था।

सूर्यापेट सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जताया दुख

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले में हुए भीषण सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गहरा दुख और सदमा व्यक्त किया है। कोदाड़ मंडल के द्वारकुंटा के पास एक निजी बस के कंटेनर से टकराने से यह दुर्घटना हुई। मुख्यमंत्री ने हादसे में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी प्रगाढ़ संवेदना जताई।

उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ सरकार पूरी संवेदना के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि दुर्घटना में घायल लोगों को तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायलों की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा आवश्यक चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बंगाल में जीत का मार्जिन छोटा, हटे वोटर हजारों!

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-क्या हम नए चुनाव का आदेश दे सकते हैं?

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा कि क्या न्यायपालिका नए चुनाव कराने का आदेश दे सकती है? खासकर तब, जब कई सीटों पर हटाए गए वोटरों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा होने का दावा किया जा रहा है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच टीएमसी सदस्य की ओर से सीनियर एडवोकेट कल्याण बंदोपाध्याय की अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। बंदोपाध्याय ने 31 विधानसभा क्षेत्रों का ब्योरा दिया। इनमें बीजेपी उम्मीदवारों की जीत का अंतर एसआईआर के दौरान हटाए गए वोटरों की संख्या से कम था।

401 वोट की जीत, 8785 वोटर हटे

याचिकाकर्ता ने बताया कि एसी-145 में जीत का अंतर सिर्फ 401 वोट था, जबकि 8,785 वोटर हटाए गए। एक अन्य सीट पर हार का अंतर 316 वोट था, जबकि वहां भी बड़ी संख्या में वोटर हटाए गए। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाने से चुनाव नतीजे प्रभावित हुए और हजारों असली नागरिक वोट देने के अधिकार से वंचित हुए।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि क्या प्रभावित उम्मीदवारों ने इन 31 सीटों पर विजेता उम्मीदवारों को चुनौती देने के लिए औपचारिक चुनाव याचिकाएं दायर की हैं। जवाब में बताया गया कि कुछ सीटों पर चुनाव याचिकाएं दायर हुई हैं, लेकिन सभी पर नहीं।

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि यह देखना जरूरी है कि हटाए गए कितने लोगों ने अपील की। कोर्ट ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर 100 नाम हटे, जीत का अंतर 50 रहा और 60-70 लोगों ने अपील की, तो मामला ठोस और अहम बन जाता है। वहीं, बिना अपील नाम हटना स्वीकार करने वालों के आधार पर नतीजे को चुनौती देना सिर्फ सैद्धांतिक रह जाता है।

बेंच ने साफ किया कि जांच केवल इन 31 सीटों तक सीमित नहीं रहेगी। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने लंबित सभी मामलों की जांच करना चाहता है, ताकि उनका समय पर समाधान हो सके।

परीक्षा से दो दिन पहले पहुंचा पेपर

एमपीएससी ने रद्द की ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती, एफआईआर पर घिरी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में ड्रग इंस्पेक्टर, ग्रुप-B पद की भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी है। यह फैसला 22 मार्च की स्क्रीनिंग परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं की शिकायतों के बाद की गई प्रारंभिक जांच के आधार पर लिया गया। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि परीक्षा से दो दिन पहले ही कुछ अभ्यर्थियों के पास प्रश्नपत्र या उसके सवाल पहुंच गए थे।

मनसे नेता संदीप देशपांडे ने सरकार से एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए पूछा है कि अगर शुरुआती जांच में पेपर लीक की बात सामने आई है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई और आखिर किसे बचाया जा रहा है। आयोग को कुछ अभ्यर्थियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से ईमेल के जरिए परीक्षा में कथित अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं।

सुप्रीम कोर्ट : राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पद से हटाने की मांग

✲ जज ने सीजेआई को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत से आग्रह किया है कि वे राजस्थान हाईकोर्ट के प्रमुख के तौर पर किसी दूसरे हाईकोर्ट से एक नियमित मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करें। उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा पर कई आरोप भी लगाए हैं।

एक प्रमुख विधि पोर्टल 'लाइव लॉ' की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस मेहता ने 2, 10 और 17 अगस्त को लिखे तीन पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तुरंत हटाने की मांग की। उन पर प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग, मामलों की सूची तैयार करने में हेरफेर और कुछ वकीलों व पक्षों के प्रति पक्षपात करने का आरोप लगाया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत होकर पहुंचे जस्टिस मेहता ने कथित तौर पर कई बार सीजेआई से किसी दूसरे राज्य से नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए मंजूरी मांगी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसा न करना 'संस्थान के हित के पूरी तरह खिलाफ' है। जस्टिस मेहता ने एक पत्र में कहा,'मैं आपसे बार-बार अनुरोध कर रहा हूं कि राजस्थान हाईकोर्ट के लिए किसी दूसरे राज्य से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति का फैसला लें, ताकि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रोका जा सके। मेरी राय में, इस अनुरोध को लगातार नजरअंदाज करना संस्थान के हित के पूरी तरह खिलाफ है।'

2 अगस्त के अपने पत्र में जस्टिस मेहता ने राजस्थान के अपने दौरों का जिक्र किया और दावा किया कि राजस्थान हाईकोर्ट के कई जजों ने उनसे मुलाकात की और जस्टिस शर्मा के कथित व्यवहार पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा अक्सर अपने साथी जजों को बदले की कार्रवाई, जैसे स्थानांतरण की धमकी देते हैं। जस्टिस मेहता ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के न्यायिक और प्रशासनिक कामकाज के तरीके की भी आलोचना की।

आईएएस-आईपीएस में बदलाव से मचेगी अफरा-तफरी

केंद्र ने ओबीसी आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट में दी बड़ी दलील

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 'क्रीमी लेयर' के नियम तय करने के लिए दो साल का समय मांगा है। साथ ही, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच से 11 मार्च के उस फैसले को पिछली तारीख से लागू करने के खिलाफ अपनी अर्जी पर जल्द सुनवाई की मांग की है। इस फैसले में पीएसयू या प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले माता-पिता की सैलरी के आधार पर ओबीसी उम्मीदवारों के वर्गीकरण (क्रीमी लेयर) को खारिज कर दिया गया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच से रोहित नाथन मामले में 11 मार्च के फैसले पर कुछ स्पष्टीकरण मांगने वाली अर्जी को लिस्ट करने का अनुरोध किया। वकील वरुण ठाकुर ने इसका विरोध करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कानून तय कर चुका है।

केंद्र सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा या उसमें बदलाव नहीं चाहता, बल्कि कोर्ट को पिछली तारीख से इसे लागू करने में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों के बारे में बताना चाहता है।

ओबीसी उम्मीदवारों के पुराने बैच का स्टेटस बदलना होगा : एसजी

टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, एसजी तुषार मेहता ने कहा कि इसके लिए 'क्रीमी लेयर' ओबीसी उम्मीदवारों के पुराने बैच का स्टेटस बदलकर 'नॉन-क्रीमी' करना होगा और सिविल सर्विस में उनके कैडर, पद और सर्विस में बदलाव करना होगा। इससे आईएफएस, आईएएस और आईपीएस जैसे कैडर और सर्विस में लंबे समय से काम कर रहे उतने ही उम्मीदवारों के लिए भी इसी तरह के बदलाव करने होंगे, जिससे अफरातफरी मच जाएगी।

आईएफएस, आईएएस और आईपीएस जैसे कैडर और सर्विस में लंबे समय से काम कर रहे उतने ही उम्मीदवारों के लिए भी इसी तरह के बदलाव करने होंगे, जिससे अफरातफरी मच जाएगी। तुषार मेहता ने कहा कि वह सिर्फ जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच के सामने जल्द सुनवाई के लिए अर्जी लिस्ट करने का अनुरोध कर रहे हैं। सीजेआई ने 1 सितंबर को अर्जियों को लिस्ट करने पर सहमति जताई।

'ऊमर खालिद मैं आपसे माफी मांगती हूं'

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की महिला सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखते हुए उमर खालिद का समर्थन किया है। महुआ मोइत्रा ने कहा कि जैसे ही मैंने देखा कि राम रहीम का काफिला तेजी से आगे बढ़ रहा है, मैं आपसे माफी मांगती हूं उमर खालिद। विद्वान हो इसीलिये अंदर हो, बलात्कारी होते तो कब का बाहर निकल जाते। लेकिन निराश नहीं होना है। पहाड़ दरक रहा है, हम देखेंगे।

बता दें कि हाल ही में कांग्रेस के सीनियर नेता हुसैन दलवई ने भी यूएपीए के तहत लंबे समय से जेल में बंद उमर खालिद और शरजील इमाम का समर्थन किया था। यूएपीए के तहत उमर खालिद और शरजील इमाम की लंबे समय से जारी हिरासत को लेकर हुसैन दलवई ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उमर खालिद को करीब छह सालों से और शरजील इमाम को करीब सात सालों से जेल में रखा गया है।

डीआरडीओ के स्वदेशी पैराशूट ने रचा इतिहास

जहां सांस लेना भी चुनौती, वहां सफल रहा स्वदेशी एमसीपीएस का परीक्षण

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों की पैराशूट क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ की आगरा स्थित एडीआरडीई द्वारा डिजाइन और विकसित मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (एमसीपीएस) का दुनिया के सबसे ऊंचे ड्रॉप जोन में शामिल न्योमा के मुध ड्रॉप जोन में सफल परीक्षण किया गया।

22,000 फीट की ऊंचाई से लगाई छलांग

इस परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के प्रशिक्षित परीक्षण जम्परों ने करीब 22,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। यही नहीं, इस ऊंचाई पर तापमान करीब माइनस 15 डिग्री सेल्सियस था। इतनी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पैराशूट प्रणाली और उससे जुड़े सभी स्वदेशी उप-तंत्रों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया। परीक्षण के दौरान एडीआरडीई के मुख्य परीक्षण जम्पर विंग कमांडर राहुल झा, एमडब्ल्यूओ आर. जे. सिंह, वीएम (जी) और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने 22,000 फीट की ऊंचाई से यह छलांग लगाई।

20,000 फीट पर खुला पैराशूट

डीआरडीओ के अनुसार, छलांग के दौरान एमसीपीएस को 20,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक खोला गया। इसके बाद परीक्षण जम्परों ने नियंत्रित तरीके से नीचे उतरते हुए 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित लैंडिंग की।

पैराशूट के साथ स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल

इस परीक्षण की खास बात यह रही कि यहां केवल पैराशूट ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। इनमें स्वदेशी पैरा कंप्यूटर, ऑक्सीजन प्रणाली और विशेष जंपसूट भी शामिल थे। यह पूरा तंत्र अत्यधिक ऊंचाई पर भी भरोसेमंद साबित हुआ है। परीक्षण ने यह साबित किया कि एमसीपीएस बेहद कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। परीक्षण के सफल परिणाम से इसकी विश्वसनीयता, प्रभावशीलता और सामरिक उपयोगिता की पुष्टि हुई है। गौरतलब है कि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के दौरान सैनिकों और आवश्यक संसाधनों की तेजी से तैनाती बेहद महत्वपूर्ण होती है।

स्नातकों के बीच बेरोजगारी दर अधिक

केवल 8.25% स्नातक ही अपनी योग्यता के अनुसार कर रहे काम

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रोजगार और परीक्षा की समस्याओं को लेकर आए दिन हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच नीति आयोग ने कहा है कि स्नातकों के बीच बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। बीए, बीएससी और बीकॉम जैसी सामान्य डिग्रियों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता भी इस समस्या को बढ़ा रही है, क्योंकि इन डिग्रियों से सीधे रोजगार मिलने की संभावना कम होती है।

आयोग ने शनिवार को जारी अपनी रिपोर्ट 'रीइमेजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत' में यह भी रेखांकित किया है कि भारत में 90% से अधिक स्नातक ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनकी योग्यता के अनुरूप नहीं हैं। थिंक टैंक का कहना है कि ग्रीन इंडस्ट्री और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में रोजगार से जुड़े विशेष पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की जरूरत है।

सुबह-सुबह भूकंप के झटके 3 सेकेंड तक कांपी धरती

शिमला, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बुधवार सुबह तड़के भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। सुबह 5 बजकर 46 मिनट पर महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई। हालांकि इस घटना में जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार भूकंप का केंद्र शिमला से करीब 66 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण दिशा में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके करीब तीन सेकेंड तक महसूस किए गए।

अचानक धरती हिलने से कई लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए और खुले स्थानों पर पहुंच गए। कंपन थमने के कुछ देर बाद लोग वापस अपने घरों में लौटे। शिमला के अलावा सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और मंडी के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए जाने की सूचना है। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

लोकसभा सचिवालय ने 20 बागी टीएमसी सांसदों को नोटिस भेजे

7 दिन में जवाब मांगा ; सुप्रीम कोर्ट ने भी कल नोटिस जारी किया था

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजे हैं। सांसदों से टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की अयोग्यता याचिका पर 7 दिन में जवाब मांगा गया है। यह याचिका दल-बदल कानून के तहत दाखिल की गई है। नोटिस 25 अगस्त को जारी किए गए और इनमें बनर्जी की 18 जून की याचिका की कॉपी भी भेजी गई है।

यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार होने के एक दिन बाद हुई है। कोर्ट ने मंगलवार को 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया था, लेकिन लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और सदन के महासचिव को नोटिस जारी नहीं किया। अभिषेक बनर्जी ने पहले 20 सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की थीं। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जल्द पूरी करने की मांग की थी। बनर्जी की याचिका में शामिल सांसदों के नाम हैं काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बरमा बासुनिया, पार्थ भौमिक, अरूप चक्रवर्ती, अधिकारी दीपक देव, सयानी घोष, बापी हलदर, एमडी अबू ताहेर खान, कालीपद सारेन खेरवाल, असीत कुमार मल, जून मलियाह, मिताली बैग, खलीलुर रहमान, माला रॉय, शर्मिला सरकार और यूसुफ पठान। बनर्जी ने इस मुद्दे पर 12 अगस्त को लोकसभा स्पीकर से मुलाकात भी की थी। इससे पहले उन्होंने 27 जुलाई को स्पीकर को लिखित याद दिलाई थी। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसदों में से 20 बागी सांसदों का गुट त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय हो चुका है। बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने 17 जून 2026 को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपने के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए के साथ काम करेंगे।

बागी सांसद अलग गुट की मान्यता चाहते हैं

बागी सांसदों के समूह ने लोकसभा में अलग गुट के तौर पर मान्यता मांगी है। टीएमसी का कहना है कि ये सांसद उसके चुनाव चिह्न पर चुने गए थे। पार्टी के मुताबिक, किसी दूसरे राजनीतिक संगठन में शामिल होने का उनका फैसला दल-बदल कानून के प्रावधानों के तहत आता है। स्पीकर और लोकसभा महासचिव को भी याचिका में प्रतिवादी बनाया गया था। हालांकि, तुषार मेहता की दलील के बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ औपचारिक नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया।

कूरियर से कनाडा भेजी जा रही थी अफीम, बदले में मिल रहे थे हथियार ; दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने किया पर्दाफाश

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग स्मगलिंग और हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि भारत से कूरियर के जरिए कनाडा अफीम भेजी जा रही थी और इसके बदले में खालिस्तानी आतंकी गतिविधियों के लिए हथियार मंगाए जा रहे थे। यह पूरा नेक्सस नामित खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डाला द्वारा चलाया जा रहा था, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) का प्रमुख है। विशेष पुलिस आयुक्त (क्राइम) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि इस रैकेट का मकसद केटीएफ की आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग और हथियार जुटाना था। पुलिस ने महीने भर चले इस ऑपरेशन में गिरोह के चार सदस्यों—सिमरनजीत सिंह, हरदीप सिंह, यादविंदर सिंह उर्फ जशन संधू और जीवन सिंह को गिरफ्तार किया है।

'इस्लामी किताबें पढ़ो, नहीं तो बेटे को आतंकियों को बेच दूंगा'

एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत पर खुला शूटिंग कोच सादिक का काला सच

राजमुंदरी, 26 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी स्थित गोदावरी नदी के रोड-कम-रेलवे पुल से कूदकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा की गई खुदकुशी के सनसनीखेज मामले में रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस दर्दनाक घटना के पीछे एक शूटिंग कोच सादिक खान का खौफनाक चक्रव्यूह था। आरोपी ने परिवार पर धर्मांतरण का दबाव बनाया, संपत्ति हड़पी और ब्लैकमेल किया। आंध्र प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पांच राज्यों में छानबीन के बाद आरोपी सादिक खान को उत्तर प्रदेश के मेरठ से गिरफ्तार कर लिया है। काकीनाडा कोर्ट ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना 17 अगस्त की देर रात की है। पिठापुरम में पंचायती राज विभाग में कार्यरत 61 वर्षीय असिस्टेंट इंजीनियर थिल्लापुडी नूकाराजू, उनकी 58/59 वर्षीय पत्नी मीना और 34/38 वर्षीय बेटी कोव्वूरी सौजन्या ने अपने 10 वर्षीय पोते/बेटे रियांश के साथ गोदावरी नदी के पुल से छलांग लगा दी थी। हादसे के दौरान 10 साल का मासूम रियांश पुल की ग्रिल में उलझकर पानी में गिरा और तैरता रहा। लगभग 20 मिनट तक पानी में संघर्ष करने के बाद स्थानीय मछुआरों और पुलिस की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, नूकाराजू, मीना और सौजन्या की नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस को घटनास्थल और व्हाट्सएप मैसेजेस के जरिए मृतक परिवार के लिखे सुसाइड नोट मिले। नूकाराजू ने सुसाइड नोट काकीनाडा के जिला कलेक्टर और एसपी को भी भेजा था। सुसाइड नोट में सौजन्या ने शूटिंग कोच सादिक खान की प्रताड़ना का कच्चा चिट्ठा खोला है।

सादिक खान सौजन्या पर जबरन धर्म परिवर्तन कर इस्लाम कबूल करने का दबाव बना रहा था। उसे रोजाना इस्लामी किताबें पढ़कर नोट्स बनाने के लिए मजबूर किया जाता था और इनकार करने पर मारपीट की जाती थी। पति की मौत के बाद हमदर्दी दिखाकर घर में घुसे सादिक ने धोखे से बैंक लॉकर की चाबियां, मोबाइल और संपत्ति के दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए थे। सादिक ने सौजन्या को धमकी दी थी कि वह उसके 10 साल के बेटे को अगवा कर आतंकवादियों को बेच देगा।

पत्नी को घर के काम करने का हुक्म नहीं दे सकता पति

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सास-ससुर की सेवा पर भी कही ये बात

बेंगलूरू, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पति अपनी पत्नी को घर के कामों को करने का हुक्म नहीं दे सकता है। यह महत्वपूर्ण टिप्पणी एक केस में फैसला सुनाते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने की है। पति-पत्नी के घरेलू विवाद के मामले में सुनवाई कर रहीं जस्टिस डॉ. चिल्लाकुर सुमलता ने साफ कहा कि पति अपनी पत्नी को घर के काम करने या सास-ससुर की सेवा करने का आदेश नहीं दे सकता। पत्नी द्वारा पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और भरण-पोषण के मामले में पत्नी पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों और पति पक्ष की सफाई सुनने के बाद अदालत ने कहा कि ऐसे बयान पढ़कर लगता है जैसे पति ने पत्नी को नौकरानी की तरह रख लिया हो, जो सिर्फ घर का काम करे और उसके माता-पिता की देखभाल करे और उसके आदेशों का पालन करे।

माता-पिता की सेवा करना बेटे और बेटियों का कर्तव्य है, न कि सास और ससुर की सेवा के लिए बहू और दामाद पर दबाव डाला जाए। खबर के मुताबिक अदालत ने विवाह की असलियत पर टिप्पणी करते हुए कहा, "विवाह एक पवित्र और सुंदर बंधन है जो दो व्यक्तियों को जोड़ता है। रीति-रिवाज निभाने से वे सिर्फ पति-पत्नी बनते हैं। लेकिन प्यार, विश्वास, सम्मान, एक-दूसरे का सहारा और भावनाओं को समझने से वे आत्मीय साथी बनते हैं।"

बता दें कि कर्नाटक के फैमिली कोर्ट में पत्नी ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और भरण-पोषण का केस किया था।

जिस पर परिवार अदालत ने पति को पत्नी को हर महीने 5,000 रुपये और नाबालिग बेटी को 4,000 रुपये यानी कुल 9,000 रुपये देने का आदेश दिया था। हालांकि पति ने इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जब मामले की सुनवाई हुई तो हाईकोर्ट ने पति की याचिका खारिज करते हुए न केवल परिवार अदालत के आदेश को बरकरार रखा बल्कि अदालत ने कहा कि आज की महंगाई और जीवन की लागत को देखते हुए 150 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन बहुत कम है। इतने पैसे में न्यूनतम जरूरतों को भी पूरा करना मुश्किल है। इसलिए भरण-पोषण की रकम घटाने या बदलने का कोई आधार नहीं है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने साफतौर पर कहा कि पत्नी का परिवार के प्रति समर्पण आज्ञाकारिता और झुकने से नहीं मापा जा सकता। विवाह असमान लोगों का रिश्ता नहीं है। किसी भी महिला की आजादी छीनने या लिंग के आधार पर उसकी स्वतंत्रता सीमित करने का प्रयास समानता के सिद्धांत और संविधान की मानवीय गरिमा की भावना के खिलाफ है। इसी दौरान एक और महत्वपूर्ण बात अदालत ने कही कि पत्नी को अपने माता-पिता से मिलने और मायके जाने के लिए सास-ससुर या घर के अन्य लोगों से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है।

वह जब चाहे अपने मायके जा सकती है। अदालत ने हैरानी जताई कि भारतीय महिला को अपने माता-पिता के घर जाने जैसी बुनियादी इच्छा पूरी करने के लिए ससुराल के सभी लोगों से अनुमति क्यों लेनी पड़ती है?

जोगी रमेश की बहू ने पूर्व मंत्री और उनके परिवार पर शादी से पहले अपना धर्म छिपाने का आरोप लगाया

अमरावती, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री जोगी रमेश की बहू मेघना ने उन पर और उनके परिवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने शादी से पहले अपने ईसाई धर्म को छिपाया, उन पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव डाला और हिंदू देवी-देवताओं व रीति-रिवाजों के बारे में अपमानजनक बातें कहीं।

मेघना ने आरोप लगाया कि शादी से पहले परिवार ने खुद को हिंदू बताया था, लेकिन शादी के बाद घर से हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें हटा दीं। उन्होंने दावा किया कि पूजा-पाठ करने की इजाज़त मांगने के बावजूद, उन्हें केवल एक छोटा सा कमरा दिया गया और उनके धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जोगी रमेश और उनके परिवार ने शादी से पहले उनके पति राजीव से जुड़ी समस्याओं को छिपाया था। उनके अनुसार, राजीव ने दो महीने के भीतर ही तलाक की अर्जी दी थी, लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। मेघना ने आरोप लगाया कि उनकी सास शकुंतला ने समस्या के बारे में जानने के बावजूद उन पर और दहेज लाने का दबाव डाला। उन्होंने सवाल उठाया कि राजीव की स्थिति के बारे में पता होने के बावजूद परिवार ने शादी क्यों तय की। मेघना ने कहा कि उनके पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए वीडियो और अन्य सबूत हैं और वह सही समय पर उन्हें सबके सामने लाएंगी।

अवैध रेत व्यापारियों से पैसा वसूलने के आरोप में पुलिस कांस्टेबल और तीन दलाल गिरफ्तार, 5.70 लाख नकद बरामद

झारग्राम, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में एंटी-करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने अवैध रेत व्यापारियों से रंगदारी वसूलने के आरोप में झारग्राम पुलिस स्टेशन के एक कांस्टेबल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। झारग्राम पुलिस स्टेशन के गिरफ्तार किए गए आरोपी कांस्टेबल की पहचान रतन प्रमाणिक के रूप में हुई है। उसके साथ ही अवैध रेत कारोबारियों के तीन दलालों—शांतनु बारिक, दीपांकर बारिक और रवि बारिक (सभी निवासीः श्यामसुंदरपुर गांव, बांधगोरा ग्राम पंचायत) को भी दबोचा गया है।

आरोपियों के पास से 5 लाख 70 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पश्चिम बंगाल के एंटी-करप्शन डिपार्टमेंट को शिकायत मिली थी कि झारग्राम थाने का एक कांस्टेबल दलालों के जरिए रेत ढोने वाले ट्रकों और ट्रैक्टरों से अवैध वसूली करवा रहा है। इस शिकायत के आधार पर एसीबी ने एक जाल बिछाया, जिसमें तीनों दलाल ट्रक मालिकों से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। पूछताछ के दौरान दलालों ने खुलासा किया कि यह वसूली सीधे तौर पर थाने के कांस्टेबल के लिए की जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी कांस्टेबल का मोबाइल नंबर मुख्य दलाल के फोन में 'झारग्राम मैनेजर' के नाम से सेव था। अधिकारियों ने आज की रंगदारी के अलावा पहले के भी 5 लाख रुपए जब्त किए हैं।

इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों की संलिप्तता की भी गहराई से जांच की जा रही है और पूरी संभावना है कि कुछ और लोगों के नाम भी इस केस में उजागर होंगे। गौरतलब है कि अगस्त के महीने में ही झारग्राम में जाम्बोनी बीडीओ ऑफिस के एक असिस्टेंट इंजीनियर को भी रिश्वत लेते पकड़ा गया था। आपको बता दें कि बीडीओ ऑफिस के एक भ्रष्ट सब असिस्टेंट इंजीनियर अधिकारी की हरकतों से तंग आकर सब-कॉन्ट्रैक्टर ने एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) में इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज करवा दी थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने पुख्ता रणनीति तैयार की। इसके बाद सब-असिस्टेंट इंजीनियर बिमल साहा को एसीबी के द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

वाईएसआरसीपी नेता जगन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा लोकल बॉडी की हर सीट पर चुनाव लड़ें

विजयवाड़ा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से आने वाले लोकल बॉडी चुनावों में हर सीट पर चुनाव लड़ने को कहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सत्ता में आने के दो साल के भीतर ही मौजूदा गठबंधन सरकार के ख़िलाफ़ लोगों में काफ़ी नाराज़गी (एंटी-इनकंबेंसी) पैदा हो गई है। पार्टी कोऑर्डिनेटर्स, 175 विधानसभा क्षेत्रों के इंचार्ज और वरिष्ठ नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से होते हैं, तो समाज के सभी वर्गों में फैली नाराज़गी एक निर्णायक चुनावी जीत में बदल सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे कथित गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी सीट बिना चुनाव के न रह जाए। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि पार्टी के भीतर निर्विरोध चुनाव बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, जगन ने विधानसभा क्षेत्रों के इच्छुक उम्मीदवारों को निर्देश दिया कि वे लोकल बॉडी की सभी सीटों पर मज़बूत उम्मीदवार उतारें। उन्होंने कहा कि लोकल बॉडी चुनावों में मज़बूत उपस्थिति बनाए रखने से पार्टी की व्यापक राजनीतिक वापसी की नींव पड़ेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों तक पहुँचने की एक ज़बरदस्त योजना बताई और नेताओं को घर-घर जाकर वाईएसआरसीपी और मौजूदा गठबंधन सरकार के कामकाज के रिकॉर्ड में अंतर बताने का निर्देश दिया। संगठनात्मक अभियान को मज़बूत करने के लिए, पार्टी गाँव स्तर तक के कार्यकर्ताओं को क्यूआर कोड वाले आईडी कार्ड जारी करने, प्रचार सामग्री बाँटने और ज़िला, विधानसभा क्षेत्र, मंडल और डिवीज़न स्तर पर व्यवस्थित बैठकें आयोजित करने की योजना बना रही है।

एनएच-365बीबी के 840 करोड़ रुपये के अपग्रेड से खेत-से-बाज़ार तक कनेक्टिविटी और पोलावरम तक पहुंच बेहतर होगी

विजयवाड़ा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आंध्र प्रदेश में नेशनल हाईवे-365बीबी के अहम हिस्सों को अपग्रेड करने के लिए 840.41 करोड़ रुपये की मंज़ूरी की घोषणा की है। इसका मकसद इलाके के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाना और खेत-से-बाज़ार तक कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना है। इस प्रोजेक्ट में एनएच-365बीबी के बुट्टाईगुडेम-एलएनडी पेटा और पट्टिसीमा-कोव्वुर हिस्सों को मिलाकर 45.09 किलोमीटर लंबे रास्ते को पक्के शोल्डर (सड़क के किनारे की जगह) के साथ दो-लेन वाले हाईवे में बदलना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, अपग्रेड किए गए हाईवे से पोलावरम सिंचाई प्रोजेक्ट और आस-पास के ग्रामीण इलाकों तक पहुंच काफी बेहतर हो जाएगी। यह प्रोजेक्ट तंबाकू, गन्ना और पाम ऑयल जैसे कृषि उत्पादों के ट्रांसपोर्टेशन को तेज़ करेगा, जिससे स्थानीय किसानों के लिए लॉजिस्टिक्स मज़बूत होंगे और पूरे इलाके में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। खेती से जुड़े फायदों के अलावा, अपग्रेड किया गया कॉरिडोर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, जिससे यात्रियों, व्यापार और पर्यटन को फ़ायदा होगा। यह हाईवे गोदावरी नदी के किनारे बने अहम स्नान घाटों तक आसानी से पहुंचने का रास्ता भी देगा, जिससे 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करलु के दौरान तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने फंड मंज़ूर करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पोलावरम प्रोजेक्ट तक निर्बाध कनेक्टिविटी देगा और साथ ही तंबाकू, गन्ना, पाम और एक्वा (मछली पालन) किसानों के लिए बाज़ार तक तेज़ी से पहुंच सुनिश्चित करेगा।

अंकित शर्मा हत्याकांड

उम्रकैद के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचा ताहिर हुसैन, अगले हफ्ते सुनवाई

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं अब उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में अपनी सज़ा और उम्रकैद के फ़ैसले को चुनौती दी है। कोर्ट ताहिर हुसैन की याचिका पर अगले हफ़्ते सुनवाई कर सकता है। अंकित शर्मा की हत्या 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान दयालपुर इलाके में हुई थी। बाद में उनका क्षत-विक्षत शव एक नाले से बरामद किया गया था। 3 जुलाई को कड़कड़डूमा की एक अदालत ने ताहिर हुसैन और चार अन्य लोगों को इस मामले में दोषी ठहराया।

31 जुलाई को कोर्ट ने सभी पांचों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने ताहिर हुसैन पर 5 लाख रुपये और बाकी दोषियों पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। सजा सुनाए जाने के बाद ही ताहिर हुसैन ने कोर्ट से बाहर निकलते समय मीडिया से कहा था कि वह इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और इस मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि 'देर है, अंधेर नहीं'। दिल्ली पुलिस और दोषियों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 27 जुलाई को सजा पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

13 जुलाई को कोर्ट ने ताहिर हुसैन और इस मामले में चार सह-आरोपियों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने जिन पांच दोषियों को सजा सुनाई थी उनमें ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनस के नाम शामिल थे। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट से सभी पांच दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। उन्होंने तर्क देते हुए कि हत्या एक जघन्य और असामाजिक अपराध था जो "दुर्लभतम" श्रेणी में आता है। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) मधुकर पांडे ने मृत्युदंड की मांग करते हुए कोर्ट से कहा कि दोषियों ने अत्यंत क्रूरता का परिचय दिया।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अन्नामलाई चलाने जा रहे अभियान, क्या है प्लान?

चेन्नई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई सितंबर से राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर एक महीने तक चलने वाला जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहे हैं। यह अभियान अन्नामलाई के संगठन ' वी द लीडर्स ' के बैनर तले चलाया जाएगा। यह कैंपेन महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके लिए सुरक्षित जगहें बनाने की अहमियत के बारे में लोगों को जागरूक करने पर केंद्रित होगा। उम्मीद है कि संगठन से जुड़े वॉलंटियर पूरे महीने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जागरूकता कार्यक्रम और कम्युनिटी-लेवल की गतिविधियां चलाएंगे। अन्नामलाई ने बीजेपी छोड़ने के बाद 'वी द लीडर्स' शुरू किया। उनके नई राजनीतिक पार्टी बनाने की तैयारी की भी खबर है।

अपने राजनीतिक प्लान की औपचारिक घोषणा से पहले, अन्नामलाई संगठन के वॉलंटियर्स की मदद से कई सामाजिक जागरूकता पहल कर रहे हैं। इन कैंपेन को तमिलनाडु में लोगों से जुड़ने और जमीनी स्तर पर अपने संगठन की मौजूदगी बढ़ाने की उनकी कोशिशों के तौर पर देखा जा रहा है। हर महीने, 'वी द लीडर्स' किसी खास सामाजिक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करता है और उससे जुड़ी जन-संपर्क गतिविधियां चलाता है। जुलाई में, अन्नामलाई ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक बड़ा कैंपेन चलाया था। इस पहल का मकसद युवाओं और परिवारों को नशीले पदार्थों से बढ़ते खतरे और नशाखोरी को रोकने में कम्युनिटी की भागीदारी की जरूरत के बारे में जागरूक करना था।

अगस्त के दौरान, संगठन ने अपना ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर लगाया। वॉलंटियर राज्य भर में समुद्र तटों, नदियों और अन्य जल निकायों की सफाई में शामिल रहे हैं। संगठन के अनुसार, इस अभियान के तहत अब तक लगभग 190 टन कचरा हटाया जा चुका है। 'वी द लीडर्स' ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान भी चलाया है। संगठन का दावा है कि उसके बैनर तले तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में लगभग सात लाख पौधे लगाए गए हैं।

भोपाल में शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि की मांग

मांगें नहीं मानीं तो शिक्षक दिवस से करूंगा 24 घंटे की भूख हड़तालः दिग्विजय सिंह

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में शिक्षक भर्ती-2025 और रिक्त पदों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के बीच बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की। चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानीं गईं तो शिक्षक दिवस से वे खुद 24 घंटे की भूख हड़ताल करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि उनके जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा हमेशा सबसे महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए। उनके मुताबिक करीब 45 हजार नए स्कूल खोले गए थे।

साथ ही शिक्षकों की भर्ती का अधिकार भोपाल से हटाकर स्थानीय स्तर पर दिया गया था। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। पूर्व मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी थे। उन्होंने कहा कि उस समय शिक्षकों की भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाती थी। सिंह ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था और सिलेबस में बदलाव का असर उन शिक्षकों पर पड़ रहा है, जिन्होंने वर्षों तक पुराने सिलेबस के आधार पर पढ़ाया है और अब उन्हें नए सिलेबस के अनुसार परीक्षा देने के लिए कहा जा रहा है। रिक्त पदों को लेकर उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आखिर सरकार इन पदों पर भर्ती क्यों नहीं कर रही है? आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकता शिक्षा और रोजगार देने के बजाय युवाओं को दूसरे मुद्दों में उलझाने की है। सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में शिक्षा और रोजगार की जगह राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है।

सुविचार: रिश्तों की ढोर कोई परायी, झूठी-सच्ची और दूर या पास नहीं होती। इसमें सिर्फ प्यार होता है और कुछ नहीं।

निवेश आकर्षित करने पर जोर, 'इन्वेस्ट तेलंगाना' के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन

दिसंबर में होने वाले वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों के लिए विशेष युद्ध कक्ष बनाने के निर्देश

भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक हुई

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से दिसंबर में आयोजित होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2026' और 'इन्वेस्ट तेलंगाना समिट' की तैयारियों को सरकार ने तेज कर दिया है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को सम्मेलन की तैयारियों के लिए महात्मा फुले प्रजा भवन में तत्काल विशेष युद्ध कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिए।

बुधवार को प्रजा भवन में भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक हुई। बैठक में मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दुद्दिला श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव संजय जाजू सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि युद्ध कक्ष की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में की जाए और मुख्य सचिव इसकी व्यवस्था को मजबूत बनाएं। उन्होंने सम्मेलन के लिए गठित विभिन्न समितियों में आवश्यक विशेषज्ञों और महत्वपूर्ण अधिकारियों को शामिल करने के निर्देश दिए। पिछले वैश्विक सम्मेलन के दौरान हुए समझौता ज्ञापनों की वर्तमान प्रगति का व्यापक विश्लेषण करने के लिए विशेष समिति गठित करने को भी कहा। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि दिसंबर में होने वाले सम्मेलन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में भी व्यापक निवेशक सम्मेलन और प्रचार यात्राएं आयोजित कर निवेशकों को तेलंगाना की ओर आकर्षित किया जाए। उन्होंने सम्मेलन में आमंत्रित अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाने चाहिए। मुख्य सचिव प्रतिदिन कम से कम एक घंटे का समय निकालकर तैयारियों की समीक्षा करें और प्रत्येक समिति को सौंपी गई जिम्मेदारियों की नियमित निगरानी करें। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय के साथ काम करते हुए सम्मेलन को सफल बनाने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

हुसैन सागर में आत्महत्या की कोशिश करने वाले सूडानी नागरिक को बचाया गया

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय के पास हुसैन सागर में कूदकर आत्महत्या की कोशिश करने वाले एक विदेशी नागरिक को सैफबाद पुलिस ने बचाया। यह घटना सचिवालय के सामने हुई, जहाँ ड्यूटी पर तैनात सैफबाद पुलिसकर्मियों ने उस व्यक्ति को झील में जाते हुए देखा।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रस्सी की मदद से उसे पानी से बाहर निकाला और सुरक्षित बचा लिया। उस व्यक्ति की पहचान सूडानी नागरिक के तौर पर हुई। बचाने के बाद, सैफबाद पुलिस ने उसे आगे की पूछताछ के लिए लेक पुलिस को सौंप दिया।

लेक पुलिस आत्महत्या की कोशिश के कारणों का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

मी सेवा केंद्र बनेंगे डिजिटल विपणन केंद्र : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रत्येक मी सेवा केंद्र को डिजिटल विपणन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दुद्दिल्ला शीधर बाबू ने बुधवार को कहा कि स्थानीय व्यापारियों को कम लागत में डिजिटल प्रचार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मी सेवा और मेटा का संयुक्त कार्यक्रम पूरे राज्य में विस्तारित किया जा रहा है। गच्चीबौली स्थित शेरेटन होटल में आयोजित मी सेवा डिजिटल विपणन प्रशिक्षण के दूसरे चरण में विभिन्न जिलों से 140 से अधिक मी सेवा ग्राम स्तरीय उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

इन्हें 'डिजिटल व्यापार दूत' के रूप में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। शीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना नई तकनीक अपनाने में हमेशा अग्रणी रहा है। राज्य में 5,000 से अधिक मी सेवा केंद्र हैं, जिनके माध्यम से मिठाई की दुकानों, कपड़ा प्रतिष्ठानों, कुशल कारीगरों तथा अन्य छोटे कारोबारियों को डिजिटल विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे व्यापारियों की आय बढ़ाने के साथ लोगों में डिजिटल जागरूकता और

रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को पहले हैदराबाद में पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था। करीब 120 ग्राम स्तरीय उद्यमियों को डिजिटल विपणन और सामाजिक माध्यमों पर विज्ञापन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। इनमें 10 से अधिक उद्यमी अब प्रत्यक्ष रूप से डिजिटल विज्ञापन अभियान चला रहे हैं और स्थानीय व्यापारियों के लिए 17 से अधिक विज्ञापन तैयार कर प्रकाशित कर चुके हैं। पहले चरण के अच्छे परिणामों के बाद कार्यक्रम को सभी जिलों में विस्तारित किया जा रहा है।

दूसरे चरण में प्रत्येक जिले से चार से पांच ग्राम स्तरीय उद्यमियों का चयन किया गया है। प्रशिक्षित उद्यमी अपने जिलों में स्थानीय कारोबारियों की जरूरत समझने, डिजिटल विपणन के लाभ बताने, विज्ञापन तैयार करने और लक्षित ग्राहकों तक पहुंच बनाने में सहायता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री शीधर बाबू की मौजूदगी में इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग और मेटा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मी सेवा आयुक्त एवं इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण अधिकारी टी. रविकिरण, भारतीय वन सेवा अधिकारी, मेटा के प्रबंध निदेशक एवं देश प्रमुख अरुण शीनिवास, रणनीतिक कार्यक्रम एवं साझेदारी प्रमुख दिव्या खेमानी वधेरा तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने स्थानीय व्यापारियों के लिए नई सुविधा, पोर्टल और सहायता सेवा भी शुरू की।

व्यापारी मी सेवा के माध्यम से डिजिटल विपणन सहायता प्राप्त कर सकेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित डिजिटल विपणन ग्राम स्तरीय उद्यमी उपलब्ध हों और स्थानीय व्यापारियों को कम लागत में डिजिटल प्रचार की सुविधा मिले।

दुबई पुलिस ने तेलंगाना के युवाओं को फ़र्ज़ी वीज़ा और नौकरी के ऑफ़र से सावधान रहने को कहा

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई पुलिस ने लोगों से सावधानी बरतने और वीज़ा व नौकरी के ऑफ़र के झूठे वादों से गुमराह न होने की अपील की है।

पुलिस लोगों को लगातार सचेत करती रहती है क्योंकि स्कैमर्स (धोखाधड़ी करने वाले) नौकरी चाहने वालों को फ़र्ज़ी वर्क वीज़ा और नौकरी के ऑफ़र का लालच देकर निशाना बनाते हैं। धोखेबाज़ पक्की नौकरी या वीज़ा स्पॉन्सरशिप का वादा करते हैं, जिनका कोई कानूनी आधार नहीं होता, और अक्सर पहले ही पैसे की मांग करते हैं।

दुबई पुलिस के आपराधिक जांच विभाग के एंटी-फ्रॉड सेंटर ने पैसे के बदले काम, रेज़िडेंसी या विज़िट वीज़ा देने का वादा करने वाले फ़र्ज़ी विज्ञापनों और संदेशों की बढ़ती संख्या के बारे में चेतावनी जारी की है। ध्यान देने वाली बात है कि तेलंगाना के युवा उन लोगों में शामिल हैं जो अक्सर ऐसे घोटालों का शिकार हो जाते हैं।

ये धोखेबाज़ विज्ञापन सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप पर शेयर किए जा रहे हैं। इनमें अक्सर बिना लाइसेंस वाली कंपनियों के नाम का इस्तेमाल किया जाता है या खुद को आधिकारिक संस्था बताकर लोगों को ठगा जाता है और उनके पैसे हड़प लिए जाते हैं।

अपने चल रहे धोखाधड़ी से सावधान रहें: जागरूकता अभियान के तहत, सेंटर ने सभी वीज़ा आवेदन अधिकृत और कानूनी रूप से लाइसेंस प्राप्त एजेंसियों के ज़रिए जमा करने और बिचौलियों या अविश्वसनीय स्रोतों के साथ लेन-देन से बचने के महत्व पर ज़ोर दिया है। इसने वीज़ा से जुड़े किसी भी ऑफ़र या प्रक्रिया की असलियत की पुष्टि सिर्फ़ आधिकारिक चैनलों के ज़रिए करने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। सेंटर ने कहा कि जागरूकता और सर्विस देने वाले स्रोतों की पुष्टि करना धोखाधड़ी से बचाव का पहला कदम है। साथ ही, लोगों से सतर्क रहने और गैर-कानूनी तरीकों से वीज़ा या नौकरी पाने के झूठे वादों से बचने की अपील की। लोगों को यह भी साफ तौर पर चेतावनी दी गई कि वे कानूनी चैनलों के बाहर मिलने वाले वीज़ा या नौकरी के वादों या गारंटी से गुमराह न हों। सेंटर ने इन्हें नौकरी या रेज़िडेंसी चाहने वाले लोगों का फ़ायदा उठाने के लिए बनाए गए गुमराह करने वाले वादे बताया।

आवारा कुत्तों ने 10 भेड़ों को मारा, पांच घायल

सिद्दिपेट, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात रायपोल मंडल के अनाजीपुर में आवारा कुत्तों ने एक किसान की करीब 10 भेड़ों को मार डाला। किसान दसारी बालैया और दसारी स्वामी अपनी भेड़ों को गाँव के बाहरी इलाके में बने एक शेड में रखते थे। जब वे बुधवार सुबह शेड में लौटे, तो उन्होंने भेड़ों को खून से लथपथ पाया। 10 भेड़ें तो मौके पर ही मर गईं, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। दो लाख रुपये से ज़्यादा का नुकसान झेलने वाले किसानों ने आरोप लगाया कि आवारा कुत्ते उनके शेड के आसपास इसलिए जमा हो रहे थे क्योंकि गाँव में चिकन सेंटर चलाने वाले लोग शेड के पास ही चिकन का कचरा फेंक रहे थे। उन्होंने सरकार से मदद की अपील की।

32 महीने से सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे दिवंगत शिक्षकों के परिवार : हरीश राव

पूर्व मंत्री ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले शिक्षकों के परिजनों से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस के उप सदन नेता हरीश राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की लापरवाही के कारण मॉडल स्कूलों के शिक्षक और उनके परिवार गंभीर आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार को शिक्षक संघ के नेताओं तथा ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले शिक्षकों के परिजनों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। हरीश राव ने कहा कि पिछले 32 महीनों से प्रभावित परिवार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई संवेदनशील पहल नहीं की गई। उन्होंने इसे रेवंत रेड्डी सरकार के अमानवीय रवैये का प्रमाण

बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 के बाद अंशदायी पेंशन प्रणाली के तहत नियुक्त होकर जान गंवाने वाले करीब 40 मॉडल स्कूल शिक्षकों के परिवारों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है।

सरकारी आदेश संख्या 60 और 58 के अनुसार इन परिवारों को मृत्यु उपदान और पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने की पूरी पात्रता है, लेकिन सरकार द्वारा इन आदेशों को मॉडल स्कूलों में लागू नहीं किए जाने के कारण प्रभावित परिवार बेसहारा हो गए हैं। हरीश राव ने सरकार से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत रोजगार देने की मांग की। साथ ही उन्होंने राज्य के सभी मॉडल स्कूल शिक्षकों के लिए मृत्यु उपदान और पारिवारिक पेंशन की सुविधा लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अधिकारियों को सैकड़ों आवेदन दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

शिक्षा विभाग का दायित्व संभाल रहे मुख्यमंत्री को इस लापरवाही की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हरीश राव ने कहा कि राज्य के 194 मॉडल स्कूलों में कार्यरत करीब 3,000 शिक्षकों के पांच महंगाई भत्ते लंबित रखकर सरकार उन्हें आर्थिक संकट में डाल रही है। उन्होंने बताया कि लंबित महंगाई भत्ते के भुगतान के लिए शिक्षा विभाग ने 93 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट की मांग की थी, लेकिन सरकार ने संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी।

सूर्यापेट सड़क हादसे पर हरीश राव ने जताया गहरा दुख

घायलों को बेहतर उपचार देने की मांग

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के कोदाड़ मंडल के दुर्गापुरम स्टेज के पास हुए भीषण सड़क हादसे पर बीआरएस विधायक दल के उपनेता एवं पूर्व मंत्री हरीश राव ने गहरा दुख और सदमा व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में कई यात्रियों की मौत होना बेहद पीड़ादायक है। हरीश राव ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अचानक हुई इस दुर्घटना से अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों का दुख अत्यंत गंभीर है।

गांधी भवन भी बना जनता की समस्याओं के समाधान का मंच : वी. हनुमंत राव

पंजीकरण कार्यालयों की गलतियों पर राजस्व विभाग करे कड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रगति भवन को जनता के लिए खोलकर उसे जनता भवन में परिवर्तित किया और अब गांधी भवन को भी लोगों की समस्याओं के समाधान का मंच बनाया जा रहा है। गांधी भवन में आयोजित 'जनता से आमने-सामने' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में प्रगति भवन बनाया गया था, जहां आम लोगों को अपनी समस्याएं बताने का अवसर नहीं मिलता था।

कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रगति भवन को जनता भवन में बदलकर उसे लोगों की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनाया गया।

हनुमंत राव ने कहा कि इसी उद्देश्य से गांधी भवन में भी 'जनता से आमने-सामने' कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि आम लोग सीधे अपनी समस्याएं सरकार और पार्टी के प्रतिनिधियों के सामने रख सकें। उन्होंने बताया कि बुधवार को उनके सामने बड़ी संख्या में भूमि संबंधी समस्याएं आईं। उन्होंने कहा कि पहले पटेल-पटवारी व्यवस्था के दौरान भूमि विवाद अपेक्षाकृत कम थे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में धरणी व्यवस्था के साथ कई नई समस्याएं सामने आईं। हनुमंत राव ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा गरीबों को वितरित की गई जमीनों को भी कुछ भूमिस्वामी दोबारा अवैध रूप से अपने नाम पंजीकृत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकरण कार्यालयों में भी कई तरह की गलतियां हो रही हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने राज्य के राजस्व मंत्री से भूमि और पंजीकरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए म ज ब ू त और प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

साइबर सुरक्षा ब्यूरो की तत्परता से 85.20 लाख रुपये की रकम सुरक्षित

85 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंककर्मी को 'डिजिटल गिरफ्तारी' का डर दिखाकर ठगी का प्रयास

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की त्वरित कार्रवाई से 'डिजिटल गिरफ्तारी' ठगी के शिकार हुए 85 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी की पूरी 85.20 लाख रुपये की रकम सुरक्षित बचा ली गई। पीड़ित ने मलकाजगिरी आयुक्तालय के नेरेडमेट थाना क्षेत्र से ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जानकारी के अनुसार, 21 अगस्त को पीड़ित को एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी बनकर फोन किया। उसने आरोप लगाया कि पीड़ित के आधार विवरण का दुरुपयोग कर अब्दुल सलाम नामक व्यक्ति ने कर्नाटक और केरल में बैंक खाते खोलकर करीब 2.50 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन किए हैं। आरोपी तेलुगु में बात कर रहा था और पुलिस जैसी वर्दी पहनकर वीडियो कॉल पर दिखाई दिया। उसने गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाते हुए पीड़ित को किसी से संपर्क न करने और पूरी बात गुप्त रखने को कहा। आरोपी ने भारतीय रिजर्व बैंक में सत्यापन के नाम पर पीड़ित से 85,20,000 रुपये एक बैंक खाते में स्थानांतरित करा लिए और रकम सत्यापन के बाद वापस करने का भरोसा दिया। बाद में जब उसने 42 लाख रुपये और मांगे तो पीड़ित को संदेह हुआ। बैंक से संपर्क करने पर उसे साइबर ठगी की जानकारी हुई। इसके बाद उसने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों ने तुरंत रकम के लेनदेन का पता लगाते हुए कोयंबटूर स्थित आईडीएफसी बैंक की शाखा में आरोपी के खाते को फ्रीज करा दिया और पूरी 85.20 लाख रुपये की रकम सुरक्षित कर ली। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायत मलकाजगिरी साइबर अपराध पुलिस थाने को भेज दी गई है। साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने नागरिकों को सावधान करते हुए कहा कि कोई भी वास्तविक पुलिस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, केंद्रीय जांच ब्यूरो, भारतीय रिजर्व बैंक या अन्य सरकारी अधिकारी सत्यापन, जांच अथवा सुरक्षा के नाम पर बैंक खाते में रकम जमा करने के लिए नहीं कहता। उन्होंने कहा कि ठग पुलिस की वर्दी, फर्जी दस्तावेज और वीडियो कॉल का इस्तेमाल कर लोगों में भय पैदा करते हैं। नागरिकों से अपील की गई कि ऐसे फोन से घबराएं नहीं, रकम हस्तांतरित न करें और मामले को गुप्त न रखें। साइबर वित्तीय ठगी होने पर तत्काल 1930 पर फोन कर राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

एथिक्स कमेटी को राजनीतिक हथियार न बनाए सरकार : वेमुला प्रशांत रेड्डी

पहले मुख्यमंत्री, मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों के आचरण की हो जांच

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्री एवं विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार विभिन्न समितियों के नाम पर विपक्षी सदस्यों को परेशान कर रही है। तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि पाडी कौशिक रेड्डी के व्यवहार पर चर्चा के लिए 29 अगस्त को एथिक्स कमेटी की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एथिक्स कमेटी केवल विपक्षी सदस्यों पर कार्रवाई करने के लिए बनाई गई है। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि पिछले विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पाडी कौशिक रेड्डी के मामले को एथिक्स कमेटी को भेजने की बात कही थी, जबकि उस समय ऐसी कोई समिति अस्तित्व में नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले निर्णय लेकर समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि कौशिक रेड्डी ने विधानसभा में तत्कालीन

घटनाक्रम के दौरान केवल कडियम श्रीहरि से पूछा था कि वे किस पार्टी में हैं, लेकिन उनके बयान को गलत तरीके से पेश कर मामला समिति को भेजा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं के कथित आपत्तिजनक व्यवहार पर समिति मौन है। दानम नागेंद्र, कांग्रेस विधायक मंदुला शमूएल, पोन्नम प्रभाकर, शादनगर के शंकरैया और वेमुला वीरेशम के विधानसभा में कथित व्यवहार का उल्लेख करते हुए उन्होंने पूछा कि इन मामलों पर एथिक्स कमेटी ने कार्रवाई क्यों नहीं की। प्रशांत रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर भी विधानसभा में असंसदीय भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया और कहा कि सबसे पहले मुख्यमंत्री को समिति के समक्ष बुलाकर स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद ही कौशिक रेड्डी से पूछताछ हो। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एथिक्स कमेटी को राजनीतिक समिति में नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की भी जांच कराने की मांग की। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस विधायक 29 अगस्त की समिति बैठक में शामिल होंगे और मुख्यमंत्री, मंत्रियों तथा कांग्रेस विधायकों को पहले जांच के लिए बुलाने की मांग करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार प्रतिशोध की राजनीति बंद करे।

'ओपी राजभर पागल हो गए हैं, दवाई की जरूरत' आरक्षण के मुद्दे पर भड़की कांग्रेस

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। आरक्षण को लेकर ओम प्रकाश राजभर के दिए गए बयान पर कांग्रेस के सुरेंद्र राजपूत ने कहा आरक्षण विरोधियों की संगत (बीजेपी) में रहकर ओपी राजभर पागल हो गए हैं दवाई की आवश्यकता है उन्हें संविधान में आरक्षण सामाजिक स्थिति को उत्थान के लिए दिया गया था आपको छोड़ना हो तो छोड़िए पर बाकी क्यों छोड़े आप आरक्षण के विरोधी है संघ था विरोधी, भाजपा थी विरोधी पर ओपी राजभर भी इसके विरोधी हो गए अपने दिमाग का इलाज कराइये आरक्षण सामाजिक न्याय का मुद्दा है

60 साल से ऊपर की महिलाओं को योगी सरकार की सौगात

अब बसों में निशुल्क कर सकेंगी यात्रा

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। 60 वर्ष से अधिक उम्र वाली महिलाओं को यूपी रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ कर दिया। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी।

इस योजना का लाभ रोजाना करीब 88438 महिला यात्रियों को मिलने का अनुमान है। योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को

परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा। इससे सरकार पर हर महीने 22.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। इसके पहले प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी दे दी गई। इस योजना के तहत निशुल्क यात्रा सुविधा को व्यवस्थित तरीके से लागू करने के लिए 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को परिवहन निगम की ओर से विशेष स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्मार्ट कार्ड के माध्यम से पात्र महिला यात्रियों की पहचान और निशुल्क यात्रा की व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकेगा। इस सुविधा के तहत सरकार पर हर महीने 22.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। योगी सरकार ने इस फैसले के जरिए महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता के रूप में दर्शाया है। 'सशक्त नारी' के संकल्प को अब परिवहन सेवाओं से भी जोड़ दिया गया है।

बुजुर्ग महिला की नाले में गिरकर मौत, सुबह नाले में पड़ा मिला शव

आगरा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हरीपर्वत क्षेत्र स्थित चिम्मनलाल का बाड़ा में घर के सामने बने नाले में गिरकर 69 वर्ष की शीला देवी की मृत्यु हो गई। उनका शव बुधवार सुबह आठ बजे नाले मे पड़ा देख बस्ती के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शीला देवी के घर के सामने बने नाले पर आवागमन के लिए सीढ़ियां रखी हुई हैं। आशंका है कि मंगलवार की रात में किसी समय सीढ़ी से गुजरते समय पैर फिसलने से नाले में गिरकर उनकी मृत्यु हो गई। बस्ती के लोगों ने बताया कि शीला देवी अकेली रहती थीं।

उनकी एक बेटी बबली है, जिसका विवाह हो चुका है। वह अपनी ससुराल में रहती है। चिम्मनलाल का बाड़ा में घटनास्थल पर छत्ता और हरीपर्वत थाने की सीमा लगती है। घटना की जानकारी होने पर दोनों थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल हरीपर्वत थाने का होने के चलते पोस्टमार्टम वहां की पुलिस द्वारा कराया जा रहा है।

चिराग की पार्टी में बड़ा बदलाव

नए चेहरों को मौका, 8 राज्यों के चुनाव पर फोकस!

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार (26 अगस्त, 2026) पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की। आगामी दिनों में जिन आठ राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उन्हें केंद्र में रखते हुए यह कार्यकारिणी गठित की गई है, ताकि संगठन हर राज्य में चुनावी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार रहे। लोजपा (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए नई सूची जारी कर दी गई है। नई कार्यकारिणी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां नए और फ्रेश चेहरों को सौंपी गई हैं।

जो सूची जारी हुई है उस अनुसार देखा जाए तो पार्टी नेतृत्व ने उन कार्यकर्ताओं पर भरोसा जताया है जिन्होंने जमीन पर काम किया है। संगठन को मजबूत किया है। कार्यकारिणी में युवाओं और महिलाओं को उनकी समुचित भागीदारी दी गई है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा है कि यह पद नहीं, जिम्मेदारी है। निर्देश दिया है कि पार्टी के हर पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है।

नई सूची को पार्टी के एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा गया है, आशा है कि आप सभी संगठन को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ रामविलास पासवान के विचारों और राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के विजन को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हिजाब और यूनिफॉर्म विवाद पर मायावती का रिएक्शन आया सामने

बोलीं- कोर्ट-कचहरी के बजाय आपसी समझ से सुलझाएं मामला

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के प्रयागराज स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में 11वीं की मुस्लिम छात्रा को स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की अनुमति से इनकार करने के फैसले के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को कोर्ट-कचहरी तक ले जाने के बजाय स्थानीय स्तर पर स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की आपसी सूझबूझ से सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। मायावती ने धार्मिक मामलों पर संकीर्ण राजनीति से बचने की भी सलाह दी।

मायावती ने एक्स पर कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सभी जाति-धर्म के लोगों को समान अधिकार देने वाला सेक्युलर संविधान दिया। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आचरण की आजादी है। इसलिए किसी की धार्मिक मान्यता में दखल देने के

बजाय उसकी पवित्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। मायावती ने महिलाओं की अस्मिता, सम्मान और पर्दा आदि से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता के साथ देखने की बात कही। उन्होंने कहा 'स्कूलों में यूनिफॉर्म, पर्दा, चादर, हिजाब आदि पहनने के मामले को ज्यादा तूल देकर कोर्ट-कचहरी में विवाद का कानूनी मुद्दा बनाने के बजाय, उन्हें स्थानीय स्तर पर स्कूल प्रबंधन व शासन-प्रशासन की आपसी सूझबूझ से सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों की आड़ में संकीर्ण राजनीति का मौका नहीं मिलना चाहिए।

राहुल के मनुस्मृति वाले बयान पर बिफरे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, बताया सतही समझ

वाराणसी, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे में आयोजित कार्यक्रम छात्रों की गूंज में कांग्रेस सांसद व संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मनुस्मृति और सनातन सांस्कृतिक विचारों पर दिए बयान पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान उनकी अज्ञानता, सतही समझ और सनातन परंपरा के प्रति दुर्भावनापूर्ण मानसिकता को उजागर करता है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए प्राचीन धर्मशास्त्रों के श्लोकों को संदर्भ से हटाकर पेश करना सांस्कृतिक विरासत का अपमान है। यह समाज को भ्रमित करने का भी प्रयास है। राहुल गांधी ने जिस श्लोक 'पिता रक्षति कौमारे, भर्ता रक्षति यौवने।'

का उल्लेख किया, वह शास्त्रीय और व्यावहारिक दृष्टि से स्त्री की परतंत्रता की बात नहीं करता, बल्कि वृत्ति स्वातंत्र्य की बात करता है और स्त्रियों के सम्मान को बढ़ाता है।

राहुल गांधी के मनुस्मृति विरोधी लगातार बयानों से स्पष्ट है कि उनकी मानसिकता हिंदू धर्मशास्त्रों और सनातन जीवन-दृष्टि के विरोध की है। स

्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि महाराज छत्तीसगढ़ के सलधा-बेमेतरा स्थित सपाद लक्षेश्वर मंदिर में चातुर्मास प्रवास कर रहे हैं।

कौन थीं हाथरस की रहने वालीं 23 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसेर छवि वार्ष्णेय

जिनकी एमपी में हुई दर्दनाक मौत?

हाथरस, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसेर छवि वार्ष्णेय अब इस दुनिया में नहीं हैं। मूल रूप से हाथरस की रहने वालीं छवि की मध्य प्रदेश के उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर सड़क हादसे में मौत हो गई। छवि अर्टिगा कार में सवार थीं। कार की टक्कर आगे चल रहे ट्रक से हुई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। छवि के साथ-साथ उनकी मां की भी इस हादसे में जान चली गई। जबकि कार सवार अन्य 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस हादसे की सूचना मिलते ही बड़ौद पुलिस और एनएचएआई की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। कार में महिला का शव बुरी तरह फंस गया था। उसे बाहर निकालने में रेस्क्यू टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दोनों मृत महिलाओं के शव शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौद पहुंचाए गए। वहीं, घायलों को भर्ती कराया गया। छवि हाथरस जंक्शन क्षेत्र के महौखास गांव की रहने वाले थीं। उनके पिता श्यामलाल किराना स्टोर चलाते हैं।

श्यामलाल के परिवार में पत्नी सारिका (50) के अलावा बेटी छवि वार्ष्णेय (23) और एक बेटा कान्हा (26) है। रात श्यामलाल, बेटी छवि, पत्नी सारिका, रिश्तेदार सरजपाल और ड्राइवर सचिन के साथ उज्जैन दर्शन करने जा रहे थे और इसी दौरान ये दुखद हादसा हो गया। बड़ौद पुलिस दुर्घटना के कारणों की पड़ताल कर रही है। शुरूआती जानकारी के अनुसार अर्टिगा की ट्रक से पीछे से टक्कर हुई। पुलिस अब हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

अस्पताल में महिला डॉक्टर पर पति ने किया हमला, जूते से पीटा और आंख में डाला स्प्रे

मुंगेर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सदर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए बुधवार सुबह अस्पताल परिसर में महिला चिकित्सक पर उनके पति ने कथित तौर पर हमला कर दिया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ। निधि ने पति डॉ। कृष्ण गोपाल पर मारपीट, दुर्व्यवहार और आंखों में स्प्रे डालने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरातफरी मच गई। सुरक्षा गार्डों ने आरोपित को पकड़ लिया और 112 पर सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी पति जेएलएनएमसीएच में डॉक्टर है डॉ। निधि ने कोतवाली थाने में दिए आवेदन में बताया है कि वह सदर अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत हैं। बुधवार सुबह डॉ। कृष्ण गोपाल अस्पताल परिसर पहुंचे और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने चेहरे समेत शरीर के कई हिस्सों पर जूते से प्रहार किया।

इसके बाद आंखों और चेहरे पर स्प्रे कर दिया। इससे दोनों आंखों में तेज जलन और परेशानी होने लगी। मारपीट के दौरान शोर सुनकर अस्पताल के सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचे। गार्डों ने हस्तक्षेप कर आरोपित को पकड़ लिया। तत्काल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस डा। कृष्ण गोपाल को अपने साथ कोतवाली थाना ले गई। डॉ. निधि ने बताया कि दोनों के बीच पहले से न्यायालय में मुकदमा चल रहा है।

महिलाओं के स्टार्टअप के लिए 2 लाख तक देगी सरकार

पीएचडी फेलोशिप के लिए हर महीने 10 हजार की मदद; 4700 पुलिस दीदियों को स्कूटी-बाइक मिलेगी

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा बंधन से पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार की महिलाओं और बेटियों के लिए कई ऐलान किए हैं। राज्य सरकार ने अगले 3 वर्षों में राज्य की 1 करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का संकल्प लिया है। बेटियों को अपना नया स्टार्टअप शुरू करने के लिए 'बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना' के तहत 50 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, स्कूल-कॉलेजों में छात्राओं की सुरक्षा के लिए 'पुलिस दीदी' (अभया ब्रिगेड) की तैनाती की जाएगी, जिन्हें 4700 स्कूटी और मोटरसाइकिलें दी जाएंगी। रक्षा बंधन के मौके पर महिलाओं को बिहार सरकार की ओर से बड़ा तोहफा दिया गया है।

27 अगस्त की सुबह से 28 अगस्त की रात 10 बजे तक महिलाएं परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इस दौरान बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की एक हजार से अधिक बसों में महिलाओं को यात्रा के लिए किराया नहीं देना होगा। इसका उद्देश्य रक्षा बंधन के अवसर पर महिलाओं को अपने मायके और परिवार के लोगों से मिलने-जुलने

में सहूलियत देना है। कार्यक्रम में पुलिस दीदी को भी बड़ी सौगात दी जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 4700 स्कूटर और मोटरसाइकिल का फ्लैग ऑफ करेंगे। इन वाहनों के जरिए पुलिस दीदी के काम को और प्रभावी बनाने तथा महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों तक योजनाओं और सेवाओं की पहुंच बेहतर करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप योजना की भी शुरुआत बुधवार को होगी। योजना के तहत एक हजार छात्राओं को चार वर्षों तक हर महीने 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसका उद्देश्य छात्राओं को उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। फेलोशिप मिलने से छात्राओं को पीएचडी के दौरान पढ़ाई, शोध और उससे जुड़े खर्चों में आर्थिक मदद मिलेगी। सरकार का लक्ष्य छात्राओं को उच्च शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पति की मौत के बाद बढ़ाई नजदीकी, फिर बनाया शारीरिक संबंध और 8 लाख रुपये, सोने की चेन ले गया

आगरा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। क्षेत्र की एक सहायक अध्यापिका ने अलीगढ़ निवासी युवक पर विश्वास में लेकर शारीरिक संबंध बनाने और करीब आठ लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति की मृत्यु के बाद आरोपी ने मदद के बहाने उनसे नजदीकी बढ़ाई और बाद में कथित तौर पर उनका शोषण किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, उनके पति की मृत्यु के बाद अलीगढ़ के अतरौली क्षेत्र के जुझरका निवासी अभिषेक सिंह ने मदद के बहाने उनसे संपर्क बढ़ाया। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकी बढ़ गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने विश्वास में लेकर शिक्षिका से शारीरिक संबंध बनाए। बाद में कथित तौर पर वह पीड़िता से अलग-अलग मौकों पर रुपये लेने लगा। शिक्षिका का आरोप है कि आरोपी ने दबाव बनाकर उनसे डिजिटल माध्यम से करीब आठ लाख रुपये लिए। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी यहीं नहीं रुका और उनकी सोने की चेन भी जबरन ले गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने आरोपी से दूरी बनानी शुरू की तो उसका व्यवहार बदल गया और वह कथित तौर पर उन्हें परेशान करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि दूरी बनाने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

'बीजेपी सरकार है या दुकानदार?' जेपीएनआईसी निजी हाथों में सौंपने पर भड़के अखिलेश

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्राइवेट कंपनी के हाथों सौंपने का फैसला किया है, जिसे लेकर सपा मुखिया ने जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को केवल ठेका देना या बेचना ही बचा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जेपीएनआईसी को निजी हाथों में दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया और लिखा- भाजपा सरकार है या दुकानदार? अब उप्र की भाजपा सरकार ने लखनऊ के जेपीएनआईसी (जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर) को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय कैबिनेट में ले लिया है। अब तो बस सरकार को ही ठेके पर देना या बेचना बचा है। 'कमीशन' भ्रष्ट भाजपा की गाड़ी का तेल-पानी है और 'निजीकरण' उसका जुगाड़। दरअसल योगी कैबिनेट ने लखनऊ में बने जेपीएनआईसी को निजी कंपनियों वृंदावन बॉटलर्स और रॉकवुड होटल्स को 35 साल के लिए लीज़ पर देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत ये कंपनियां अपने खर्च से दो साल के अंदर बचे हुए सारे कामों को पूरा कराएंगी और इसका संचालन शुरू कर देंगी।

न्यूयॉर्क में आरएसएस के कार्यक्रम का विरोध, बीजेपी-कांग्रेस में छिड़ी जुबानी जंग

सहारनपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के मौके पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में संघ प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम का विरोध हो रहा है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने इसे भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के खिलाफ बताया है। जिस पर यूपी की सहारनपुर सीट से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की प्रतिक्रिया आई हैं। उन्होंने पूछा कि ये आखिर पूरी दुनिया को क्या दिखाना चाहते हैं। मेयर जोहरान ममदानी द्वारा आरएसएस प्रमुख के कार्यक्रम का विरोध करने पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि ये पूरी दुनिया में क्या दिखाना चाह रहे हैं? देश के नौजवानों को बर्बाद कर दिया।

जिस अमेरिका के साथ दोस्ती की थी, उस अमेरिका ने जो बच्चों को वीजा मिलता था उसके ऊपर क्या हाल कर दिया, मैं आंकड़े पढ़ रहा था कि 40 फीसद से ज्यादा गिरावट आ गई है। अब बच्चे भी नहीं जाना चाह रहे हैं। वहीं बीजेपी सांसद भोला सिंह ने मेयर जोहरान ममदानी के विरोध पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जो लोग आरएसएस के बारे में नहीं जानते हैं, जिन्हें समझ नहीं नहीं है, वो इस तरह के गलत बयान देते हैं। आरएसएस इतने लंबे समय से राष्ट्रनिर्माण के लिए काम कर रही है। देश पर कोई भी आपदा आती है तो हमारे स्वयं सेवक लगते हैं। ये ऐसा संगठन है लोगों की मदद के लिए लगते हैं। बीजेपी सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ऐसा संगठन हैं जो हमेशा देश के साथ में देश के अच्छे और संकट के समय में भी काम करते हैं। हर क्षेत्र में हमारा संगठन काम करता है। इस तरह की बयानबाजी से कुछ बदलता नहीं हैं।

किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। बता दें कि न्यूयॉर्क सिटी में 29 अगस्त को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का कार्यक्रम प्रस्तावित है। ये कार्यक्रम न्यूयॉर्क के मशहूर मेडिसन स्क्वायर गार्डन में होना है, जिसे 'यूनिवर्सल वननेस' नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम में 5000 प्रवासी भारतीयों के आने का अनुमान हैं। लेकिन, उनके इस कार्यक्रम पर यहां मेयर ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वो इस रैली का समर्थन नहीं करते हैं।

एसी कोच में शराब तस्करी का आरोप, बलिया स्टेशन पर अटेंडेंट गिरफ्तार, बैग से दो दर्जन से अधिक बोतलें बरामद

बलिया, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने शराब तस्करी के आरोप में गरीब नवाज एक्सप्रेस के एक कोच अटेंडेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी उत्तर प्रदेश से शराब खरीदकर बिहार ले जाता था और वहां कथित तौर पर अधिक कीमत पर बेचता था। स्टेशन पर चेकिंग के दौरान उसके बैग से दो दर्जन से अधिक शराब की बोतलें बरामद होने का दावा किया गया है।

जीआरपी बलिया स्टेशन प्रभारी राज कपूर सिंह के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल कुमार के रूप में हुई है। वह बिहार के भागलपुर जिले के रंगरा थाना क्षेत्र के कुमादपुर गांव का रहने वाला है और उसकी उम्र 28 वर्ष बताई गई है। पुलिस के मुताबिक राहुल कुमार राम ट्रेन नंबर 15716 गरीब नवाज एक्सप्रेस में कोच अटेंडेंट के तौर पर काम करता था। बलिया रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान राहुल कुमार की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसके बाद जीआरपी ने उसके बैग की तलाशी ली। तलाशी में बैग से दो दर्जन से अधिक शराब की बोतलें बरामद हुईं। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने बलिया में ही शराब खरीदी थी और उसे ट्रेन के जरिए बिहार ले जाने की तैयारी में था।

'तुम आराम से लेटो पहले'

घायल छात्रों से मिलने के बाद तेजस्वी यादव का सीएम सम्राट चौधरी से बड़ी डिमांड

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बांकीपुर उपचुनाव से ठीक पहले विदेश दौरे से लौटे तेजस्वी यादव लगातार एक्टिव हैं। तेजस्वी यादव ने पटना में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन को समर्थन दिया है। उसके अलावा उनकी पार्टी और वे खुद ही आगे बढ़कर छात्रों की मदद कर रहे हैं। तेजस्वी यादव पर छात्रों को भड़काने का भी आरोप लगा। लेकिन तेंजस्वी यादव लगातार छात्रों से मिलकर उनका हालचाल ले रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अस्पताल पहुंचकर एक घायल छात्र से मुलाकात की और वहां मौजूद स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया। तेजस्वी यादव ने अस्पताल पहुंचने के बाद कहा कि तुम आराम से लेटो।

तुम आराम करो। चक्कर आ जाएगा। उसके बाद वहां मौजूद छात्रों ने कहा कि आपके आने के बाद ये लोग एक्टिव मोड में आए हैं। अस्पताल वाले। बिहार में वैसा ही है सर। तेजस्वी यादव ने कहा कि पटना में लोकतांत्रिक प्रदर्शन के दौरान पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज में घायल छात्रों से अस्तपाल में मुलाकात की। इमरजेंसी में भर्ती घायलों का घंटों तक उपचार भी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देश के सबसे अधिक युवा आबादी वाले सबसे नौजवान प्रदेश बिहार में छात्रों और युवाओं का भविष्य मोदी एंड कंपनी द्वारा बेरहमी से रौंदा जा रहा है। अपने हक-अधिकार के लिए आवाज उठाने वाले प्रदर्शनकारियों पर एके-47 से गोलियां और लाठियां बरसाई जा रही हैं। पुलिस कार्रवाई को लेकर एक्सीडेंटल सीएम सम्राट चौधरी को तुरंत छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर इन बातों को लिखा है, जिस पर नेटिजन्स अलग- अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने कहा है कि काश तुम टिकट नहीं बेचते तो आज बिहार में महागठबंधन की सरकार होती।

एक यूजर ने लिखा कि जिस व्यक्ति का अपना राजनीतिक वजूद ही वंशवाद के एक्सीडेंट पर टिका हो, जिसके पास योग्यता के नाम पर सिर्फ 9वीं पास का रिपोर्ट कार्ड और 5वीं पास का हो। पिताजी का सरनेम हो। वह जनतंत्र में चुनकर आए नेताओं को एक्सीडेंटल कह रहा है। इसे कहते हैं ज़माने का सबसे बड़ा मज़ाक।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समय की जरूरत है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव असंवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आखिर आप किस जमीर की बात कर रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव 1952 , 1957, 1962 में हुए। इसके बाद कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से सरकारों को गिराने की कोशिश की। इसके बाद यह व्यवस्था बिगड़ी। 1983 में विधि आयोग ने कहा था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ होना जरूरी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को कह रहा है। 1918 में फिर से विधि आयोग ने यह बात कही।

आखिर यह सब कुछ असंवैधानिक कहां से हो गया? पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस संबंध में देश भर के चिंतकों से चर्चा की। इसके बाद वह रिपोर्ट तैयार हुई , जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव की रिपोर्ट को प्रतिपादित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो। इसके बाद 100 दिन के अंदर बाकी के चुनाव भी संपन्न हो जाने चाहिए।

इस तरह की पूरी रूपरेखा निर्धारित करके उसे धरातल पर उतारा जाना चाहिए। लगातार चुनाव होने से ना महज सरकार का खर्चा बढ़ाता है, बल्कि विकास से संबंधित कार्य भी शिथिल होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कोई काम हो या ना हो। लेकिन, एक काम जरूर होता है और वह है अगले काम की तैयारी।

विकास के काम आचार संहिता लागू होने की वजह से रुक जाते हैं। लोकलुभावन घोषणाएं विकास को बाधित करने का काम करती हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक अपना सारा समय विकास के कार्य में झोंक देते हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी सारे काम छोड़कर चुनाव के काम में ही लगे रहते हैं। इससे विकास कार्य ठप हो जाता है। उनके मुताबिक, आज की तारीख में यह समय की जरूरत है कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस का जमीर दूसरा विषय है। लेकिन, राष्ट्रहित हमारे लिए जरूरी है। हम उसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर सकते हैं।

झील में दो बच्चों समेत छह लोगों के शव मिलने से मचा हड़कंप, खुदकुशी या हादसा? पुलिस जांच में जुटी

विजयपुरा (कर्नाटक), 26 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा में भूतनाल झील में बुधवार को दो बच्चों समेत छह लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक भूतनाथ झील से चार महिलाओं और दो बच्चों के शव बरामद किए गए हैं। इन 6 लोगों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने यह आशंका जताई है कि वे झील देखने के लिए आए होंगे और फिसलकर उसमें गिर गए होंगे। सूचना मिलने पर, सिटी डिप्टी एसपी नागराज, आदर्श नगर पुलिस स्टेशन के पीएसआई सीताराम लमानी, अन्य स्टाफ और फायर ब्रिगेड के लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और पानी से शवों को निकाला। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। आसपास के गांवों से संपर्क किया जा रहा है ताकि इन शवों की पहचान हो सके। एक सीनियर अधिकारी ने कहा, जैसे ही कुछ लाशें मिलने की जानकारी मिली, एक टीम मौके पर पहुंची और मौके की जांच की गई।

पति का पैर कटा तो पत्नी ने दिखाया असली रंग, मांगा तलाक कोर्ट ने सुनाया फैसला

मंडी, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले स्थित सुंदरनगर फैमिली कोर्ट ने हिंदू विवाह और सामाजिक दायित्वों से जुड़ा एक बेहद दूरगामी और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सुंदरनगर की अदालत ने गंभीर बीमारी के कारण अपना एक पैर गंवा चुके पति से तलाक की मांग करने वाली पत्नी की याचिका को न केवल सिरे से खारिज कर दिया, बल्कि याचिकाकर्ता पत्नी पर लागत (हर्जाना) भी लगाई। फैसला सुनाते हुए अदालत ने सख्त टिप्पणी की कि जीवनसाथी को कठिन परिस्थितियों और शारीरिक असमर्थता के समय सहारा देने के बजाय बोझ समझकर पीछा छुड़ाना हिंदू विवाह अधिनियम के तहत क्रूरता या तलाक का आधार नहीं बन सकता।

मामला सुंदरनगर के बीबीएमबी क्वार्टर निवासी मीना कुमारी और उनके पति पारगी निवासी ललित कुमार का है। याचिकाकर्ता पत्नी ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 (1) (आई ए) और (आईबी) के तहत याचिका दाखिल की थी। उसने आरोप लगाया था कि पति उस पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता करता है तथा वर्ष 2014 से ही उसे परित्यक्त (छोड़) कर अलग रह रहा है। इसी आधार पर उसने अदालत से तलाक की गुहार लगाई थी।

अदालत में मामले की सुनवाई और जिरह के दौरान याचिकाकर्ता पत्नी के दावों की हवा निकल गई। पत्नी ने जिरह के दौरान खुद स्वीकार किया कि वह और उसका पति वर्ष 2014 से 2023 तक सुंदरनगर के जवाहर पार्क स्थित एक किराये के मकान में एक साथ रह रहे थे। इससे 2014 से पति द्वारा छोड़े जाने (परित्याग) का आरोप पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत साबित हुआ। प्रतिवादी पति ललित कुमार की एक गंभीर बीमारी के कारण टांग काटनी पड़ी थी और वे चलने-फिरने में पूरी तरह से लाचार हैं। पत्नी ने कोर्ट के समक्ष यह भी माना कि पति का पैर कटने के बाद वह उनसे एक बार भी मिलने तक नहीं गई।

नेहा बस्सी मौत केस में बड़ा एक्शन

जांच अधिकारी सस्पेंड, थाना प्रभारी का तबादला; पति-सास उज्जैन से गिरफ्तार

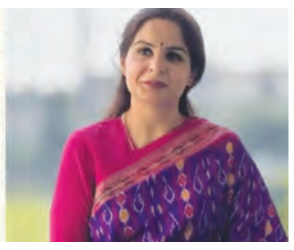

जालंधर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर के सेंट सोल्जर कॉलेज की लेक्चरर नेहा बस्सी की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही के आरोपों के चलते जांच अधिकारी एएसआई बोधराज को सस्पेंड कर दिया गया है, जबकि संबंधित थाना प्रभारी का तबादला कर दिया गया। इसी बीच पुलिस ने मामले में आरोपी सतपाल कौर को गिरफ्तार करने के बाद अब नेहा के पति उमंग बस्सी और सास कुसुम बस्सी को भी उज्जैन से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों को जालंधर लेकर आ रही है। मामले में 6 वर्षीय बच्ची को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस जांच के मुताबिक, नेहा बस्सी की मौत के मामले में टॉयलेट क्लीनर/हार्पिक पिलाने का आरोप सामने आया है। पुलिस जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा कर सकती है। हालांकि, आरोपों और घटनाक्रम की अंतिम पुष्टि पुलिस की आधिकारिक जांच और अदालत की कार्रवाई के बाद ही होगी।

मामले में गिरफ्तार सतपाल कौर के पति विशाल शर्मा भी सामने आए हैं। हैदराबाद में साइबर सिक्योरिटी कंसल्टेंट के तौर पर काम करने वाले विशाल के अनुसार, उनकी और सतपाल कौर की करीब 11 साल पहले लव मैरिज हुई थी और उनकी 9 साल की बेटी है। विशाल का दावा है कि उन्होंने जालंधर में करीब 1 करोड़ रुपये का मकान पत्नी के नाम कराया था। विशाल के मुताबिक, करीब छह महीने पहले उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी सतपाल कौर का उमंग बस्सी के साथ करीब तीन साल से अफेयर चल रहा था। उनका कहना है कि उमंग उनका स्कूल फ्रेंड भी था। विशाल ने फोन पर आरोप लगाया कि 3 फरवरी को जब वह अचानक घर पहुंचे तो सतपाल कौर किसी से चैटिंग कर रही थी। मोबाइल देखने की कोशिश करने पर कथित तौर पर दोनों के बीच विवाद हुआ और उनकी पत्नी ने उन पर हमला किया तथा घर से चली गई। विशाल का आरोप है कि उनकी बेटी के मेयर वर्ल्ड स्कूल के बाहर भी उमंग बस्सी ने उन पर तेजधार हथियार से जानलेवा हमला किया था। उनका दावा है कि शिकायत देने के बावजूद राजनीतिक दबाव के कारण उस समय उचित कार्रवाई नहीं हुई।

विशाल शर्मा का दावा है कि पत्नी के मोबाइल की जांच के दौरान उन्हें करीब 15 दिनों की 206 पन्नों की व्हाट्सएप चैट मिली। विशाल ने यह भी दावा किया कि पत्नी के कमरे से कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। उनका कहना है कि वह नौकरी के कारण हैदराबाद में रहते थे, इसलिए वह कथित साजिश का शिकार होने से बच गए।

ड्यूटी के दौरान हिमाचल के जवान का सिलीगुड़ी में आकस्मिक निधन

शिमला, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले से दुखद खबर सामने आई है। जिले के उदयपुर क्षेत्र के कुकमसेरी गांव निवासी और असम रेजिमेंट में सेवारत सिपाही अनिल का ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। जवान पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में तैनात थे। बताया जा रहा है कि 23 अगस्त को अचानक हृदय गति रुकने के कारण उनका निधन हो गया। जवान की असमय मौत की खबर मिलते ही परिवार के साथ-साथ पूरे गांव और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

सिपाही अनिल स्वर्गीय श्री हरिदास के बेटे थे और भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वह वर्तमान में असम रेजिमेंट के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में तैनात थे। 23 अगस्त को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। जवान के निधन की सूचना जब उनके पैतृक गांव कुकमसेरी पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया। अनिल के आकस्मिक निधन से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शराब टेंडरों को लेकर कांग्रेस ने खड़े किए सवाल चुनिंदा कंपनियों के दबदबे के लगाए आरोप

मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रदेश के शराब टेंडरों को लेकर भाजपा सरकार की घेराबंदी करते हुए सवाल खड़े किए हैं और निष्पक्ष जॉच की मांग की है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के मुखिया जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश के शराब टेंडरों में वर्षों से कुछ चुनिंदा कंपनियों के कथित वर्चस्व और टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक प्रदेश के 33 जिलों में शराब के प्रमुख टेंडरों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच तथा संपूर्ण प्रक्रिया का ऑडिट कराने की मांग की है। पटवारी ने कहा कि वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक शराब कारोबार में कुछ चुनिंदा कंपनियों का लगातार प्रभाव बना हुआ है। सामने आए दावों के अनुसार चार समूहों के पास लगभग 70 प्रतिशत बाजार है तथा कई जिलों में वर्षों से उन्हीं कंपनियों को लगातार टेंडर मिलते रहे हैं। यदि यह तथ्य सही है तो यह महज संयोग नहीं माना जा सकता। इससे प्रदेश की पूरी टेंडर व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।पटवारी ने आगे जोड़ा कि ऑनलाइन टेंडर व्यवस्था लागू होने के बावजूद यदि टेंडर के परिणामों में पुराने पैटर्न की पुनरावृत्ति हो रही है तो सरकार को प्रदेश की जनता के सामने इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की कार्रवाई के बाद वर्ष 2022 में जिस कथित पैटर्न के टूटने की बात सामने आई थी, उसके बाद यदि फिर वही स्थिति दिखाई दे रही है तो इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि सरकार शराब कारोबार से हजारों करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने वाले कारोबारियों के हितों की रक्षा कर रही है या प्रदेश के राजस्व और जनता के हितों की? उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व किसी कारोबारी समूह को संरक्षण देना नहीं, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के राजस्व और जनहित की रक्षा करना है।

सुखबीर का पंजाब सरकार पर निशाना

लिखा- केजरीवाल और सिसोदिया के लिए 'सिलेबस से बाहर' की बात

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की ओर से शिक्षा व्यवस्था को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को घेरा है। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, यह कहानी बार-बार सुनाई जानी चाहिए, जब तक कि आप पंजाब, गुरु-द्रोही भगवंत मान और हरजोत सिंह बैंस का झूठा प्रोपेगैंडा पूरी तरह से बेनकाब न हो जाए। पंजाब में जो हो रहा है, वह कोई 'क्रांति' नहीं बल्कि एक बहुत बड़ा 'शिक्षा घोटाला' है! उन्होंने आगे लिखा, निश्चित रूप से अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के लिए यह 'सिलेबस से बाहर' की बात है! बीते दिनों सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, यह सिर्फ एक विरोध या एक विभाग की बात नहीं है। पंजाब के सभी कर्मचारियों ने मिलकर 'गुरु-द्रोही' भगवंत मान और उनकी 'झूठों की कैबिनेट' की असलियत सबके सामने ला दी है! उन्होंने निशाना साधते हुए 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा था, भर्ती और सर्विस से जुड़े मुद्दों को लेकर शिक्षक विरोध कर रहे हैं। पीएसपीसीएल कर्मचारी अपने 18 प्रतिशत बकाया डीए, सही पे-स्केल और ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) को फिर से लागू करने की मांग कर रहे हैं।

एमजीएनआरईजीए कर्मी बकाया मजदूरी और नौकरी पक्की करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सफाई सेवक नौकरी की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मोहल्ला क्लिनिक स्टाफ बेहतर वेतन और काम की बुनियादी स्थितियों के लिए विरोध कर रहे हैं। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया पर आगे लिखा, कर्मचारी और पेंशनभोगी, बकाया डीए और अपने वाजिब हक के लिए सड़कों पर उतरे हैं। 6 समस्याएं, 1 समाधान- लाठीचार्ज! उन्होंने लिखा था, हरपाल सिंह चीमा, इतनी नाकामी के बावजूद आपका घमंड शर्मनाक है!

गर्लफ्रेंड संग ऐश के लिए खुद के घर में चोरी, 50 लाख कैश–गहने सब ले गया

जोरहाट, 26 अगस्त (एजेंसियां)। असम के जोरहाट में 25 साल के युवक को अपने ही घर से लगभग 50 लाख रुपये नकद और सोने के गहने चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को शक है कि इस पैसे का कुछ हिस्सा उसने अपनी गर्लफ्रेंड पर खर्च किया है। आरोपी की पहचान यश धनुका अग्रवाल के तौर पर हुई है। उसे तब पकड़ा गया, जब उसके पिता ने जोरहाट सदर पुलिस स्टेशन में नकद और कीमती सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के मुताबिक चोरी 11 अगस्त को हुई थी, जब परिवार घर पर नहीं था। आरोप है कि माता-पिता के कमरे का लॉकर तोड़कर नकदी और गहने चोरी किए गए। पुलिस ने बताया कि चोरी के बाद यश जोरहाट से चला गया था। साइबर सिक्योरिटी सेल की मदद से जांच करने वालों ने उसके मोबाइल को अहमदाबाद में ट्रेस किया। बाद में यश के पिता अहमदाबाद गए, उसे वापस जोरहाट लाए और पुलिस के हवाले कर दिया। जोरहाट सदर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ऋषिकेश हजारिका ने बताया कि यश को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया और उसके बाद ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया है।

कौन सक्रिय?: राहुल ने जांची सोशल मीडिया पर सक्रियता केंद्रीय मुद्दों पर गंभीर नहीं दिखे पंजाब के वरिष्ठ नेता

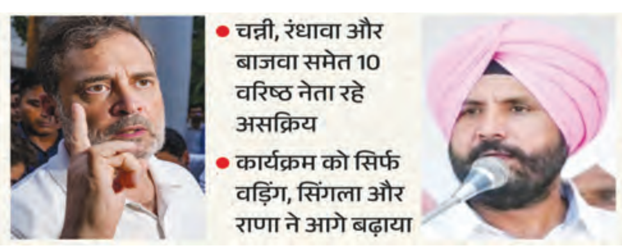

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले वे वरिष्ठ कांग्रेसी सोशल मीडिया मंचों पर कितने सक्रिय हैं, जिनके कंधों पर चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी है, यह देखने के लिए राहुल गांधी ने विशेष आईटी टीम से एक रिपोर्ट तैयार करवाई है। राहुल ने यह भी जांचा कि ये नेता पार्टी हाईकमान के मुद्दों के प्रति कितने गंभीर हैं और उन्हें आगे बढ़ाते हैं या नहीं। इस रिपोर्ट में पंजाब के तीन वरिष्ठ नेता प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति के प्रभारी विजय इंदर सिंगला व चुनाव प्रचार समिति के सह अध्यक्ष एवं विधायक राणा गुरजीत सिंह ही सक्रिय दिखे।

सांसद एवं पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदरसिंह रंधावा और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा समेत 10 वरिष्ठ कांग्रेसी केंद्रीय नेतृत्व के मुद्दों को आगे बढ़ाने में असक्रिय रहे। पार्टी सूत्र बताते हैं कि इस एक्सरसाइज के लिए राहुल गांधी के 22 अगस्त को पुणे में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को आधार बनाया गया था। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व यह देखना चाहता था कि पंजाब में प्रदेशाध्यक्ष समेत चुनावी तैयारियों के लिए गठित की गई समितियों के अध्यक्ष व सह अध्यक्ष पार्टी हाईकमान के मुद्दों को अपने-अपने सोशल मीडिया मंचों के तहत पंजाब में कितना आगे बढ़ाते हैं।

दरअसल, कांग्रेस इस तरह के कार्यक्रम उन राज्यों में भी करने की योजना बना रही है, जहां साल 2027 में चुनाव प्रस्तावित हैं मगर उससे पहले संबंधित राज्यों के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की पार्टी हाईकमान के मुद्दों के प्रति रुचि व गंभीरता जांचने के लिए आईटी टीम की ओर से यह विशेष रिपोर्ट तैयार करवाई गई। पंजाब में चुनाव समितियों की कमान संभालने वाले 13 वरिष्ठ नेताओं के विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले गए। इस दौरान यह सामने आया कि प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति के प्रभारी विजय इंदर सिंगला व चुनाव प्रचार समिति के सह अध्यक्ष एवं विधायक राणा गुरजीत सिंह ने ही राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के अपने सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित कर आगे बढ़ाया। उन्होंने राहुल गांधी की स्पीच को भी शेयर किया।

इनके अलावा नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष व पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी, कोर कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा, घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डा. अमर सिंह, प्रचार समिति के सह अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैहरा, सांसद डॉ. धर्मवीर गांधी, घोषणा समिति के सह अध्यक्ष एवं सांसद गुरजीत सिंह ओजला, विधायक परगट सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के सह अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु व कुलजीत सिंह नागरा ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सोशल मीडिया के जरिये आगे बढ़ाने में कोई रुचि नहीं दिखाई।

दिल्ली-एनसीआर समेत 23 राज्यों में मौसम में बदलाव बारिश से एक्यूआई में सुधार

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मानसून ट्रफ के अचानक लोकेशन बदलने के कारण दिल्ली समेत देश के 23 राज्यों में मौसम ने करवट बदल ली है। पिछले 24 घंटों से जारी इस बदलाव के चलते राजधानी दिल्ली समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए भी यलो अलर्ट जारी किया है, जबकि बारिश के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी जबरदस्त सुधार हुआ है, जिससे दिल्लीवासियों को प्रदूषण से राहत मिली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम का पूर्वानुमान 'सामान्य रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या फुहार' का है। आने वाले दिनों की बात करें तो 27 अगस्त को तापमान 35 डिग्री से 26 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, इस दिन भी हल्की बारिश या फुहार की संभावना बनी रहेगी। 28 अगस्त को मौसम साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान 36 डिग्री से 26 डिग्री के बीच रहेगा। इसके बाद 29 अगस्त को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे, जबकि 30 और 31 अगस्त को फिर से हल्की बारिश या फुहार हो सकती है। 30 और 31 अगस्त को अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पटवारी बोले- शाह को मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए

राष्ट्रपति को पत्र लिखा, पीएम से पूछा- सेना के अपमान पर चुप्पी क्यों; सरकार ने केस की परमिशन रोकी थी

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी न दिए जाने का मामला अब सर्वोच्च कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास का 'अत्यंत शर्मनाक अध्याय' बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत पूरे मंत्रिमंडल को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

जीतू पटवारी ने अपने पत्र में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इसे नामंजूर कर दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार एक 'बड़बोले मंत्री' को राजनीतिक संरक्षण दे रही है और न्यायिक प्रक्रिया के सामने दीवार बनकर खड़ी हो गई है।

पटवारी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं और कहा है कि सेना का सम्मान किसी दल की जागीर नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का राष्ट्रीय स्वाभिमान है। मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह ने देश की जांबाज बेटी और भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी कर जिस मर्यादा को तार-तार किया, वह एक व्यक्ति ही नहीं, देश की सेना का भी अपमान था! आज प्रश्न उससे भी गंभीर हो गया है!

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने का निर्णय एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण देने के साथ, उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जिसमें सत्ता अपने राजनीतिक व्यक्ति को जवाबदेही से बचाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया के सामने दीवार बनकर खड़ी हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने अभियोजन की स्वीकृति की मांग की है। ऐसे में सरकार का रुख देश के सामने एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न खड़ा करता है, क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति कानून से ऊपर हैं? यह आपराधिक घटनाक्रम उस कथित 'डबल इंजन सरकार' के अहंकार को उजागर करता है, जिसमें एक मंत्री के राजनीतिक संरक्षण के लिए लोकतांत्रिक, संवैधानिक और न्यायिक मर्यादाओं को चुनौती देने तक की स्थिति पैदा हो रही है!

विजय शाह ने पहले सेना का अपमान किया। अब उन्हें बचाने की कोशिश उस अपमान और अपराध को संस्थागत संरक्षण देने जैसी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांगा जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर भारतीय सेना, सैनिकों और उनकी शहादत के सम्मान को राष्ट्र के सर्वोच्च गौरव से जोड़ा है, यदि वे अपने ही शब्दों की गरिमा बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें इस मामले में तत्काल और स्पष्ट हस्तक्षेप करना चाहिए, मेरा यह भी मानना है कि मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल का असंवैधानिक निर्णय प्रधानमंत्री की राजनीतिक सहमति के बिना संभव नहीं था। यदि ऐसा नहीं है, तो प्रधानमंत्री को स्वयं आगे आकर देश के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि वे विजय शाह को संरक्षण देने वाले इस निर्णय से असहमत हैं, इसीलिए, आज देश प्रधानमंत्री से भी जवाब चाहता है।

जेल वार्ड में अय्याशी? महिला के साथ मिला भ्रष्टाचार का आरोपी अफसर, औचक निरीक्षण में पकड़ा गया

मांडया, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मांडया में भ्रष्टाचार के एक मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहा सरकारी अधिकारी अस्पताल के विशेष जेल वार्ड में एक महिला के साथ मिला। विचाराधीन कैदी के तौर पर अस्पताल में भर्ती था। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब कर्नाटक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (केएसएलएसए) की टीम औचक निरीक्षण के लिए अस्पताल पहुंची। वहीं इस घटना के बाद सुरक्षा में तैनात कर्मियों और महिला को वार्ड तक पहुंचने की अनुमति देने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। केएसएलएसए की टीम ने सोमवार शाम एमआईएमएस अस्पताल का निरीक्षण किया था। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक निरीक्षण के दौरान पता चला कि भूमि अभिलेख के सहायक निदेशक (एडीएलआर) के सर्वेक्षण पर्यवेक्षक महमद हुसैन 21 अगस्त से मांडया आयुर्विज्ञान संस्थान (एमआईएमएस) अस्पताल में भर्ती था।

भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद अफसर हुसैन पर कानूनी कार्रवाई जारी है। इसी दौरान केएसएलएसए की टीम अस्पताल का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंच गई। औचक निरीक्षण के दौरान हुसैन कमरे में एक महिला के साथ पाया गया। सूत्रों ने बताया कि हुसैन को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए अदालत की अनुमति नहीं ली गयी थी और उसे ऐसी कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या भी नहीं थी, जिसके लिए इस तरह के इलाज की आवश्यकता हो। यह पूछे जाने पर कि क्या मामले में पुलिस ने जांच शुरू की है, एक अधिकारी ने कहा, "वहां पहरेदार के तौर पर तैनात लोगों तथा महिला को कमरे के अंदर प्रवेश देने के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।" अधिकारियों के अनुसार, श्रीरंगपट्टण स्थित भूमि अभिलेख के सहायक निदेशक (एडीएलआर) कार्यालय में लोकायुक्त की छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए हुसैन को लोकायुक्त अधिकारियों की कार्रवाई के एक दिन बाद तीन जुलाई को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। हुसैन पर श्रीरंगपट्टण तालुक भूमि अभिलेख कार्यालय में कथित तौर पर अवैध रूप से प्रवेश करने तथा सरकार के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर अकरबंद (भूमि सीमांकन) कार्य में मदद करने, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप है।

कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (जेल) आलोक कुमार के अनुसार, जेल में डॉक्टर की जांच के बाद हुसैन को एमआईएमएस अस्पताल भेजा गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती करने की सलाह दी थी। अस्पताल के वार्ड में महिला के साथ पाए जाने संबंधी खबरों पर अधिकारी ने कहा, "यह हमारी जिम्मेदारी नहीं है। यह जिला पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षा दस्ते की जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है।

एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव की तैयारी

अमेरिका ने सभी वीजा अपॉइंटमेंट रोके, ऐसा क्या कर रहा ट्रंप प्रशासन?

वॉशिंगटन, 26 अगस्त (एजेंसियां)। एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने दुनियाभर में सभी इमिग्रेंट वीजा आवेदनों पर रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश विभाग के इस कदम का मकसद वीजा नियमों को सख्त करना है ताकि उन आवेदकों की पहुंच को सीमित किया जा सके, जो अमेरिका में जरूरतमंद अमेरिकियों के लिए आरक्षित पब्लिक बेनिफिट्स (सरकारी सुविधाओं) पर निर्भर हो सकते हैं।

भारतीय पेशेवरों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

एच-1बी वीजा, वही अमेरिकी वीजा श्रेणी है, जिसका उपयोग हर साल हजारों भारतीय पेशेवर अमेरिका में नौकरी करने के लिए करते हैं। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने सोमवार को 'रिफॉर्मिंग द एच-वन-बी नॉनइमिग्रेंट वीजा क्लासिफिकेशन प्रोग्राम' नामक प्रस्तावित नियम को समीक्षा के लिए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के पास भेजा है। इस प्रस्ताव को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है। इसका मतलब है कि इससे हर साल कम से कम 10 करोड़ डॉलर का आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है या यह अर्थव्यवस्था, नौकरियों, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धा या किसी बड़े आर्थिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है।

फेडरल रेगुलेटरी डॉकेट के अनुसार, यह प्रस्ताव अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के तहत एक प्रस्तावित नियम के रूप में दर्ज किया गया है। हालांकि अभी इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। डॉकेट में यह नहीं बताया गया है कि क्या प्रशासन योग्यता के मानकों, नियोक्ता की जरूरतों, वेतन के नियमों, सालाना चयन प्रक्रिया या अनुपालन नियमों में भी बदलाव करना चाहता है। व्हाइट हाउस की समीक्षा पूरी करने के लिए अभी कोई कानूनी समयसीमा तय नहीं की गई है।

यह समीक्षा अमेरिकी सरकार के ऑफिस ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड रेगुलेटरी अफेयर्स की ओर से की जाती है, जो व्हाइट हाउस के 'ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट' का एक हिस्सा है। यह कार्यालय महत्वपूर्ण संघीय नियमों को प्रकाशित होने से पहले जांचता है। यह ऑफिस किसी प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है, उसे एजेंसी को वापस भेज सकता है या उसमें बदलाव के साथ मंजूरी दे सकता है। नियम की जानकारी आम तौर पर समीक्षा पूरी होने और प्रस्ताव के 'फेडरल रजिस्टर' में प्रकाशित होने के बाद जारी की जाती है।

नियमों का पूरा विवरण आमतौर पर समीक्षा पूरी होने और उन्हें फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किए जाने के बाद सामने आता है। इसके बाद आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाती हैं।

पिता ने 6 माह के बच्चे को पटककर मार डाला

घरेलू विवाद के दौरान आरोपी ने बच्चे को बेड से उठा बाहर फर्श पर पटका, पिता गिरफ्तार

हजारीबाग, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र में एक पिता ने घरेलू विवाद के दौरान अपने छह वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतक बच्चे की पहचान अंश कुमार के रूप में हुई है। बच्चे की मां निराली कुमारी ने कटकमसांडी थाना में आवेदन देकर अपने पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, घर में सास के साथ उनके विवाद के दौरान पति आकाश कुमार वहां पहुंचे। आरोप है कि आकाश कुमार ने कमरे में बेड पर सो रहे अंश को उठाया और घर के पीछे कुएं के पास ले गए।

वहां ढलाई किए हुए फर्श पर बच्चे को पटक दिया। इससे अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। निराली कुमारी ने पति से बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाने की गुहार लगाई, लेकिन वह तैयार नहीं हुए।

हिंदू परिवार के 4 लोगों की हत्या मामले में

पुलिस की थ्योरी पर सवाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अलग कहानी

ढाका, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के रंगपुर में एक ही हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पुलिस की थ्योरी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फोरेंसिक जांच में हत्या की जो टाइमिंग बताई गई थी और असलियत में फर्क साफ मालूम पड़ रहा है। जांचकर्ताओं ने याबा नाम की नशीली दवाओं के इस्तेमाल को लेकर दावा किया था, वह भी शक के दायरे में है।

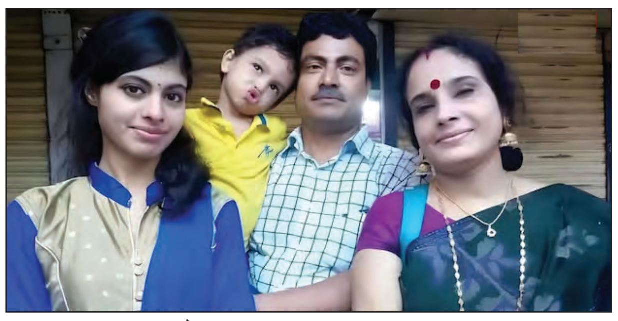

रंगपुर के माचुआपारा इलाके में एक रिटायर्ड हिंदू शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी, बेटी और बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। चारों की लाश 22 अगस्त को घर से मिली थी।

पोस्टमार्टम से जुड़ी फोरेंसिक जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, चारों पीड़ितों की मौत गला घोंटने से हुई थी। पोस्टमार्टम के दौरान यौन उत्पीड़न का कोई सबूत नहीं मिला। न ही शवों पर किसी केमिकल के इस्तेमाल के संकेत मिले। नॉर्थ ईस्ट न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शव काफी सड़ चुके थे और चारों शवों में कीड़े पड़ गए थे। फॉरेंसिक जांच के नतीजों ने उस कहानी को उलझा दिया है जो पुलिस ने हत्याकांड को लेकर सुनाई थी।

फॉरेंसिक सूत्रों के हवाले से बताया कि पोस्टमार्टम में मौत का समय शव बरामद होने से 2 से 4 दिन पहले का बताया गया है। इसने हत्या को लेकर जांचकर्ताओं की टाइमलाइन पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिन्होंने कहा कि हत्या शुक्रवार को हुई और शनिवार को शव मिले।

मौत की सटीक टाइमिंग तय करने में शवों का सड़ना भी एक वजह रही। सबसे बड़ी चुनौती संदिग्धों के याबा नाम की नशीली दावा लेने के दावे पर है। जांचकर्ताओं ने बताया ता कि हत्यारों ने हत्या के पहले, दौरान या बाद में याबा की कई गोलियां खाईं थीं।

जांचकर्ताओं ने कहा कि संदिग्ध हत्या करने के बाद घर में ही रुके। वहीं नहाया, फ्रीज से खजूर खाए और जाने से पहले याबा का सेवन किया। एक सूत्र ने इस कहानी को मनगढ़ंत बताया। सूत्रोंने सवाल उठाया कि क्या यह मुमकिन है कि संदिग्धों ने याबा की कई गोलियां खाईं हों और उनके पास घर पर रुकने, खाना खाने और दूसरे काम करने का समय बचा हो।

तुर्की में शरिया कानून लागू करने की मांग

खलीफा एर्दोगन का विरोध, इस्लामिक नेता पत्नी समेत अरेस्ट

अंकारा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। तुर्की में इस्लामिक विद्वान और शरिया लागू करने के समर्थक अल्पर्सलान कुयतुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुयतुल के साथ उनकी पत्नी सेमरा कुयतुल, वकील बिलाल इपेक और फुरकान आंदोलन के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। कुयतुल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब उन्होंने हाल ही ईरान-अमेरिका तनाव के दौरान रेचेप तैयप एर्दोगन की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। उन पर संगठित अपराध, धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। तुर्की की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अडाना में शुरू हुई अल्पर्सलान कुयतुल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन की जांच के तहत 6 प्रांतों में अभियान चलाया गया। इसके तहत कुयतुल और उनकी पत्नी समेत 56 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। अडाना की प्रांतीय पुलिस और संगठित अपराध शाखा की टीमों ने 19 अगस्त को इस ऑपरेशन की शुरुआत की। इसमें पहले 32 संदिग्ध पकड़े गए और बाद में 24 और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। कुयुतुल और उनके सहयोगियों पर आपराधिक संगठन बनाने, उसे चलाने और उसका सदस्य होने के साथ ही टैक्स कानून का उल्लंघन करने जैसे आरोप लगाए गए। अल्पर्सलान कुयतुल और उनकी पत्नी समेत 56 संदिग्धों को जरूरी कार्रवाई के बाद कोर्ट में भेजा गया।

कुयतुल ने ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की आलोचना करके सभी का ध्यान खींचा था। कुयतुल ने तुर्की की सरकार के अमेरिका और इजरायल के हमलों के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने और ईरान व रेजिस्टेंस फ्रंट का साथ देने की अपील की थी।

इस्लामाबाद के सरकारी अस्पताल में आग, 15 बच्चे जिंदा जले

सिर्फ 1 को बचाया जा सका, एसी कंप्रेसर फटने से पूरे वार्ड में आग फैली

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक अस्पताल में बुधवार को आग लगने से 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई। हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) अस्पताल में स्त्री रोग वार्ड की नर्सरी में हुआ।

अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के वक्त नर्सरी में 16 नवजात बच्चे मौजूद थे। इनमें से सिर्फ एक बच्चे को बचाया जा सका। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग लग गई और तेजी से पूरे वार्ड में फैल गई।

आग की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है।

एसी का आउटडोर यूनिट गर्म हवा में काम करता है। लगातार चलने से कंप्रेसर ओवरहीट हो सकता है और दबाव बढ़ने से उसके फेल होने या फटने का खतरा रहता है।

एसी में आर-22 या आर-410ए जैसी रेफ्रिजरेंट गैस होती है। पाइप या वॉल्व में लीकेज होने पर गैस बाहर निकल सकती है। इससे आग या अन्य नुकसान का खतरा बढ़ सकता है। खराब वायरिंग, ढीले कनेक्शन या ओवरलोडेड सॉकेट से शॉर्ट सर्किट हो सकता है। गर्मियों में एक साथ कई हाई-पावर उपकरण चलने से बिजली का लोड भी बढ़ जाता है। एसी की सर्विसिंग न होने पर फिल्टर में धूल जम जाती है, जिससे एयरफ्लो कम हो जाता है। इससे फैन और मोटर पर दबाव बढ़कर ओवरहीटिंग का खतरा हो सकता है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति रहने पर एसी के दूसरे हिस्से भी प्रभावित हो सकते हैं। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के लिए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का फैसला किया है। कमेटी यह पता लगाएगी कि आग कैसे लगी और हादसे के पीछे क्या वजह थी। जांच के बाद ही आग लगने की सही वजह और हादसे के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का पता चल सकेगा। पीआईएमएस इस्लामाबाद का सबसे बड़ा अस्पताल है। करीब 140 एकड़ में फैले इस अस्पताल में लगभग 1,300 बेड हैं।

यहां 27 से ज्यादा तरह की बीमारियों के इलाज की सुविधा है। पीआईएमएस में कई बड़े मेडिकल सेंटर शामिल हैं। इनमें इस्लामाबाद अस्पताल, चिल्ड्रन्स अस्पताल, मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर, बर्न केयर सेंटर और कार्डियक सेंटर शामिल हैं।

लिव-इन कपल ने काटा खुद का गला, लड़के की मौत

शादी की बात करने घर ले जाना चाहती थी प्रेमिका, इसी बात पर हुआ झगड़ा

सरगुजा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में लिव-इन रिलेशन में रह रहे कपल ने बुधवार सुबह खुद का गला काट लिया, इससे लड़के की मौत हो गई, जबकि लड़की को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर है।

जांच में सामने आया कि दोनों के बीच रक्षाबंधन पर घर जाने को लेकर झगड़ा हुआ था। प्रेमिका चाहती थी कि वह प्रेमी को अपने घर लेकर जाए, ताकि घर वालों से शादी की बात कर सके। लेकिन वह नहीं जाना चाहता था। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मोहन पैकरा (28) और महिमा सिदार (26) गांधीनगर में दयाल मंडल के घर में पिछले कुछ सालों से किराए पर रहते थे। दोनों किसी दुकान में काम करते थे। दोनों के बीच पिछले 5 साल से प्रेम संबंध थे। बुधवार (26 अगस्त) सुबह महिमा बाथरूम गई थी। जब वह लौटी तो उसने मोहन पैकरा को खून से लथपथ हालत में तड़पते हुए देखा। उसका गला कटा हुआ था और खून निकल रहा था। यह देखकर महिमा ने भी चाकू से खुद का गला काट लिया।

आवाज सुनकर मकान मालिक दयाल मंडल मौके पर पहुंचा। इसके बाद उसने फौरन डायल-112 की टीम को घटना की जानकारी दी। जब तक पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब तक मोहन की मौत हो चुकी थी।

इमरान के बेटे का दावा-पाकिस्तान तानाशाही की ओर बढ़ रहा

पिता के साथ जेल में बुरे बर्ताव का आरोप लगाया, कहा- सेना का इसमें बड़ा रोल

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे सुलैमान ईसा खान ने दावा किया है कि पाकिस्तान तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने अपने पिता के लंबे समय से जेल में होने को इसका उदाहरण बताया।

वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुलैमान ने कहा कि पिछले कई साल से उनके पिता के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और इसमें सेना की बड़ी भूमिका है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमरान खान की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चर्चा की गई। सुलैमान के साथ उनके भाई कासिम खान, अंतरराष्ट्रीय वकील जेरेड जेनसर और अंतरराष्ट्रीय मामलों तथा मीडिया के सलाहकार सैयद बुखारी भी शामिल हुए।

इमरान के बेटों ने कहा कि वे जेल में बंद अपने पिता से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोशिशें लगातार नाकाम हो रही हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनके वीजा आवेदन को बार-बार टाला या खारिज किया है।

कासिम खान ने कहा, "उन्हें देखने का कोई भी मौका मिले तो हम तुरंत जाना चाहेंगे। हम पाकिस्तान आना चाहते हैं, लेकिन अब हालात और निराशाजनक होते जा रहे हैं। हमारे वीजा आवेदन खारिज किए गए, टाले गए और बार-बार अटकाए गए।"

कासिम ने कहा, मेरे पिता को लगातार एकांत कारावास में रखा जा रहा है। उन्हें 6×8 फुट की एक ऐसी कोठरी में 23 घंटे तक बंद रखा जाता है, जिसमें न खिड़की है और न ही रोशनी। उनकी उम्र 73 साल है और उनकी एक आंख की 85 फीसदी नजर जा चुकी है। वह आज भी अपने सिद्धांतों पर मजबूती से कायम हैं, लेकिन अब इसकी कीमत उनका शरीर चुका रहा है।

इमरान खान के अंतरराष्ट्रीय वकील जेरेड जेनसर ने पाकिस्तान में लोकतंत्र की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने देश के सैन्य नेतृत्व को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और सेना प्रमुख असीम मुनीर पर 'ऑथॉरिटेरियनिज्म' यानी दमनकारी शासन का आरोप लगाया। जेनसर ने कहा, इमरान खान और उनकी पत्नी के खिलाफ जिस तरह कार्रवाई हो रही है, वह किसी लोकतांत्रिक सरकार के तरीके जैसी नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि इमरान खान के खिलाफ सैकड़ों मामले मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर दर्ज किए गए हैं। यह मामला अब सिर्फ उनकी जेल तक सीमित नहीं है।

जेनसर के मुताबिक, उनकी गिरफ्तारी उन लोगों के लिए भी एक चेतावनी है, जो पाकिस्तान में सत्ता को चुनौती देने की कोशिश कर सकते हैं।

दुर्गा पूजा पर घर लौटने वाले लोगों की बढ़ी चिंता

झारखंड आने वाली अधिकांश ट्रेनों में लंबी वेटिंग, सीटें रिग्रेट स्पेशल ट्रेन का इंतजार

कोडरमा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्र इस साल 11 अक्टूबर से शुरू होंगे और 21 अक्टूबर को विजयदशमी है। बड़ी संख्या में दिल्ली, मुंबई व अन्य शहरों में रहने वाले धनबाद के लोग नवरात्र में अपने घर आते हैं।

लेकिन, दिल्ली, मुंबई व अन्य बड़े शहरों से झारखंड आनेवाली अधिकतर ट्रेनों में नवरात्र के दौरान वेटिंग लग चुकी है। रेलवे ने अभी तक किसी पूजा स्पेशल ट्रेन की घोषणा भी नहीं की है। वैकल्पिक रूटों से आनेवाली ट्रेनों में भी त्योहारों के समय आरक्षण मिलना मुश्किल है। ऐसे में जिन्होंने पहले से आरक्षण नहीं करा रखा है, उनके लिए दशहरा में घर आना मुश्किल भरा होगा। हालांकि बीकानेर से आनेवाली दुरंतो में कुछ सीटें उपलब्ध हैं।

पाकिस्तानी गुलामी मंजूर नहीं

अफगानिस्तान में तख्तापलट करने में लगा पाकिस्तान, भड़का तालिबान

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एक बार फिर से अफगानिस्तान में गंदा खेल खेलना शुरू कर दिया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तान की सेना अफगानिस्तान में गृहयुद्ध को भड़का रही है। मुजाहिद ने कहा कि बदख्शान प्रांत में विद्रोहियों के साथ चल रही जंग के दौरान पाकिस्तानी सेना के जवान भी शामिल थे। इस बीच अफगानिस्तान के ग्रामीण पुर्नवास और वकिास मंत्री अब्दुल लतीफ मंसूर ने भी पाकिस्तान पर नशिाना साधा है। मंसूर ने कहा कि हमारे देश ने सोवियत संघ और अमेरिका की गुलामी को स्वीकार नहीं किया था और अब हम पाकिस्तान की दासता को भी स्वीकार नहीं करेंगे।

तालिबानी मंत्री मंसूर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई जारी रही तो पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान को यह जवाब ठीक उसी तरह से दयिा जाएगा जैसे रूस और अमेरिका को दिया गया गया था। तालिबान की ओर से यह चेतावनी ऐसे समय पर आई है जब अफगानिस्तान के बदख्शान प्रांत में तालिबान शासन का सशस्त्र वरिोध शुरू हो गया है। तालिबान ने बदख्शान के अपने बदनाम गवर्नर को भी हटा दिया है। बदख्शान प्रांत पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है।

पाकिस्तान और तालिबान के बीच टीटीपी आतंकियों को लेकर तनाव चल रहा है। वहीं पाकिस्तान भारत और तालिबानी सरकार के रश्तिे का भी विरोध कर रहा है। पाकिस्तान चाहता है कि तालिबान की सरकार उसके इशारे पर चले। पाकिस्तान की यह गुलामी तालिबान को स्वीकार नहीं है। इस बीच तालिबान प्रवक्ता मुजाहिद के बयान पर पाकिस्तान की सरकार का बयान आया है।

भारत आने को लेकर शी जिनपिंग ने बनाया सस्पेंस

ब्रिक्स पर क्यों पत्ते नहीं खोल रहे चीनी राष्ट्रपति?

बीजिंग, 26 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में जब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना था तो चीनी सरकार ने आधिकारिक तौर पर कई हफ्ते पहले घोषणा कर दी थी कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग इसमें शामिल नहीं होंगे। लेकिन नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स समिट जिसका आयोजन 12 और 13 सितंबर को होना है उसमें शामिल होने के लिए चीनी राष्ट्रपति की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चीन ने शी जिनपिंग की यात्रा को लेकर सस्पेंस बना रखा है। सोमवार को रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि शी जिनपिंग के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आने की संभावना है जो सात साल में उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। हालांकि इस महीने की शुरुआत में अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम तय करने की भारत की घोषणा के बाद चीन के रणनीतिक मामलों के जानकारों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी जिससे संभावना ये भी है चीनी राष्ट्रपति की तरफ से किसी चौंकाने वाले फैसले का संकेत मिल सकता है। नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में चीनी भाषा के पूर्व प्रोफेसर हेमंत अदलखा जो दिल्ली के 'इंस्टीट्यूट ऑफ चाइनीज स्टडीज' के वाइस चेयरपर्सन और ऑनरेरी फेलो हैं उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस में लिखा है कि इससे पहले भारत ने अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नाम बदलकर क्षेत्रीय दावे करने की चीन की हरकतों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज़ के सीनियर फेलो और भारत के साथ सीमा विवाद पर चीन के प्रमुख विशेषज्ञ लियू ज़ोंगयी ने इसे इस बात का सबूत बताया कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की हालिया कोशिशों के बावजूद नई दिल्ली का रुख मजबूती से कायम है।

इसके अलावा 11 अगस्त को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के कंट्रोल वाले अख़बार 'चाइना डेली' में कड़े शब्दों में लिखे एक संपादकीय में भी कहा गया कि 'चीन-भारत सीमा का इतिहास ही यह मांग करता है कि राजनीतिक दिखावे के बजाय सावधानी बरती जाए।'

और विदेश मामलों पर लिखने वाले एक मशहूर ब्लॉगर ने लिखा 'क्या मोदी को लगता है कि आने वाली ब्रिक्स बैठक से ठीक पहले चीन पर हमला करके और सबसे पहले कदम उठाकर उन्हें बढ़त मिल जाएगी?'

अमेरिका के मोंटाना में परिवार के 8 लोगों की हत्या

मृतकों में 4 बच्चे, आरोपी ने सबको गोली मारी, खुद को भी शूट किया

बिलिंग्स, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के मोंटाना के बिलिंग्स शहर में रविवार शाम एक परिवार के 8 लोगों की हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब परिवार के लोग एक साथ डिनर कर रहे थे। आरोपी ने सबको गोली मारने के बाद घर में आग लगा दी। फिर खुद को भी शूट कर लिया।

आरोपी के अलावा मरने वाले लोग एक ही परिवार की चार पीढ़ियों से थे। इनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, उन्हें रविवार शाम करीब 6 बजे घर से गोली चलने की सूचना मिली थी।

पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के पीछे से गोलियों की आवाज आ रही थी। घर के बाहर एक व्यक्ति घायल मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वही इस घटना का संदिग्ध माना जा रहा है।

घटना के दौरान 911 पर पुलिस को घर में गोली चलने और एक बच्चे के बेहोश होने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। कुछ देर बाद एक और फायर इंजन भेजने को कहा गया।

डिस्पैचर ने पूछा कि क्या बच्चे को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। सिर्फ इतना पता था कि बच्चा बेहोश है और यह भी साफ नहीं था कि वह सांस ले रहा है या नहीं। इमरजेंसी टीमें रविवार शाम करीब 6:10 बजे मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घर के बाहर एक व्यक्ति को देखा। इसी दौरान घर के अंदर से गोलियों की आवाज भी आ रही थी। आग तेजी से फैल रही थी, इसलिए दमकलकर्मी तुरंत घर के अंदर नहीं जा सके।

फायर चीफ मैट हॉपेल ने बताया कि आग तेजी से फैली और घर का बड़ा हिस्सा जल गया। आग बुझाने के लिए डाला गया पानी और जला हुआ मलबा जांच में परेशानी पैदा कर रहा है। इससे पुलिस को मौके से सबूत जुटाने में समय लग रहा है।

घर से तीन मकान दूर रहने वाले डेविड हिलर ने बताया कि रविवार शाम 6 बजे के बाद उन्हें पटाखों जैसी आवाज सुनाई दी। बाद में एक पड़ोसी ने फोन कर इलाके में गोलीबारी की जानकारी दी।

हिलर ने बाहर निकलकर देखा तो पुलिसकर्मी हथियारों के साथ गाड़ियों की आड़ में खड़े थे और घर से काला धुआं उठ रहा था।

नीलकंठधाम : गुजरात में कश्मीर जैसा सुकून, आस्था का स्वर्ग!

सुरेश गांधी

धरती पर स्वर्ग की कल्पना करते ही जेहन में अक्सर कश्मीर की बर्फीली चोटियां, हरी-भरी वादियां, झीलों का ठहरा हुआ सौंदर्य और बादलों से बतियाते पहाड़ उतर आते हैं। लेकिन गुजरात के नर्मदा जिले में नर्मदा के पावन तट पर पहुंचने वाला यात्री एक अलग ही तरह के 'स्वर्ग' से रूबरू होता है। यहां बर्फ नहीं, नर्मदा की जलधारा है; पहाड़ों की ऊंची चोटियां नहीं, मंदिर के सुनहरे शिखर हैं; लेकिन वातावरण में वही ठहराव, वही शांति और वही सम्मोहन है। इसीलिए पोइचा का श्री नीलकंठधाम अब केवल स्वामीनारायण संप्रदाय का प्रमुख तीर्थ नहीं, बल्कि प्रकृति, अध्यात्म, स्थापत्य, संस्कृति और पर्यटन का ऐसा विराट संसार बन चुका है, जिसे 'गुजरात का धरती का स्वर्ग' कहे जाने की वजहें साफ दिखाई देती हैं। गुजरात सरकार के नर्मदा जिला प्रशासन ने भी नीलकंठधाम को नर्मदा तट पर स्थित प्रमुख तीर्थ-स्थल बताते हुए इसकी भव्यता और आध्यात्मिक आकर्षण को रेखांकित किया है। यह वडोदरा से करीब 60 किलोमीटर और भरूच से करीब 80 किलोमीटर दूर है।

वैसे भी भारत में मंदिरों की कोई कमी नहीं। भारत में प्राकृतिक सौंदर्य की भी कोई कमी नहीं। लेकिन नीलकंठधाम की असली उपलब्धि यह है कि उसने मंदिर को केवल पूजा का केंद्र न रखकर एक सम्पूर्ण अनुभव में बदलने का प्रयास किया है। यहां धर्म है तो प्रकृति भी है। प्रकृति है तो संस्कृति भी है। संस्कृति है तो शिक्षा भी है। शिक्षा है तो सेवा भी है। सेवा है तो गौधाम है। और इन सबके बीच बहती है—मां नर्मदा। कश्मीर में प्रकृति मनुष्य को अपने विराट रूप का अहसास कराती है; नीलकंठधाम में प्रकृति के साथ आस्था मनुष्य को अपने भीतर झांकने का अवसर देती है। कश्मीर की वादियां आंखों को ठहराती हैं, नीलकंठधाम की नर्मदा मन को ठहराती है। कश्मीर में पहाड़ मौन की भाषा बोलते हैं, यहां नर्मदा और मंदिर के शिखर मिलकर भक्ति की भाषा बोलते हैं। और शायद इसी भाव में नीलकंठधाम की सबसे सुंदर पहचान छिपी है—"यह गुजरात का वह स्वर्ग है, जहां कश्मीर जैसी प्राकृतिक शांति नर्मदा की गोद में अध्यात्म का रूप ले लेती है।" नीलकंठधाम इसलिए केवल देखने की जगह नहीं—एक बार अनुभव करने की जगह है। यहां से लौटते समय शायद कैमरे में बहुत-सी तस्वीरें होंगी, लेकिन मन में एक ही दृश्य सबसे लंबे समय तक ठहरा रहेगा— नर्मदा की लहरों के पीछे चमकते मंदिर के शिखर... और भीतर कहीं गूंजता हुआ एक शांत भाव—'नर्मदे हर।'

यह सिर्फ मंदिर नहीं, एक पूरी तीर्थ-यात्रा है

नीलकंठधाम की सबसे बड़ी खूबी शायद यही है कि यहां आने वाला व्यक्ति केवल मंदिर में प्रवेश करके भगवान के दर्शन कर लौट नहीं जाता। पूरा परिसर इस तरह रचा गया है कि हर कदम एक नई कथा, हर मोड़ एक नया दर्शन और हर दृश्य एक नई अनुभूति देता है। नर्मदा के उत्तरी तट पर लगभग 108 एकड़ में फैला यह तीर्थ-परिसर मंदिर, उद्यान, गौधाम, संस्कृत गुरुकुल, सांस्कृतिक प्रदर्शनी, अतिथिगृह और सत्संग सहित अनेक आयामों को अपने भीतर समेटे है। कश्मीर में प्रकृति मन को बांधती है, नीलकंठधाम में प्रकृति और आस्था साथ-साथ मन को रोक लेते हैं।

मुख्य मंदिर की वास्तुकला को सामान्य मंदिर की तरह नहीं बनाया गया। यहां दर्शन की पूरी प्रक्रिया को पांच वृत्ताकार प्रदक्षिणाओं में बांधा गया है। पहली प्रदक्षिणा में पूरे मंदिर का दर्शन होता है। दूसरी प्रदक्षिणा में 108 गौमुखों से नर्मदा जल प्रवाहित होता है। श्रद्धालु के लिए यह केवल जल नहीं, मां नर्मदा के पावन स्पर्श की अनुभूति है। तीसरी प्रदक्षिणा में भगवान नारायण के 24 अवतारों के दर्शन होते हैं। चौथी प्रदक्षिणा में आता है नीलकंठ सरोवर, जिसमें करीब 40 लाख लीटर नर्मदा जल समाहित होने की जानकारी मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट देती है। इसके आसपास संतों की मूर्तियां आध्यात्मिक वातावरण को और गहरा करती हैं। और पांचवीं, सबसे भीतरी प्रदक्षिणा श्रद्धालु को श्री नीलकंठ वर्णीन्द्र भगवान के गर्भगृह तक ले जाती है। यानी वास्तु स्वयं मानो कहता है— "बाहर से भीतर की ओर चलिए और अंततः अपने भीतर के परमात्मा तक पहुंचिए।"

नीलकंठधाम की कल्पना में नर्मदा केवल मंदिर के बाहर बहती नदी नहीं है। उसे मंदिर की आध्यात्मिक संरचना का हिस्सा बनाया गया है। 108 गौमुखों से गिरती नर्मदा की धाराएं श्रद्धालु को जल, जप और दर्शन के एक साथ अनुभव से जोड़ती हैं। मंदिर की आधिकारिक जानकारी में भी 108 गौमुखों को धाम की प्रमुख विशेषताओं में गिना गया है। नर्मदा किनारे बैठकर नदी को निहारना और फिर उसी नर्मदा जल का मंदिर के भीतर आध्यात्मिक स्वरूप में दर्शन करना—यह अनुभव नीलकंठधाम को विशिष्ट बनाता है।

लगभग 40 लाख लीटर नर्मदा जल वाला नीलकंठ सरोवर मंदिर की कल्पना का अद्भुत हिस्सा है। शांत जल में आकाश का प्रतिबिंब, आसपास का स्थापत्य और संतों की प्रतिमाएं मिलकर ऐसा दृश्य रचते हैं, जिसमें प्रकृति और वास्तु की सीमा मिटती हुई लगती है। सुबह की रोशनी में यही सरोवर शांत आध्यात्मिकता का प्रतीक लगता है और शाम को मंदिर की रोशनी के बीच इसका रूप पूरी तरह बदल जाता है। शायद इसी बदलते सौंदर्य के कारण नीलकंठधाम को देखने वाला व्यक्ति इसे केवल धार्मिक स्थल की तरह नहीं देख पाता।

मंदिर के आसपास बने रासलीला उद्यान और नीलकंठ लीला उद्यान इस परिसर को प्राकृतिक सौंदर्य का नया आयाम देते हैं। रासलीला उद्यान में कृष्ण की लीलाओं से जुड़े दृश्य और प्रतिमाएं हैं। कालीय दमन, गोवर्धन धारण और गोपी तालाब जैसे प्रसंगों को मूर्त रूप दिया गया है। पेड़ों, हरियाली और विचरते मोरों के बीच ये दृश्य किसी धार्मिक कथा की किताब के पन्ने नहीं, बल्कि सामने घटती हुई कथा जैसे लगते हैं। और यही वह क्षण है जब 'धार्मिक परिसर' एक सांस्कृतिक उद्यान में बदल जाता है। नीलकंठधाम की पूरी अवधारणा का केंद्र भगवान स्वामीनारायण के बाल-संन्यासी स्वरूप नीलकंठ वर्णी की यात्रा है। मंदिर की आधिकारिक जानकारी के अनुसार उनकी पैदल यात्रा की स्मृति को लगभग 12 हजार किलोमीटर की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया गया है—अयोध्या से हिमालय, कैलाश और दक्षिण भारत तक की आध्यात्मिक यात्रा की कथा यहां विभिन्न रूपों में दिखाई देती है। इसलिए यहां मंदिर देखना केवल स्थापत्य देखना नहीं, बल्कि एक युवा संन्यासी की तपस्या, त्याग और आध्यात्मिक खोज को समझना भी है।

नीलकंठधाम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण सहजानंद प्रदर्शनी है। यहां भगवान स्वामीनारायण के जीवन और उनसे जुड़े प्रसंगों को झांकियों, दृश्य प्रस्तुतियों और आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत किया गया है। यह व्यवस्था खास तौर पर बच्चों और युवा पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण है। जिस इतिहास को किताबों में पढ़ना कठिन लगता है, वही दृश्य-रूप में सामने आए तो समझना सहज हो जाता है। इस दृष्टि से नीलकंठधाम ने आस्था को आधुनिक प्रस्तुति से जोड़ने का सफल प्रयास किया है।

परिसर की पहचान को और विराट बनाती है भगवान की 151 फीट ऊंची प्रतिमा। दूर से दिखाई देने वाली यह प्रतिमा पूरे क्षेत्र के परिदृश्य में एक अलग दृश्यात्मक प्रभाव पैदा करती है। गुजरात सरकार की फोटो गैलरी में भी नीलकंठ प्रतिमा और परिसर के विहंगम दृश्य प्रमुख रूप से प्रदर्शित हैं।

नीलकंठधाम पहुंचने का मार्ग भी अपने आप में दर्शन का हिस्सा बन जाता है। मंदिर की आधिकारिक जानकारी के अनुसार मार्ग के किनारे संतों और मुक्त आत्माओं की प्रतिमाओं की लंबी श्रृंखला श्रद्धालुओं का स्वागत करती है। यानी यहां मंदिर का दर्शन मुख्य द्वार से नहीं, रास्ते से ही शुरू हो जाता है।

धाम में गौसेवा की परंपरा को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यहां 200 से अधिक गिर गायों की सेवा की जाती है। यहां धर्म की परिभाषा पूजा तक सीमित नहीं रहती। गाय की सेवा, अतिथि की सेवा, संतों की सेवा और तीर्थयात्रियों की सेवा—इन्हें भी उसी आध्यात्मिक भावना से जोड़ा गया है। नीलकंठधाम में संस्कृत गुरुकुल भी संचालित है, जहां वैदिक एवं आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों पर जोर दिया जाता है। यह व्यवस्था इस बात का संकेत है कि धाम की दृष्टि केवल धार्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं है। यहां मंदिर के साथ शिक्षा और संस्कृति को भी समान महत्व दिया गया है।

लेकिन नीलकंठधाम की सारी भव्यता के बावजूद यदि पूछा जाए कि इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती क्या है, तो जवाब शायद मंदिर की ऊंचाई नहीं, नर्मदा की निकटता होगा। सुबह सूर्य की पहली किरण जब नर्मदा की लहरों पर पड़ती है और उसके पीछे मंदिर के शिखर चमकते हैं, तो दृश्य किसी चित्रकार की कल्पना जैसा लगता है।

रक्षाबंधन पर सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक ही है शुभ मुहूर्त

तो क्या उसके बाद नहीं बांध सकते हैं राखी

इस साल रक्षाबंधन पर सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक का शुभ मुहूर्त है. इस आधार पर देखा जाए तो राखी बांधने के लिए 3 घंटे 51 मिनट का मुहूर्त ही मिल रहा है. लेकिन सभी लोगों के लिए यह समय सुविधाजनक नहीं है. ऐसे में क्या सुबह 9:48 बजे के बाद राखी नहीं बांध सकते हैं?

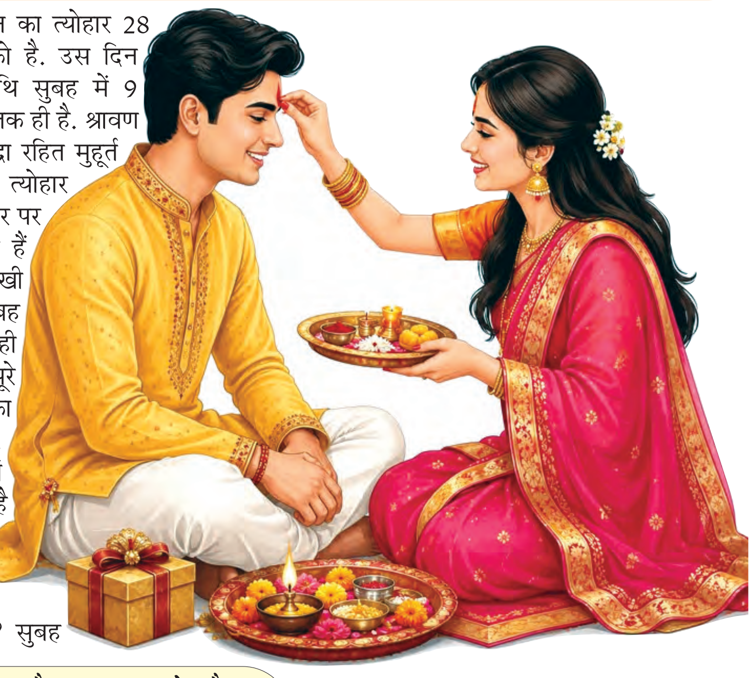

इस साल रक्षाबंधन का त्योहार 28 अगस्त शुक्रवार को है. उस दिन श्रावण पूर्णिमा तिथि सुबह में 9 बजकर 48 मिनट तक ही है. श्रावण पूर्णिमा तिथि में भद्रा रहित मुहूर्त में रक्षाबंधन का त्योहार मनाते हैं. इस आधार पर अब लोग कह रहे हैं कि इस साल राखी बांधने का मुहूर्त सुबह में 9:48 बजे तक ही है. ऐसे में जो लोग पूरे दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाते हैं, उनको अपने बहनों के घर जाना होता है या बहनों को भाइयों के घर आना होता है, फिर वे क्या करें? सुबह 9:48 बजे के बाद राखी बांधने से क्या होगा?

रक्षाबंधन का मुहूर्त 2026

श्रावण पूर्णिमा तिथि का प्रारंभः 27 अगस्त, गुरुवार, सुबह 9:08 बजे से

श्रावण पूर्णिमा तिथि का समापनः 28 अगस्त, शुक्रवार, सुबह 9:48 बजे पर

राखी बांधने का मुहूर्तः सुबह 05:57 बजे से लेकर सुबह 9:48 बजे तक

राखी बांधने के लिए 3 घंटे 51 मिनट का मुहूर्त

इस बार रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए 3 घंटे 51 मिनट का मुहूर्त मिल रहा है. इस मुहूर्त की गणना सूर्योदय के समय से लेकर पूर्णिमा तिथि के समापन के समय तक का है. उसके बाद से भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू हो जा रही है।

सुबह 9:48 बजे के बाद नहीं बांध सकते राखी?

सभी को पता है कि रक्षाबंधन के त्योहार पर बहनें अपने भाइयों के घर जाती हैं या फिर भाई अपने बहनों के घर जाते हैं. लोगों को एक शहर से दूसरे शहर जाना होता है, इसमें काफी समय लगता है. रक्षाबंधन पर सिर्फ 3 घंटे 51 मिनट का मुहूर्त सभी के लिए सुविधाजनक नहीं है।

शास्त्रों के अनुसार सावन पूर्णिमा तिथि में ही राखी बांधनी चाहिए. उसमें भी आप भद्रा रहित शुभ मुहूर्त, अभिजीत मुहूर्त या शुभ चौघड़िया मुहूर्त को देख सकते हैं।

ज्योतिषाचार्या सक्सेना के अनुसार, 28 अगस्त को पूरे दिन ही श्रावण पूर्णिमा तिथि रहेगी. जो बहनें अपने भाइयों को सुबह 9:48 बजे तक राखी न बांध पाएं, वे उसके बाद राहुकाल और यमगंड के समय का त्याग कर दें. फिर पूरे दिन रक्षाबंधन का त्योहार मना सकती हैं और अपने भाई को राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन पर राहुकाल 10:46 ए एम से दोपहर 12:22 पी एम तक है, वहीं यमगंड दोपहर 03:35 पी एम से लेकर शाम 05:11 पी एम तक है.

रक्षाबंधन भाई और बहन के प्रेम का त्योहार है. इसमें भाई अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं, वहीं बहनें उनकी उन्नति और सुखी जीवन की कामना करती हैं।

जब मन शांत और सकारात्मक होता है, तब मुश्किल काम भी सहजता से पूरा किया जा सकता है

अपने मन को स्वस्थ, सहज और स्वाभाविक रखें। जब मन शांत और सकारात्मक होता है, तब मुश्किल काम भी सहजता से पूरा किया जा सकता है। इसलिए जीवन में तनाव और अनावश्यक दबाव से दूर रहें। अपने मन को मजबूत बनाएं और उसे अच्छे विचारों से सींचें। सकारात्मक सोच आत्मविश्वास बढ़ाती है, कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की शक्ति देती है और जीवन को संतुलित बनाती है। जब विचार शुद्ध, मन स्थिर और दृष्टिकोण सकारात्मक होता है, तब हमारी कार्यक्षमता भी बढ़ती है। इसलिए सदैव अच्छे विचारों को अपनाएं। प्रसन्न, शांत और संतुलित मन के साथ अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर बढ़ते रहें।

अच्छा बोलने और सुनने का भी आध्यात्मिक अभियान हो

हमारी आत्मा हमसे बात करती है। यह अलग बात है कि हम सुन नहीं पाते। आयुर्वेद विज्ञान कहता है कि जो पंचतत्व प्रकृति में हैं, वही हमारे भीतर हैं। ध्वनि का प्रतिनिधि आकाश है। एक आकाश हमारे भीतर है, एक आकाश बाहर है। जो लोग बाहर के आकाश पर टिकते हैं, उसकी ध्वनि को सुनते हैं- उनको संसार के पदार्थ मिल जाएंगे। लेकिन अगर हम भीतर के आकाश पर टिकें तो हमारा मन शून्य होगा।

हम नाद-ब्रह्म को सुन पाएंगे और हमें अपने ही भीतर बैठा परमात्मा मिलेगा। तो प्रकृति से हम क्या ले सकते हैं यह हमें समझ नहीं आता। जैसे आज भी कई वृद्ध बाजार में जवानी खरीदने निकलते हैं, बचपन उधार लेने निकलते हैं, तो क्या यह मिल जाएगा?

पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु का तो हमने दुरुपयोग कर ही लिया। अब हम ध्वनि प्रदूषण के क्षेत्र में भी प्रवेश कर रहे हैं। ध्वनि का संबंध कहा-सुनी से है। 'अच्छा बोलें और अच्छा सुनें' का भी एक आध्यात्मिक अभियान आरंभ होना चाहिए।

सितंबर में इन 3 राशियों पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

करियर और आर्थिक स्थिति में आ सकता है बड़ा उछाल

सितंबर का महीना ज्योतिषीय दृष्टिकोण से बेहद खास साबित होने वाला है। इस दौरान होने वाले गोचर तीन राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होंगे। इन राशियों को करियर में जबरदस्त लाभ प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सितंबर में कई ग्रह अपनी राशि बदलने जा रहे हैं। 2 सितंबर को शुक्र तुला में प्रवेश करेंगे तो 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में जायेंगे। फिर 17 सितंबर को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे तो 26 सितंबर को बुध एक बार फिर राशि बदलकर तुला में प्रवेश कर जायेंगे। जबकि 18 सितंबर से मंगल कर्क राशि में अपनी यात्रा शुरू करेंगे। ज्योतिष अनुसार ग्रह-गोचर और उनसे बनने वाले शुभ योगों के लिहाज से यह महीना 3 राशियों के लिए बेहद शुभ फलदायी साबित होगा। इन राशियों को करियर और आर्थिक मामलों में जबरदस्त सफलता मिलने की संभावना रहेगी। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

वृषभ राशि - मां लक्ष्मी की कृपा से धन के नए स्रोत खुलेंगे

वृषभ राशि वालों के लिए सितंबर का महीना शुभ साबित होने वाला है। मां लक्ष्मी की कृपा से धन के नए स्रोत खुलेंगे। आपका अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। करियर में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके काम की खूब प्रशंसा होगी और इस महीने आपके द्वारा लिए गए फैसले सही साबित होंगे। निवेश के लिए समय अच्छा है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं। नौकरी में आपको नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन राशि - आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आएगा

मिथुन राशि वालों के लिए सितंबर का महीना लकी साबित होगा। आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आएगा। आय में वृद्धि के संकेत हैं। पैतृक संपत्ति से अच्छा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। निवेश से बड़ा मुनाफा प्राप्त हो सकता है। करियर में उछाल देखने को मिलेगा। बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। नए प्रोजेक्ट्स मिलने की संभावना है। विदेश में नौकरी पाने का सपना पूरा हो सकता है।

तुला राशि - आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी

तुला राशि वालों के लिए सितंबर महीना बेहद शुभ साबित होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी। करियर में बड़ा उछाल आएगा। मनचाही नौकरी मिलने की संभावना है। पदोन्नति और प्रमोशन के भी योग बन रहे हैं। कार्यस्थल पर आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश से अच्छा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अनेक माध्यमों से धन की प्राप्ति के आसार दिखाई दे रहे हैं।

रक्षाबंधन के बाद बदलेगी बुध की चाल

मेष समेत इन 4 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, धन लाभ के योग

पंचांग अनुसार बुध देव रक्षाबंधन के अगले दिन यानी 29 अगस्त को शुक्र के पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। तो वहीं 31 अगस्त को सूर्य देव भी इस नक्षत्र में आ जायेंगे। बुध ग्रह का इस नक्षत्र में आना मुख्य रूप से 4 राशियों के लिए शुभ और फलदायी साबित होगा। इन राशियों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और करियर में कई सुनहरे अवसर प्राप्त होने के योग बनेंगे। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए बुध का नक्षत्र गोचर फलदायी साबित होगा। आय के नए स्रोत खुलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। व्यापार में बड़ी डील्स फाइनल हो सकती है। अटका धन प्राप्त होने की उम्मीद है। धन-धान्य में वृद्धि होगी। वाहन सुख की प्राप्ति होने के संकेत हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए बुध का नक्षत्र गोचर फलदायी साबित होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगी। अचानक से धन की प्राप्ति के रास्ते खुलेंगे। करियर में अच्छी ग्रोथ देखने को मिलेगी और नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती है। नौकरी में प्रमोशन और मनचाही नौकरी मिलने के भी संकेत हैं।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए बुध का गोचर भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि करने वाला साबित होगा। व्यापार में धन लाभ के योग बन रहे हैं और निवेश से भी अच्छा पैसा प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान आपको किसी काम में बड़ी सफलता मिल सकती है। अटके हुए काम बनने शुरू हो जायेंगे।

धनु राशि

धनु राशि वालों के लिए बुध का नक्षत्र गोचर लाभकारी साबित होगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपके लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। यात्रा से लाभ मिलने के संकेत हैं। नई नौकरी का ऑफर आ सकता है।

बुध को मजबूत करने के उपाय

बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन भगवान गणेश की पूजा करें और हर बुधवार को हरी मूंग की दाल, हरी सब्जियां या हरे वस्त्रों का दान जरूर करें। साथ ही नियमित रूप से ॐ बुं बुधाय नमः मंत्र का जाप करें। साथ ही भगवान गणेश को दुर्वा चढ़ाएं। इसके अलावा बुधवार को गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 अगस्त - 2026

ईरान पर आर्थिक वार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ व्यापक आर्थिक प्रतिबंधों की बड़ी कार्रवाई करते हुए इसे 'इकनॉमिक डी-डे' का नाम दिया है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने 'ऑपरेशन इकनॉमिक आउटकास्ट' के तहत ईरान से कारोबार करने वाली संस्थाओं पर नए प्रतिबंधों का एलान किया है। निशाने पर डिजिटल परिसंपत्तियां, प्रौद्योगिकी, सोना, विमानन और नौवहन जैसे क्षेत्र हैं। करीब 60 संस्थाओं को प्रतिबंधों के दायरे में लाया गया है, जिनमें चार भारतीय संस्थाएं भी शामिल हैं। अमेरिका का उद्देश्य साफ है ईरान की अर्थव्यवस्था के उन स्रोतों को काटना, जिनसे उसे विदेशी मुद्रा मिलती है। लेकिन इस अभियान की असली परीक्षा ईरान से ज्यादा चीन के मोर्चे पर होनी है। ईरान से निर्यात होने वाला लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल चीन खरीदता है। चीन की छोटी 'टीपॉट' रिफाइनरियां ईरानी तेल की बड़ी खरीदार रही हैं। दोनों देशों के बीच कारोबार में युआन का इस्तेमाल बढ़ा है और वैकल्पिक भुगतान व्यवस्थाओं ने अमेरिकी डॉलर आधारित वित्तीय तंत्र से बचने के रास्ते बनाए हैं। यही कारण है कि ईरान को आर्थिक रूप से पूरी तरह अलग-थलग करना अमेरिका के लिए कठिनाई भरा कदम होगा। अमेरिका की रणनीति की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिस देश पर दबाव डाला जा रहा है, उसकी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण बाहरी सहारा चीन है। अगर वाशिंगटन चीन की बड़ी कंपनियों, बैंकों और तेल खरीदारों पर व्यापक द्वितीयक प्रतिबंध लगाता है तो मामला ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। चीन पहले ही संकेत दे चुका है कि उसके ईरान के साथ आर्थिक संबंधों को अमेरिकी प्रतिबंधों के जरिए नियंत्रित करने की कोशिश का वह विरोध करेगा। इसलिए ट्रंप प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती है—ईरान पर अधिकतम दबाव बनाए रखना और चीन के साथ टकराव को खतरनाक स्तर तक पहुंचने से रोकना। अमेरिका पहले ही ईरान पर सैन्य और आर्थिक दबाव बढ़ा चुका है। करीब छह महीने तक चले अमेरिका-इजरायल के हमलों के बावजूद तेहरान को निर्णायक रूप से झुकाया नहीं जा सका। न ईरान की सत्ता बदली, न उसकी परमाणु महत्वाकांक्षाएं खत्म हुईं और न ही होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी खुल सकी। ऐसे में प्रतिबंधों को निर्णायक हथियार मानना स्वाभाविक है, लेकिन आर्थिक दबाव और राजनीतिक परिणाम को एक मान लेना जोखिम भरा है। इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। ईरान यदि दबाव बढ़ने पर तेल आपूर्ति या होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावित करता है तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। इसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों पर भी पड़ेगा। भारतीय संस्थाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण नई दिल्ली को ऊर्जा सुरक्षा, ईरान के साथ अपने हितों और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी के बीच संतुलन साधना होगा। इसलिए 'इकनॉमिक डी-डे' को केवल ईरान के खिलाफ आर्थिक कार्रवाई समझना भूल होगी। यह अमेरिका की उस क्षमता की भी परीक्षा है, जिसके जरिए वह अपनी विशाल वित्तीय ताकत और कूटनीतिक प्रभाव को पूरी दुनिया पर लागू करना चाहता है। यदि चीन अमेरिकी दबाव के बावजूद ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना रहता है तो प्रतिबंधों की धार कमजोर पड़ सकती है। यदि अमेरिका चीन को भी कठोरता से निशाना बनाता है तो वैश्विक व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में नया टकराव पैदा हो सकता है। ट्रंप प्रशासन को समझना होगा कि आर्थिक युद्ध में लक्ष्य सिर्फ विरोधी को कमजोर करना नहीं होता; यह भी देखना पड़ता है कि दबाव की कीमत खुद के लिए कितनी भारी पड़ सकती है।

त्योहारों पर भी बाजार सूने

घटती क्रय शक्ति और आर्थिक मंदी का गहराता संकट

सरदूल सिंह

उत्तर भारत के प्रसिद्ध त्योहार रक्षाबंधन, ईद के साथ-साथ राजस्थान के प्रमुख लोक मेलों—बाबा रामदेव जयंती और गोगाजी मेले का समय है। अमूमन इन अवसरों पर बाजारों में खासी चहल-पहल रहती है, लेकिन इस बार का नजारा बिल्कुल अलग है। बाजार सूने पड़े हैं और छोटे दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में खाली बैठकर समय बिताने को मजबूर हैं। दुकानदारों से थोड़ी देर बातचीत करते ही उनका दर्द छलक आता है; कई व्यापारी तो अपना दैनिक खर्च तक नहीं निकाल पा रहे हैं।

एक तरफ बाजारों में ग्राहक नहीं हैं, तो दूसरी तरफ फल-सब्जियों, चीनी, गुड़, ईंट, सीमेंट, लोहे और सोने-चांदी के दामों में आई तेजी ने 'कोढ़ में खाज' का काम किया है। महंगाई का असर आम रिश्तों और सामाजिक परंपराओं पर भी साफ दिखने लगा है। रक्षाबंधन पर पीहर आने वाली बहनों के प्रति आर्थिक तंगी के कारण बदलते नजरिए को आजकल सोशल मीडिया रील्स के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है। व्यंग्यात्मक रील्स में त्योहार के लेन-देन और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के महंगे होने पर चुटकियां ली जा रही हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि लोग अब त्योहारों को भी एक आर्थिक मजबूरी के रूप में देखने लगे हैं।

यह एक सर्वमान्य सिद्धांत है कि ₹विचार हमेशा भौतिक परिस्थितियों की उपज होते हैं।₹ जब भौतिक परिस्थितियां शोषणकारी हों, रोजगार के अवसर सीमित हों और लोगों की आय न बढ़ रही हो, तो उनकी क्रय शक्ति (Purchasing Power) स्वाभाविक रूप से घट जाती है। ऐसी स्थिति में आम नागरिक न्यूनतम जीवन स्तर पर गुजारा करने और त्योहारों पर कम से कम खर्च करने को विवश होता है। यही कारण है कि त्योहारों के मौसम में भी सड़कें सुनसान हैं।

भारत की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है लेकिन मानसून की बेरुखी और खाद, बीज, कीटनाशक व ईंधन पर कॉर्पोरेट नियंत्रण के कारण कृषि लागत लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार की प्रतिस्पर्धा और कालाबाजारी के कारण फसलों के उचित दाम नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में भारी गिरावट आई है। इसके साथ ही बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और मकान किराए जैसे अनिवार्य खर्चों में वृद्धि के कारण लोगों को त्योहारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के बजट में कटौती करनी पड़ रही है। नतीजतन, दुकानों पर 'सेल' के बोर्ड लगाने और भारी प्रचार के बावजूद बिक्री नहीं बढ़ रही है।

आर्थिक मंदी का मुख्य कारण सेवा क्षेत्र का सिमटना और रोजगार के अवसरों का खत्म होना है। स्थाई नौकरियां लगभग समाप्त की जा चुकी हैं और नए पदों का सृजन बंद है। स्वीकृत पदों पर भी न्यूनतम मजदूरी से कम वेतन पर काम चलाया जा रहा है। एक ही कर्मचारी से कई तरह के काम लेकर नए रोजगार पैदा करने से बचा जा रहा है। जब श्रमिकों और कर्मचारियों की जेब में पैसा ही नहीं पहुंचेगा, तो वह बाजार तक कैसे आएगा? ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा देने वाले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के क्रियान्वयन में सुस्ती का असर भी साफ दिख रहा है। मनरेगा के माध्यम से विशेषकर महिलाओं के जरिए हर ग्रामीण परिवार में आने वाली पूरक आय प्रभावित हुई है, जिससे स्थानीय बाजारों की मांग घटी है।

कुछ लोग इस मंदी को व्यक्तिगत विफलता या अस्थाई दौर मानते हैं, लेकिन वास्तव में यह पूरी अर्थव्यवस्था से जुड़ा ढांचागत मामला है। आधुनिक तकनीक के नाम पर रोजगार में कटौती की जा रही है।

राष्ट्रगीत को लेकर सियासत क्यों

राधा रमण

जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है;
वह नर नहीं, नर-पशु निरा है और मृतक समान है।
जो भरा नहीं है भावों से , बहती जिसमें रसधार नहीं;
वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने यह पंक्तियां किसी जाति-धर्म अथवा व्यक्ति विशेष को ध्यान में रखकर नहीं लिखी थीं। ठीक उसी तरह चर्चित उपन्यास 'आनन्दमठ' में बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वंदेमातरम् ... का पद किसी को खुश या नाराज करने के लिए नहीं लिखा था। दोनों देश के दिग्गज साहित्यकार और माटी के लाल रहे हैं। दोनों के जन्म से पहले देश गुलाम था। अपनी माटी से मोह और आजादी का सपना दोनों ने देखा था। दोनों की कविताओं में राष्ट्रवाद कूट-कूटकर भरा था। लेकिन आजादी के 79 वर्ष बाद भी हम किस समाज में जी रहे हैं ? हमें अपने ही पुरखों की बातों, नीतियों, सोच और कविताओं से दिक्कत क्यों हो रही है ? हम क्यों भूल जाते हैं कि जिस देश को हम दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बताते नहीं अघाते, उसकी बुनियाद हमारे पुरखों ने ही रखी थी। हम हर चीज को राजनीतिक नजरिये से ही क्यों देखने के आदी होते जा रहे हैं। हमारे देश के नेता जनता को हिन्दू-मुस्लिम की दरार में क्यों बांटने पर आमादा हैं ? क्या 140 करोड़ नागरिकों का यह देश महज मुट्ठीभर नेताओं का है ? क्या नेता समाज में कटुता बांटकर अपनी चुनावी गोटी फिट करने के लिए ही यह सब कर रहे हैं, जो देशहित में कत्तई नहीं है।

सत्ता में बैठे लोग तो बात का वितंडा बनाएंगे ही, क्योंकि उन्होंने देश की मूलभूत समस्याओं की उपेक्षा की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बेरोजगारी का बुरा हाल है। देश में बहुतेरे ऐसे लोग हैं जो दो जून की रोटी के मोहताज हैं। फिर भी हमारे नेता शर्मसार नहीं हैं। वे अपनी सुख-सुविधा और वेतन-भत्ते बढ़ाने में मिल-जुलकर भागीदार रहते हैं, लेकिन जनता की भलाई में एकमत नहीं होते। अब ताजा विवाद राष्ट्रगीत के पूरे पदों के गायन को लेकर है। यह राष्ट्रगीत बांग्ला साहित्य के देदीप्यमान हस्ताक्षर बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय के लोकप्रिय उपन्यास 'आनन्दमठ' से लिया गया है। 'आनन्दमठ' का प्रकाशन 1882 में किया गया था। जिसने भी 'आनन्दमठ' का अध्ययन किया है, उसे पता है कि 'आनन्दमठ' 1770 में बंगाल के अकाल और 1773 के संन्यासी विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित है। उपन्यास के मुताबिक अकाल के समय ईस्ट इंडिया कंपनी के गलत निर्णयों, नियमों और किसानों के शोषण से तत्कालीन सरकार के प्रति लोगों की नाराजगी बढ़ जाती है। उपन्यास की कथा के अनुसार सत्यानंद नामक संन्यासी के नेतृत्व में संन्यासियों की एक सेना का गठन होता है, जिसका उद्देश्य देश को अंग्रेजी कुशासन से मुक्त कराना है। उसी उपन्यास में वंदेमातरम् शीर्षक से कविता की गूंज होती है। बाद में आजादी की लड़ाई में इस कविता ने अहम भूमिका निभायी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदेमातरम् भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था। इस गीत में भारत माता की वंदना करते हुए उसकी सुंदरता, शक्ति और प्राकृतिक समृद्धि का गुणगान किया गया है। चूंकि वंदेमातरम् का गायन करने वाले हिन्दू संन्यासी थे, इसलिए गीत में माता दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी से भारत माता की तुलना करते हैं। उसी उपन्यास के आखिर में एक अजनबी संत का पदार्पण होता है, जो सत्यानंद से कहते हैं कि देश में अंग्रेजी शासन इसलिए जरूरी था कि मुसलामानों के शासन का प्रभाव कम किया जा सके। बता देना जरूरी है कि अपने उपन्यास में अंग्रेजों की मुखालफत करने वाले बंकिम बाबू अंग्रेजों के शासन में बंगाल सरकार में सचिव पद पर तैनात रहे थे।

वंदेमातरम् एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं। 'द नेहरू आर्काइव' के मुताबिक, 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 1937 के बीच कांग्रेस वर्किंग कमेटी की कलकत्ता बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों में वंदेमातरम् के सिर्फ पहले 2 छंद गाए जाएं, क्योंकि बाद के हिस्सों में धार्मिक और देवी-देवताओं से जुड़े संदर्भ थे, जिन पर कुछ मुस्लिम नेताओं को आपत्ति थी। 24 अक्टूबर 1950 को इसके पहले अंतरे को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता दी गई थी।

अब इस साल केन्द्रीय सरकार ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक 2026 लाकर इस पूरे गीत को राष्ट्रगान से साथ गाना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही इसे रोकने को दंडनीय अपराध बना दिया है। यह बिल लोकसभा में 29 जुलाई को और राज्यसभा में 30 जुलाई को बिना चर्चा के पारित किया गया। राष्ट्रपति ने भी इस बिल को मंजूरी दे दी है। सवाल उठता है कि अगर यह विधेयक इतना ही जरूरी था तो सरकार अपने कार्यकाल के 12 वर्ष में इसे लेकर क्यों आई। और, अगर लाई तो संसद के दोनों सदनों में इस पर विस्तार से चर्चा करानी चाहिए थी। दूसरी तरफ विपक्ष खासकर कांग्रेस को इसे संसद में ही रोकने का प्रयास करना चाहिए था। अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद इसमें किन्तु-परन्तु का क्या मतलब है।

दरअसल, आनेवाले दिनों में सात राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस बीच पेपरलीक, बेरोजगारी और स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के खिलाफ छात्रों और युवाओं का बड़ा वर्ग आंदोलन कर रहा है। बढ़ती महंगाई से जनता बेजार है। सरकारी नौकरियों में अकेले केंद्र सरकार में 8 लाख से अधिक पद खाली हैं, जिसे भरने का सरकार की ओर से कोई रोडमैप नहीं दिखाई दे रहा है।

पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट से उद्धमी और आम लोग दुखी हैं। अगड़ी जाति के युवा आर्थिक आधार पर आरक्षण और यूजीसी के नए नियमन के खिलाफ गोलबंद हो रहे हैं। अयोध्या के राममंदिर में चढ़ावा चोरी से सरकार की साख गिरी है, क्योंकि राममंदिर क्षेत्र तीर्थ ट्रस्ट का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर केंद्र सरकार ने ही किया था। विपक्ष जनता के मुद्दों को हवा दे रहा है। ऐसे में समस्याओं से चौतरफा घिरी सरकार के समक्ष धार्मिक आधार पर विभाजन के सिवाय बचने का कोई रास्ता नहीं नजर आ रहा है।

मिठास का कड़वा गणित : चीनी के भावों के उतार-चढ़ाव का असल खेल

अशोक भाटिया

रसोई का एक आवश्यक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने को नियंत्रित करने वाली एक बेहद संवेदनशील कमोडिटी भी है। हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई अचानक उछाल ने एक बार फिर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है और नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। खुदरा बाजार में चीनी के दाम अचानक प्रति किलो कई रुपये चढ़ गए हैं। आम उपभोक्ता के लिए यह केवल एक सामान्य महंगाई की मार हो सकती है, लेकिन राजनीतिक-आर्थिक चश्मे से देखें तो इसके पीछे 'डिमांड और सप्लाई' के पारंपरिक नियम से कहीं बड़ा और पेचीदा खेल चल रहा है। इस खेल में मौसम की अनिश्चितता, एथनॉल निर्माण की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नीतियां, सरकारी अनुमानों के यू-टर्न, अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव और सबसे बढ़कर, घरेलू बाजार के सटोरियों व रसूखदार जमाखोरों का सिंडिकेट शामिल है। चीनी के इस पूरे चक्रव्यूह को समझे बिना हम इसकी कीमतों के उतार-चढ़ाव के असल खेल को नहीं समझ सकते। चीनी उद्योग का सबसे पहला और बुनियादी खेल गन्ने की पैदावार बनाम चीनी की 'रिकवरी रेट' के बीच छुपा होता है। अक्सर आम जनता और यहाँ तक कि सरकारें भी गन्ने की लहलहाती फसल देखकर यह मान लेती हैं कि इस साल चीनी का बंपर उत्पादन होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट होती है। इस सीजन में भी गन्ने की फसल खेतों में खड़ी जरूर दिखी, लेकिन मौसम के मिजाज ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। मानसून की अनिश्चितता और ऐन वक्त पर तापमान में आए असंतुलन के कारण गन्ने की फसल 'रेड रोट' जैसी फंगस जनित बीमारियों की शिकार हो गई। इसका सीधा असर गन्ने के अंदर मौजूद रस की मात्रा और उसकी गुणवत्ता पर पड़ा। जब यह गन्ना मिलों में पेराई के लिए पहुँचा, तो रिकवरी रेट, यानी गन्ने के वजन के मुकाबले चीनी निकलने का प्रतिशत काफी नीचे गिर गया। शुरुआती अनुमानों में जहां देश के भीतर करीब ३४३ लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं यह रिकवरी रेट गिरने के कारण घटकर लगभग ३०६ लाख टन पर ही सिमट गया। यानी फसल दिखने में अच्छी थी, लेकिन मिलों से निकलने वाली चीनी का वास्तविक उत्पादन उम्मीद से ३७ लाख टन कम रहा। यह उत्पादन का पहला कड़वा सच है जो बाजार में कमी की शुरुआती बुनियाद रखता है।

चीनी के भावों में आए इस उबाल के पीछे सरकार की 'एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी' का भी एक बड़ा रणनीतिक हाथ है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सरकार पेट्रोल में २० प्रतिशत तक एथनॉल मिलाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। एथनॉल बनाने के लिए सबसे मुफीद और आसान जरिया गन्ने का रस या भारी शीरा होता है। जब चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे एथनॉल बनाने की अनुमति मिली, तो मिल मालिकों के लिए यह अधिक मुनाफे का सौदा साबित हुआ। बाजार के विश्लेषकों का एक वर्ग यह आरोप लगाता रहा है कि भारी मात्रा में गन्ने के रस को एथनॉल निर्माण की तरफ मोड़ने के कारण घरेलू बाजार में चीनी का स्टॉक कम हुआ और कीमतें बढ़ीं। हालांकि, सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल उत्पादित कुल एथनॉल का लगभग ६८ प्रतिशत हिस्सा मक्का और खराब हो चुके अनाजों से आया है, और चीनी का केवल ९ प्रतिशत हिस्सा ही एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुआ। इसके बावजूद, बाजार एक मनोवैज्ञानिक धारणा पर काम करता है। जैसे ही सटोरियों को यह संदेश जाता है कि गन्ना चीनी के बजाय ईंधन बनाने में जा रहा है, वे बाजार में कृत्रिम कमी का डर दिखाकर कीमतों को बढ़ाना शुरू कर देते हैं।

चीनी के खेल को नियंत्रित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी खुद सरकार की व्यापारिक नीतियां और उनके बदलते आंकड़े हैं। चीनी एक ऐसी कमोडिटी है जिस पर सरकार की पैनी नजर होती है, लेकिन कई बार जमीनी हकीकत को भांपने में होने वाली देरी बाजार को पूरी तरह अस्थिर कर देती है। इस सीजन की शुरुआत में जब मिलों और सरकारी विभागों ने बंपर स्टॉक का अनुमान लगाया, तो सरकार ने चीनी के निर्यात को हरी झंडी दे दी। इसके तहत लगभग २० लाख टन चीनी देश से बाहर भेज दी गई ताकि मिल मालिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के ऊंचे दामों का फायदा मिल सके और वे किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर कर सकें। लेकिन जैसे ही मध्य-सीजन में कम रिकवरी के कारण चीनी का वास्तविक उत्पादन घटने लगा, सरकार को अपनी रणनीति अचानक बदलनी पड़ी। आनन-फानन में निर्यात पर रोक लगाई गई और घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत १० लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की घोषणा करनी पड़ी। सरकार की नीतियों में आया यह अचानक यू-टर्न बाजार के बड़े व्यापारियों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है। वे समझ जाते हैं कि सरकार के पास स्टॉक की कमी है, और यहीं से सट्टेबाजी का असली खेल शुरू होता है।

जब उद्योग जगत के शीर्ष संगठन 'इंडियन शुगर एंड बायोएनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' के बयानों को देखा जाए, तो उनका स्पष्ट कहना है कि देश में चीनी की कोई वास्तविक या भौतिक किल्लत नहीं है। देश की आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए गोदामों में पर्याप्त चीनी मौजूद है। तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? इसका जवाब है—जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत का संगठित सिंडिकेट। यह खेल थोक व्यापारियों, बड़े डीलरों और वायदा बाजार के सटोरियों द्वारा खेला जाता है। जैसे ही मौसम की खराबी या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव की खबरें आती हैं, यह सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। विशेषकर त्योहारों के सीजन के दौरान, जब मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माताओं की मांग चरम पर होती है, ये बड़े डीलर एडवांस में ही चीनी का भारी स्टॉक दबा लेते हैं। मिलों से बाजार तक आने वाली सप्लाई चेन को जानबूझकर धीमा कर दिया जाता है। जब मांग बहुत ज्यादा हो और बाजार में माल कम दिखे, तो कीमतें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। इस तरह बिना किसी वास्तविक कमी के, केवल कागजी और गोडाउन के स्तर पर कमी दिखाकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया जाता है।

चीनी केवल स्थानीय बाजार की वस्तु नहीं है, यह एक वैश्विक कमोडिटी भी है। जब भी दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों जैसे ब्राजील, थाईलैंड या भारत में मौसम बिगड़ता है, तो अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में चीनी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं। भारतीय चीनी मिलें हमेशा इस फिराक में रहती हैं कि वे वैश्विक बाजार की इस तेजी का लाभ उठाएं।

प्याज संकट गहराया

स्नेहा सिंह

भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था में प्याज केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक उथलपुथल पैदा करने वाला अत्यंत संवेदनशील कारक है। जब भी प्याज के दाम आसमान पर पहुंचते हैं तो आम उपभोक्ता का बजट बिगड़ जाता है और जब कीमतें जमीन पर आ जाती हैं तो किसान बर्बाद हो जाता है।

यह समस्या किसी एक कारण से पैदा नहीं होती। प्राकृतिक मौसम, बाजार का असंतुलन, कमजोर भंडारण ढांचा, बिचौलियों की पकड़, विशेष रूप से केंद्र सरकार की अप्रत्याशित निर्यात नीतियां और नीतिगत समन्वय के अभाव का यह सामूहिक परिणाम है। वर्तमान में पैदा हुई प्याज की समस्या भी मोदी सरकार की इन विफल और पटरी से उतर चुकी नीतियों तथा कार्यप्रणाली का ही परिणाम है।

सत्ता के केंद्रीकरण में विश्वास रखने वाली भाजपा सरकार में सभी निर्णय दो-चार लोगों के हाथों में दे दिए गए हैं, लेकिन निचले स्तर पर जिस तरह भ्रष्टाचार बढ़ा हुआ है और पालिसी पैरालिसिस की स्थिति है, उसके परिणामस्वरूप देश के गरीब और जमीनी स्तर के लोग परेशान हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में मोदी सरकार के कार्यकाल का मूल्यांकन करना अनिवार्य हो जाता है कि कहां नीतियां सफल रहीं और कहां प्रशासनिक तंत्र किसानों की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा। चिंताजनक बात यह है कि सामान्य आदमी के लिए सरकार बनाने का दावा करके सत्ता में आई भाजपा सरकार ने पिछले बारह वर्षों में आम लोगों को लाभ पहुंचाने वाला वास्तविक कोई काम नहीं किया है। जीएसटी लागू किया गया, जिसमें आम जनता ही पिस रही है। इसके अलावा नोटबंदी ने कहर बरपाया था। इसमें छोटे लोग ही पैसों के लिए परेशान होते और बैंकों के बाहर कतारों में खड़े होकर अपनी जान गंवाते दिखाई दिए।

कोरोना के दौरान अविवेकपूर्ण लॉकडाउन और उसके बाद अंधाधुंध टीकाकरण में भी आम और गरीब आदमी ही पिसा है। आयात और निर्यात की भी कोई ठोस नीति नहीं है, जिसके कारण किसानों और व्यापारियों सभी के ऊपर तलवार लटकी रहती है।

इथेनॉल के नाम पर अजीब तरह का पेट्रोल और डीजल बेचकर अचानक ही गन्ने और मक्का की फसल पर आफत ला दी गई। इसके भंडारण के दौरान नुकसान हुआ, अब गन्ने की फसल में ही बीमारी लग गई है, जिससे उसकी उत्पादकता घट गई है। इसके परिणामस्वरूप जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। इसके कारण चीनी के दाम बढ़ गए और इथेनॉल के कारण लोगों के वाहन खराब होने लगे। इस तरह सरकार की गैरजिम्मेदार नीतियों के कारण चीनी के दाम बढ़े हैं।

प्याज की भी ऐसी ही स्थिति कर दी गई है। देश के गरीब लोग, जिनके नाम पर राजनीति की जाती है, उनकी थाली से प्याज भी गायब होने लगा है। अच्छे दिन के नाम पर व्यापारियों, जनता और किसानों को बर्बाद किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्याज की फसल मौसम के प्रति अत्यंत संवेदनशील होती है। भारत की कुल प्याज आपूर्ति में महाराष्ट्र, विशेष रूप से नासिक, लासलगांव और आसपास के जिले, रीढ़ की हड्डी जैसी भूमिका निभाते हैं। बुवाई के समय अत्यधिक बारिश या कटाई के समय होने वाली बेमौसम ओलावृष्टि और बारिश फसल को भारी नुकसान पहुंचाती है।

इसके अलावा मौसम की अनिश्चितता खेती के क्षेत्रफल, प्रति एकड़ उपज, फसल की भंडारण क्षमता और परिवहन व्यवस्था को सीधे प्रभावित करती है। जब आपूर्ति में 10-15 प्रतिशत की भी कमी आती है तो बाजार में कृत्रिम या वास्तविक कमी पैदा हो जाती है और कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिलती है। वर्तमान में भी लगभग आठ प्रतिशत की कमी होने की बात सामने आ रही है।

दूसरी ओर, भारतीय कृषि बाजार प्याज के मामले में एक पारंपरिक दुष्चक्र में फंसा हुआ है। जब किसान को 2 से 5 रुपए प्रति किलो जैसे मामूली दाम मिलते हैं तो वह अगले सीजन में बुवाई कम कर देता है। परिणामस्वरूप कुछ महीनों बाद आपूर्ति घटने पर खुदरा बाजार में कीमत 70 से 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है।

ऊंचे भाव देखकर किसान फिर बड़े पैमाने पर बुवाई करता है, जिससे बाजार में अत्यधिक माल आने के कारण कीमतें फिर जमीन पर आ जाती हैं। यह समस्या केवल वर्तमान समय तक सीमित नहीं है, बल्कि एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी सरकार इस चक्र को स्थिर करने में विफल रही है, यह वास्तविकता है।

प्याज ऐसी फसल है, जिसे उचित परिस्थितियों में महीनों तक संग्रहित किया जा सकता है, जिससे पूरे वर्ष धीरे-धीरे बाजार में इसकी आपूर्ति की जा सकती है। लेकिन भारत में पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज और आधुनिक वेयरहाउसिंग सुविधाओं का भारी अभाव है।

उचित वेंटिलेशन नहीं होने के कारण नमी, फंगस, अंकुरण और तापमान में बदलाव के कारण 25 से 35 प्रतिशत प्याज भंडारण के दौरान ही सड़ जाता है। भारत पूरे वर्ष पर्याप्त प्याज पैदा करता है, फिर भी भंडारण के अभाव में कुछ निश्चित महीनों में भारी कमी का सामना करना पड़ता है।

आधुनिक वैज्ञानिक भंडारण नेटवर्क नहीं होने के कारण जब बाजार में भाव गिरते हैं तो किसान डिस्ट्रेस सेलिंग यानी मजबूरी में कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर हो जाता है।

शहर बनाइए, लेकिन जिंदगी उजाड़कर नहीं

कुमार कृष्णन

पटना की सड़कों पर 25 अगस्त को किसानों का उतरना केवल किसी सरकारी परियोजना के विरोध का दृश्य नहीं था। इसके पीछे जमीन, आजीविका, सम्मान, अस्मिता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। प्रस्तावित पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर पुनपुन, नौबतपुर, मसौढ़ी, फतुहा, संपतचक, पटना ग्रामीण, धनरुआ, दनियावां और फुलवारी क्षेत्र के किसानों में असंतोष है। प्रस्तावित योजना का क्षेत्र करीब 81,730 एकड़ और 273 गांवों तक फैला बताया गया है। पुनपुन के 19 गांवों में करीब 3,008 एकड़ का कोर क्षेत्र प्रस्तावित है।

सरकार इसे पटना के सुनियोजित विस्तार, आवास, रोजगार, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में देख रही है। दूसरी ओर किसानों का कहना है कि उनकी बहुफसली और उपजाऊ जमीन ही उनकी आजीविका का आधार है। वे केवल मुआवजे के बदले अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते। किसानों का यह सवाल गंभीर है कि जमीन चली गई तो खेती और उससे जुड़ी उनकी आर्थिक सुरक्षा का क्या होगा? यहीं से यह मामला महज भूमि अधिग्रहण का प्रशासनिक प्रश्न नहीं रह जाता। इसे महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया की कसौटी पर देखने पर विकास, लोकतंत्र और किसान के अधिकार से जुड़े कई बुनियादी प्रश्न सामने आते हैं।

गांधी के विकास-दर्शन का केंद्र मनुष्य था। वे विशेष रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति के हित को किसी भी निर्णय की कसौटी मानते थे। उनकी 'अंत्योदय' की दृष्टि यही पूछती है कि किसी नीति या परियोजना का असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या पड़ेगा।

पाटलिपुत्र टाउनशिप के संदर्भ में पहला सवाल भी यही होना चाहिए कि इस परियोजना से सबसे अधिक प्रभावित कौन होगा? यदि वह किसान है जिसकी तीन फसलों वाली जमीन चली जाती है, तो उसके जीवन का मूल्यांकन केवल जमीन की बाजार कीमत से कैसे किया जा सकता है? किसान के लिए जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं है। वह उत्पादन का साधन, परिवार की सुरक्षा और सामाजिक पहचान का आधार है। खेत से होने वाली आय से बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और परिवार की दूसरी जरूरतें पूरी होती हैं। इसलिए जमीन के बदले मिलने वाला मुआवजा और आजीविका का स्थायी विकल्प एक ही बात नहीं है। गांधी की कसौटी पर किसी भी विकास योजना की पहली परीक्षा यही होगी कि क्या वह अंतिम व्यक्ति के हित को केंद्र में रखती है।

गांधी की 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणा भी यहां प्रासंगिक है। इसका मूल भाव था कि संसाधनों का उपयोग व्यापक सामाजिक हित में होना चाहिए। यदि कृषि भूमि को शहरी विकास में बदला जाता है तो उस भूमि से जुड़े लोगों को केवल मुआवजे का पात्र मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें निर्णय-प्रक्रिया का सहभागी बनाना होगा। सरकार की ओर से लैंड पूलिंग, समझौता, हाइब्रिड मॉडल और भूमि खरीद या अधिग्रहण जैसे विकल्पों पर विचार की बात कही गई है।

फेफड़ों में कैंसर से हर साल होती हैं लाखों मौतें
इस आदत को डॉक्टर्स ने बताया सबसे नुकसानदायक

पूरे शरीर में ऑक्सीजन के संचार को ठीक बनाए रखने में फेफड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, हालांकि समय के साथ इस अंग से संबंधित कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। अध्ययनों में पाया गया है कि कई तरह की लाइफस्टाइल और पर्यावरणीय स्थितियां फेफड़ों को गंभीर रूप से क्षति पहुंचा रही हैं। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर फेफड़ों में कैंसर के मामले भी बढ़ गए हैं।

फेफड़ों का कैंसर हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है। ग्लोबोकैन 2022 के डेटा के अनुसार साल 2022 में दुनियाभर में फेफड़ों के कैंसर से लगभग 1.8 मिलियन (18 लाख) मौतें हुईं। ये दुनियाभर में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी है। आश्चर्यजनक रूप से युवा आबादी में भी इस कैंसर के जोखिम बढ़ते हुए रिपोर्ट किए गए हैं।

फेफड़ों के कैंसर के मामले

भारत में भी फेफड़ों के कैंसर के केस बढ़ गए हैं। लंग्स कैंसर, भारत में सभी कैंसर का 5.9% और सभी तरह के कैंसर से संबंधित मौतों का 8.1% है।

फेफड़ों में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि के कारण ये कैंसर होता है। कोशिकाओं के डीएनए में परिवर्तन की वजह से ऐसा होता है। कैंसर कोशिकाएं ट्यूमर बना सकती हैं। ट्यूमर के कारण स्वस्थ ऊतकों को भी क्षति का जोखिम रहता है। समय के साथ कैंसर कोशिकाएं टूटकर शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकती हैं। अध्ययनों में फेफड़ों के कैंसर के लिए कई कारकों को जिम्मेदार पाया गया है जिसमें धूम्रपान सबसे प्रमुख है।

धूम्रपान सबसे बड़ा खतरा

धूम्रपान करने वाले लोगों में फेफड़ों के कैंसर का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। सिगरेट की हर कश के साथ आपके लिए खतरा बढ़ता जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 80% मौतें धूम्रपान से संबंधित हैं। इसके अलावा अगर आप धूम्रपान नहीं भी करते हैं पर सेकेंडहैंड स्मोकिंग के शिकार हैं तो भी अपमें फेफड़ों का कैंसर हो सकता है। तम्बाकू उत्पादों के जलने से उत्पन्न धुएं के संपर्क में आने को सेकेंडहैंड स्मोकिंग कहा जाता है। इसके अलावा वायु प्रदूषण, रसायनों के अधिक संपर्क में रहना भी आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

इसके लक्षणों की पहचान कैसे करें?

कैंसर आपके शरीर में लंबे समय तक यानी कई सालों तक बढ़ता रह सकता है, इससे पहले कि आपको इस बारे में पता चल सके। फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती चरणों में अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखते। हालांकि कुछ संकेत हैं जिनपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

फेफड़ों में और उसके आस-पास होने वाले कैंसर के कारण आपको लंबे समय तक खांसी होती रह सकती है। इसके अलावा खांसी के साथ खून आने, सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घरघराहट होने जैसे समस्याएं कैंसर का संकेत हो सकती हैं। इन लक्षणों के साथ हड्डी में दर्द, बिना प्रयास किए वजन कम होने, भूख न लगने या चेहरे-गर्दन में सूजन की दिक्कत हो तो सावधान हो जाएं।

फेफड़ों के कैंसर से कैसे बचें?

फेफड़े के कैंसर को रोकने का कोई निश्चित तरीका नहीं है, लेकिन कुछ उपायों की मदद से आप अपने जोखिमों को कम कर सकते हैं। इसके लिए धूम्रपान से दूरी बनाना सबसे जरूरी है। रसायनों और प्रदूषण वाले स्थानों से भी बचें। स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम की आदत फेफड़ों के साथ कई अन्य कैंसर के खतरे से भी आपको बचा सकती है।

डेस्क जॉब करने वाले संभल जाएं
घंटों बैठे रहना बना सकता है दिल को बीमार!

आज के समय में ऑफिस का काम हो या घर से वर्क फ्रॉम होम, ज्यादातर लोगों का काफी समय कुर्सी पर बैठकर ही गुजरता है। कंप्यूटर या लैपटॉप के सामने लगातार कई घंटे बैठे रहना अब सामान्य दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना आपके दिल की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

ऐसे में खासकर ऐसे लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है, जो रोजाना 8 से 10 घंटे या उससे ज्यादा समय तक डेस्क पर बैठकर काम करते हैं। आइए जानते हैं लंबे समय तक बैठने से दिल पर क्या असर पड़ सकता है और इससे बचने के आसान तरीके क्या हैं।

लंबे समय तक बैठे रहने से दिल पर क्या असर पड़ता है?

लगातार कई घंटे बैठे रहने से शरीर की शारीरिक गतिविधि काफी कम हो जाती है। इसका असर धीरे-धीरे पूरे शरीर पर पड़ सकता है। लंबे समय तक निष्क्रिय रहने से वजन बढ़ने, ब्लड प्रेशर बढ़ने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में परेशानी जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। ये सभी स्थितियां आगे चलकर दिल की सेहत को प्रभावित कर सकती हैं।

बढ़ सकता है हार्ट डिजीज का खतरा

जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं और शारीरिक गतिविधि बहुत कम करते हैं, उनमें हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। लगातार बैठे रहने की आदत शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और वजन जैसे हार्ट रिस्क फैक्टर्स को प्रभावित कर सकती है।

ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ सकता है असर

एक ही जगह लंबे समय तक बैठे रहने से पैरों और शरीर के निचले हिस्से में ब्लड फ्लो कम हो सकता है। लंबे समय तक निष्क्रिय रहने के कारण पैरों में भारीपन, अकड़न या सूजन जैसी परेशानी भी महसूस हो सकती है।

वजन बढ़ने का खतरा

लंबे समय तक बैठकर काम करने से शरीर कम कैलोरी खर्च करता है। अगर खान-पान भी सही नहीं है, तो वजन बढ़ सकता है। अधिक वजन और मोटापा दिल की बीमारियों के प्रमुख

जोखिम कारकों में शामिल हैं।

ब्लड प्रेशर और शुगर पर असर

शारीरिक गतिविधि की कमी से ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखना मुश्किल हो सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने के साथ अगर रोजाना एक्सरसाइज भी न की जाए तो मेटाबॉलिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

ऑफिस में काम करने वाले लोग कैसे बचें?

अगर आपका काम घंटों बैठकर करने वाला है, तो कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपनाकर शरीर को एक्टिव रखा जा सकता है।

हर 30 से 60 मिनट में कुछ देर के लिए कुर्सी से उठें

ऑफिस में संभव हो तो थोड़ी देर पैदल चलें

फोन पर बात करते समय खड़े होने या चलने की कोशिश करें

लंच के बाद कुछ मिनट वॉक करें

लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें

रोजाना वॉक, योग या एक्सरसाइज के लिए समय निकालें

काम के बीच पैरों और शरीर को स्ट्रेच करते रहें

घर पर इस आसान विधि से बनाएं काजू कतली

त्योहारों का सीजन कुछ ही दिनों में शुरू होने जा रहा है। ऐसे में बाजारों में इसकी धूम दिखाई देने लगी है। लोग खरीदारी से लेकर घर की साफ-सफाई में भी लग गए हैं। जब भी कोई त्योहार आता है, तो सबसे ज्यादा भीड़ मिठाईयों की दुकान पर देखने को मिलती है, क्योंकि त्योहारों पर लोग एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हैं।

इस सीजन में कई दुकानों पर मिलावट वाली मिठाई मिलती है, जिसको खाकर तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में यहां हम आपको घर पर ही एक ऐसी मिठाई बनाना बताने जा रहे हैं, जिसे हर कोई खाना पसंद करता है। यहां हम बात कर रहे हैं काजू कतली की, जो काफी महंगी आती है। इसी के चलते हम इस लेख में आपको घर पर काजू कतली बनाना बताने जा रहे हैं। ताकि आप भी घर पर बिना मिलावट के काजू कतली बना सकें।

काजू कतली बनाने का सामान

काजू – 1 कप (200 ग्राम)
चीनी – 1/2 कप (100 ग्राम)
पानी – 1/4 कप
चांदी का वर्क

विधि

काजू कतली बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले आपको काजू का पाउडर तैयार करना है। काजू पाउडर बनाने के लिए पहले इसे अच्छी तरह से सुखा लें। सुखाने के बाद काजू को महीन पीस लें। इसे पूरी तरह से नहीं पीसें, वरना ये तेल छोड़ देगा।

अब इसे साइड में रखकर एक कढ़ाई में 1/2 कप चीनी और 1/4 कप पानी डालकर धीमी आंच पर चीनी घुलने तक मिक्स करें। चीनी पूरी तरह घुलने पर इसे थोड़ा और पकाएं ताकि यह एक तार की चाशनी बन जाए। चाशनी तैयार होने के बाद इसमें काजू का मिश्रण डालें। ध्यान रखें इसे आपको लगातार चलाना है, वरना ये जलने लगेगा। इसे तब तक पकाएं जब तक यह कढ़ाई के किनारों से अलग न होने लगे। जब इसका सही का पेस्ट तैयार हो जाए तो गैस बदं करके इसे थोड़ा ठंडा होने दें। जब ये छूने लायक ठंडा हो जाए तो इसे हाथ से हल्का गूंथ लें। अब एक चिकनी सतह वाली ट्रे पर घी लगाकर मिश्रण को फैला दें। अच्छी तरह से फैलाने के बाद इसे डायमंड शेप में काट लें। आखिर में इसके ऊपर चांदी का वर्क लगा सकते हैं। तो बस आपकी काजू कतली तैयार है। त्योहारों के सीजन में इसका लुत्फ उठाएं।

क्या कम खाना खाने के बाद भी बढ़ रहा वजन?

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं और आपको लगता है कि आप बहुत कम खाते हैं, फिर भी वजन लगातार बढ़ रहा है, तो सिर्फ प्लेट में रखी रोटियों की संख्या देखकर पूरी तस्वीर समझना मुश्किल है। वजन बढ़ने के पीछे आपकी पूरी दिनचर्या समेत कई कारण हो सकते हैं। यहां हम आपसे इसी बारे में बात करेंगे। हम आपको बताएंगे कि वजन कम करने के लिए सिर्फ रोटियों की संख्या कम करना काफी नहीं है। इसके लिए आपको क्या करना चाहिए आइए जानते हैं।

सिर्फ 2 रोटी खाने पर भी वजन क्यों बढ़ सकता है?

कई लोगों को लगता है कि उन्होंने सिर्फ दो रोटी खाई हैं, इसलिए उनका खाना कम है। लेकिन रोटी के साथ सब्जी में कितना तेल, दाल में कितना घी, दही, अचार, मिठाई या दूसरी चीजें ली गईं, यह भी वजन पर असर डालता है। वजन बढ़ने या

घटने में पूरे दिन में ली गई कुल कैलोरी और शरीर द्वारा खर्च की गई कैलोरी महत्वपूर्ण होती है।

चाय-बिस्किट और छोटे स्नैक्स

सुबह की चाय में चीनी, ऑफिस में बिस्किट, शाम की नमकीन, जूस या सॉफ्ट ड्रिंक जैसी चीजें छोटी लग सकती हैं, लेकिन बार-बार लेने से दिनभर की कुल कैलोरी काफी बढ़ सकती है। इसलिए वजन बढ़ने पर कुछ दिनों तक अपनी पूरी डाइट नोट करके देखना फायदेमंद हो सकता है।

दिनभर बैठे रहना

अगर आप कम खाते हैं लेकिन दिनभर ज्यादातर समय बैठे रहते हैं और शारीरिक गतिविधि बहुत कम है, तो शरीर की रोजाना कैलोरी खर्च भी कम हो सकती है। ऑफिस वर्क, लंबे समय तक मोबाइल या टीवी देखना और रोजाना कम चलना वजन बढ़ने की समस्या को बढ़ा सकता है।

नींद पूरी न होना

लगातार कम नींद लेने से भूख और पेट भरे होने का एहसास कराने वाले हार्मोन प्रभावित हो सकते हैं। इसके कारण कुछ लोगों को ज्यादा खाने की इच्छा होती है और मीठे या हाई-कैलोरी फूड की क्रेविंग बढ़ सकती है। इसलिए वजन कम करने के लिए डाइट के साथ पर्याप्त नींद भी जरूरी है।

ज्यादा तनाव लेना

लगातार तनाव रहने पर कुछ लोगों में ज्यादा खाने की आदत विकसित हो सकती है। तनाव के दौरान मीठा, तला-भुना या जंक फूड खाने की इच्छा बढ़ सकती है। अगर आप तनाव में बार-बार कुछ खाते हैं, तो इसका असर वजन पर दिखाई दे सकता है।

थायरॉयड की समस्या

अगर वजन बढ़ने के साथ लगातार थकान, ठंड ज्यादा लगना, कब्ज, त्वचा का रूखा होना या बाल झड़ने जैसी समस्याएं भी हैं, तो थायरॉयड की जांच के लिए डॉक्टर से सलाह ली जा सकती है। थायरॉयड की समस्या में शरीर का मेटाबॉलिज्म प्रभावित हो सकता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए?

अगर आपका वजन लगातार बिना किसी स्पष्ट कारण के बढ़ रहा है या इसके साथ अत्यधिक थकान, सूजन, सांस फूलना, कब्ज, ठंड ज्यादा लगना या दूसरे असामान्य लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

संघर्ष को साधना में बदलने की कहानी

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की पुस्तक 'Triumph of the Indian Republic: My Life, My Struggle' का विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विमोचन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी की मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति ने इसे विशेष गरिमा प्रदान की। पुस्तक के विमोचन अवसर पर व्यक्त विचारों ने भी इसकी मूल भावना को रेखांकित किया—यह केवल एक व्यक्ति की आत्मकथा नहीं, बल्कि संघर्ष, संकल्प, ईमानदारी, विनम्रता और लोकसेवा के मूल्यों की यात्रा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामनाथ कोविंद की साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की यात्रा को असाधारण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन परिश्रम, ईमानदारी, समर्पण और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। खासतौर पर पांच वर्ष की उम्र में मां को खो देने के बाद पिता द्वारा

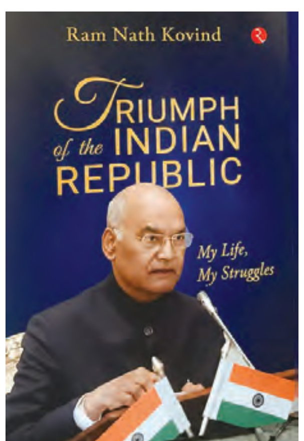

मां और पिता दोनों की भूमिका निभाने का प्रसंग इस जीवन-कथा को भावनात्मक गहराई देता है। प्रधानमंत्री के अनुसार यह पुस्तक गरीब और वंचित युवाओं के लिए प्रेरणा तथा मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत बन सकती है।

पुस्तक की खासियत यह है कि इसमें रामनाथ कोविंद ने अपने जीवन के संघर्षों को किसी औपचारिक उपलब्धियों की सूची की तरह नहीं, बल्कि अनुभवों और संवेदनाओं के साथ प्रस्तुत किया है। मां के निधन के बाद का खालीपन, रिश्तेदार चाची से मिला अपनापन, पिता का संघर्ष, बहन के घर रहकर पढ़ाई, बीएनएसडी इंटर कॉलेज में प्रवेश, शिक्षकों और मित्रों से मिले संस्कार तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्राप्त प्रेरणाओं का उल्लेख उनके व्यक्तित्व के निर्माण की कहानी को सामने लाता है।

300 से अधिक पृष्ठों की यह पुस्तक छात्र जीवन से आगे बढ़कर उनके व्यावसायिक और सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को भी दर्ज करती है। प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के कार्यकाल में प्रधानमंत्री कार्यालय में नियुक्ति, सविता कोविंद से विवाह, यूपीएससी में चयन के बावजूद नौकरी न करने और सर्वोच्च न्यायालय में वकालत को अपनाने का निर्णय उनके लक्ष्य-केंद्रित व्यक्तित्व को सामने लाता है। आगे चलकर राज्यपाल और राष्ट्रपति के रूप में निभाई गई जिम्मेदारियों का क्रमबद्ध विवरण पुस्तक को और महत्वपूर्ण बनाता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुस्तक को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए रामनाथ कोविंद जैसे व्यक्तित्व की यात्रा को दुर्लभ उपलब्धि माना। स्वयं कोविंद का संदेश भी पुस्तक की आत्मा है—विचारों की सकारात्मकता और देश के प्रति समर्पण व्यक्ति को आगे बढ़ाते हैं। उनका जीवन बताता है कि बड़े सपने देखना पर्याप्त नहीं; उन्हें पूरा करने के लिए उतनी ही बड़ी मेहनत, ईमानदारी और दृढ़ता चाहिए।

इस दृष्टि से 'Triumph of the Indian Republic' एक ऐसे सामान्य व्यक्ति की असाधारण यात्रा है, जिसने कठिनाइयों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। यह पुस्तक बताती है कि परिस्थितियां रास्ता कठिन कर सकती हैं, लेकिन लक्ष्य के प्रति अटूट विश्वास, परिश्रम और चरित्र की दृढ़ता मंजिल तक पहुंचने का रास्ता जरूर बनाती है।

समीक्षक :पुरुषोत्तम भदोरिया

भाभी की कलाई पर क्यों बांधी जाती है लुंबा राखी?
इसके पीछे की खास परंपरा और वजह

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और आपसी स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। कई परिवारों में भाई के साथ ही भाभी को भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबंधन पर भाभी के लिए भी एक खास तरह की राखी लाई जाती है, जिसे लुंबा राखी कहा जाता है। यह सामान्य राखी से अलग होती है और इसे खास तौर पर भाभी के लिए डिजाइन किया जाता है।

क्या होती है लुंबा राखी?

लुंबा राखी का डिजाइन आमतौर पर ऐसा होता है कि इसे कलाई पर बांधने के बजाय चूड़ियों या कंगन के साथ सजाया जा सके। इसमें मोतियों, लटकन, कुंदन, धागे और अन्य सजावटी तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है। अलग-अलग जगहों और परिवारों में इसके डिजाइन और पहनने का

तरीका अलग हो सकता है।

भाभी को क्यों बांधते हैं लुंबा राखी?

कई पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपराओं में भाभी को परिवार का अहम हिस्सा मानते हुए रक्षाबंधन की खुशी में उन्हें भी शामिल किया जाता है। ननद द्वारा भाभी को लुंबा राखी बांधना ननद-भाभी के स्नेह और रिश्ते को दर्शाने वाली परंपरा के रूप में देखा जाता है। साथ ही पति-पत्नी एक दूसरे के पूरक होते हैं, इसलिए भी बहनें भाई के साथ ही उनकी पत्नी को भी समान सम्मान देने के लिए राखी बांधती हैं।

लुंबा राखी का क्या है महत्व?

इसका महत्व मुख्य रूप से पारिवारिक परंपरा, स्नेह और रिश्तों की खूबसूरती से जुड़ा है। लुंबा राखी के जरिए भाभी को त्योहार की खुशियों में शामिल करने और ननद-भाभी के रिश्ते में प्रेम व अपनापन व्यक्त करने का भाव दिखाई देता है।

क्या हर जगह बांधी जाती है लुंबा राखी?

हालांकि लुंबा राखी बांधने की परंपरा पूरे भारत में एक जैसी नहीं है। यह खास तौर पर कुछ समुदायों और परिवारों में अधिक प्रचलित है। इसलिए इसे रक्षाबंधन की अनिवार्य रस्म के बजाय क्षेत्रीय और पारिवारिक परंपरा के रूप में समझना बेहतर है। इस तरह लुंबा राखी रक्षाबंधन के पारंपरिक भाई-बहन के रिश्ते के साथ परिवार के अन्य रिश्तों में स्नेह और अपनापन जोड़ने वाली खूबसूरत परंपरा है।

विज्ञापन विवाद: सभी प्लेटफॉर्म से हटा कृति सेनन का विज्ञापन, ज्वैलरी ब्रांड ने सफाई में क्या कहा?

कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन पर हुए विवाद के बाद मेकर्स ने इसे सभी प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। हाल ही में जारी किए गए इस विज्ञापन के चलते कृति सेनन को खूब ट्रोल किया गया था। बुधवार को ज्वैलरी ब्रांड ने कृति सेनन का वह रक्षाबंधन विशेष विज्ञापन सभी जगह से वापस लेते हुए एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया...

'हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करते हैं। एक ब्रांड के तौर पर हम हमेशा पूरे परिवार के साथ खुशियां भरे पल मनाने में यकीन रखते हैं और इस बार हम अपने पालतू जानवरों को भी इस प्यार और जश्न में शामिल करना चाहते थे। अगर हमारे हालिया विज्ञापन से अनजाने में समाज के किसी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं, तो हमारा बिल्कुल भी ऐसा मकसदनहीं था। सम्मान के तौर पर, हमने उस विज्ञापन को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। इस त्योहार के मौसम में आप सभी को ढेर सारा प्यार और सकारात्मकता मिले।'

बता दें कि ज्वेलरी के इस विज्ञापन में, जिसे ब्रांड ने अब हटा लिया है, कृति सेनन को केप और ड्रेप्ड स्कर्ट के साथ ब्रालेट-स्टाइल वाला ब्लाउज पहने रक्षाबंधन मनाते हुए दिखाया गया था। सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। विज्ञापन और कृति के ड्रेसिंग सेंस को जमकर ट्रोल किया गया।

कृति सेनन के कपड़ों को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही कड़ी आलोचना के बीच एक्टर और

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी 'बिकिनी पहनकर राखी बांधने' के लिए अभिनेत्री की आलोचना की।

मामले पर क्या रही कृति की प्रतिक्रिया?

दो दिन तक चले इस विवाद के बाद कृति सेनन ने मंगलवार को चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा..

'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है जिन्हें आप दिल से मानते हैं।'

'रक्षाबंधन सुरक्षा और प्यार का रिश्ता है। मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं।'

'हम एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करते हैं और एक-दूसरे की अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं।'

'हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'

इसके साथ ही कृति ने तीन सवाल भी किए

'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए?'

'समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है, लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है?'

'संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'

राहुल ने किया था समर्थन

कृति ने एक स्टोरी शेयर कर जब इस पूरे मामले पर सफाई दी थी तो देर शाम राहुल गांधी ने भी एक्ट्रेस का समर्थन किया।

राहुल ने कृति की पोस्ट री-शेयर करते हुए लिखा- 'एक महिला क्या पहनती है? क्या करती है? और कहां जाती है? यह उसकी मर्जी है। महिलाओं को उनकी आजादी का इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल करना बंद करें।'

क्यों ट्रोल हुईं कृति सेनन?

कृति ने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए एक विज्ञापन किया।

विज्ञापन में अभिनेत्री रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आईं।

इस एड वीडियो में उनके आउटफिट्स काफी रिवीलिंग थे।

इस वीडियो के सामने आने के बाद से कृति को उनकी ड्रेस पर ट्रोल किया गया।

चार साल इंतजार करवाकर यश ने दिया टॉर्चर एक्शन अच्छा पर कहानी बेदम; कहां 'टॉक्सिक' हुई फिल्म?

टॉक्सिक रिव्यू '

कलाकार : यश , नयनतारा , रुक्मिणी वसंत , अक्षय ओबेरॉय , नयनतारा , कियारा आडवाणी , हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया

चार साल का इंतजार। 'KGF: Chapter 2' के बाद यश की वापसी.. नाम 'टॉक्सिक'। ट्रेलर में बंदूकें, ग्लैमर, सर्कस, खून-खराबा और रॉकिंग स्टार यश। लगा था इस बार थिएटर में कुछ बड़ा होने वाला है।फिर फिल्म देखी...अब लगता है कि चार साल इंतजार करवाना भी शायद फिल्म का हिस्सा था। तीन घंटे से ज्यादा की इस फिल्म से बाहर निकलते हुए पहला सवाल यही आता है- आखिर कहना क्या चाहते थे? फिल्म खूबसूरत दिखती है, बड़े सेट हैं...विजुअल्स हैं, VFX है, एक्शन है। बस एक छोटी-सी चीज गायब है- वह चीज जिसके लिए ज्यादातर लोग फिल्म देखने जाते हैं - कहानी।

कहानी: गोवा, गैंगस्टर और रिश्तों का उलझा खेल

कहानी 1940 से 1970 के दशक के गोवा में सेट है। अपराध, स्मगलिंग और सत्ता की दुनिया के बीच राया (यश) अपना साम्राज्य खड़ा करता है। कहानी उसके माता- पिता और बहन गंगा (नयनतारा) के साथ उसके रिश्ते को भी दिखाती है। राया की जिंदगी में नादिया (कियारा आडवाणी) आती है। वहीं एलिजाबेथ (हुमा कुरैशी), टोनी (अक्षय ओबेरॉय), रेबेका (तारा सुतारिया) और मेलिसा (रुक्मिणी वसंत) जैसे किरदार उसकी दुनिया का हिस्सा बनते हैं।

कागज पर पिता-पुत्र, भाई-बहन, प्यार, धोखा, अपराध और सत्ता- मसाला पूरा है। लेकिन पर्दे पर आते-आते गोलियां, ग्लैमर, आपत्तिजनक दृश्य और एक्शन इतना बढ़ जाता है कि कहानी को अपनी जगह ही नहीं मिलती।

एक्टिंग: यश हैं, किरदार पीछे छूट गया

यश राया और उसके बेटे रूमी, दोनों का डबल रोल निभाते हैं। उनका स्वैग है, चाल है, लुक है, एक्शन है। फैंस को सीटी बजाने के लिए पूरा सामान दिया गया है। लेकिन उनके किरदार बिल्कुल

समझ नहीं आते...

यश कभी गुस्से में हैं, कभी आशिक हैं, कभी भाई हैं, कभी बाप हैं और फिर अगले ही सीन में किसी की धुनाई कर रहे हैं। इमोशंस आने ही वाली होती है कि कैमरा घूमता है और साहब फिर से स्टाइल में खड़े हैं। नयनतारा जैसी अभिनेत्री से उम्मीद थी कि वह कहानी को भावनात्मक वजन देंगी, लेकिन उनका किरदार देखकर लगता है कि इतनी बड़ी अभिनेत्री को भी फिल्म ने कह दिया.... आप बस भाई को संभालिए, भारी-भरकम डायलॉग बोलिए... बाकी हम देखते हैं। कियारा आडवाणी की बात करें तो कैमरे ने उन्हें बहुत प्यार दिया है। इतना प्यार कि कई बार लगता है कि नादिया किरदार नहीं, फिल्म की ग्लैमर एम्बेसडर हैं। सर्कस, ग्लैमरस कपड़े, मर्मेड एक्ट, एरियल एक्ट, खूबसूरत शॉट्स- सबकुछ है। बस किरदार को हल्का और विस्तार से लिख दिया जाता तो शायद ऑडियंस और भी खुश होतीं।

हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकारों को देखकर लगता है कि कास्टिंग डायरेक्टर ने बहुत मेहनत की थी। फिर स्क्रीनप्ले ने आकर सबकी मेहनत से कहा- थैंक यू, अब आप पीछे बैठिए।

निर्देशन: आंखों को दावत, दिमाग को सजा

गीतू मोहनदास ने फिल्म को छोटा सोचकर नहीं बनाया। सर्कस, गोवा, बड़े सेट, एक्शन और विजुअल्स.. हर चीज को बड़े स्तर पर दिखाने की कोशिश की गई है। लेकिन निर्देशन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सिर्फ फिल्म को भव्य दिखाना नहीं...कहानी को दर्शक तक पहुंचाना भी होती है। और यहीं फिल्म सबसे ज्यादा कमजोर पड़ती है।

फिल्म में इतने स्टाइलिश शॉट हैं कि कई बार लगता है आप फिल्म नहीं, किसी महंगे फैशन शूट का एक्सटेंडेड वर्जन देख रहे हैं।

एक शॉट देखकर मन में आता है- वाह..दूसरा शॉट- वाह..तीसरा- अच्छा..चौथा- अब होगा क्या? और फिर कोई गोली चल जाती है। सवाल पूछो तो गोली... कहानी ढूंढो तो एक्शन..इमोशंस खोजो तो ग्लैमर। यही 'टॉक्सिक' है।

राइटिंग और स्क्रीनप्ले: फिल्म के असली दुश्मन

पिता-पुत्र का रिश्ता है...भाई-बहन का इमोशनल एंगल है। प्यार है..धोखा है..अपराध है..सत्ता है। इतना सामान है कि एक अच्छी फिल्म आराम से बन सकती थी। एक सीन खत्म होता है तो अगला सीन शुरू। अगला खत्म होता है तो तीसरा। किरदार क्या कर रहा है, क्यों कर रहा है, उसके पीछे भावना क्या है- इन सबके बारे में सोचने का मौका फिल्म देती ही नहीं। तीन घंटे से ज्यादा की फिल्म में समय बहुत है...लेकिन स्क्रीनप्ले के पास उसे इस्तेमाल करने का तरीका नहीं है। हिंसा: मानो जैसे हीरो को गोली मारने से पहले अनुमति लेनी पड़ रही..

रणबीर कपूर की एनिमल में हिंसा पर खूब बहस हुई, लेकिन वहां वह किरदार की मानसिकता से जुड़ी थी। इस फिल्म में कई जगह हिंसा बस तमाशा लगती है। यश को मारने सात-आठ लोग आते हैं और सबकी निशानेबाजी ऐसी कि लगता है हीरो को गोली मारने से पहले अनुमति लेनी पड़ रही है। भाई, कभी तो गोली सही जगह चला दो..

म्यूजिक: धैर्य की परीक्षा

रवि बसरूर का म्यूजिक इतना तेज है कि कई जगह लगता है फिल्म आपसे बात नहीं कर रही, आप पर चिल्ला रही है।

तकनीकी पक्ष: बस यही फिल्म में अच्छा है।अब फिल्म की तारीफ कर देते हैं, क्योंकि आखिर कुछ तो है। राजीव रवि की सिनेमैटोग्राफी शानदार है। फिल्म देखने में महंगी लगती है और कई फ्रेम सच में कमाल के हैं। सर्कस का सेटअप, गोवा की दुनिया, एक्शन और यश के क्लोजअप अच्छे लगते हैं। VFX और प्रोडक्शन डिजाइन भी फिल्म को बड़ा स्केल देते हैं।

देखें या नहीं?

यश के फैन हैं? जाइए। यश की एंट्री मिलेगी, स्वैग मिलेगा, बंदूकें, लड़ाई, ग्लैमर और स्लो मोशन भी मिलेगा। बस कहानी मत ढूंढिएगा। लेकिन चार साल से यह सोचकर बैठे थे कि यश इस बार कोई दमदार, याद रहने वाली फिल्म लेकर आएंगे, तो निराशा होगी...बहुत निराशा।

अदिति शर्मा ने दिया घरेलू हिंसा से जूझ रही युवा पीढ़ी को पैगाम

टीवी अभिनेत्री अदिति शर्मा ने हाल ही में मुंबई पुलिस से संपर्क किया और अपने पति अभिनीत कौशिक और उनके परिवार पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया। कई टीवी शो में काम कर चुकीं अभिनेत्री ने गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के बाद, 31 जुलाई, 2026 को एफआईआर दर्ज की गई। अब अभिनेत्री ने घरेलू हिंसा के मामले पर बात की है।

अपने रिश्ते पर क्या बोलीं अदिति?

अदिति ने इस पूरे मामले पर ज्यादातर चुप्पी साधे रखी है। टाइम्स नाउ से बातचीत में अभिनेत्री ने कहा 'सच कहूं तो, कुछ स्थितियों और फैसलों से बाहर निकलने में बहुत समय लगता है। मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि जो भी लड़कियां और लड़के ऐसी स्थितियों से गुजर रहे हैं, उन्हें जरूरी हिम्मत मिले और अपने परिवार का साथ मिले। प्लीज मेडिटेशन करें। मुझे लगता है कि इससे वाकई मदद मिलती है।'

चुप रहती हैं अदिति

अदिति ने आगे कहा 'मैंने पहले कभी इस बारे में कुछ नहीं कहा और बाद में भी कुछ नहीं कहा, क्योंकि मैं बहुत प्राइवेट इंसान हूं। इसलिए मैं अपनी भावनाएं अपने तक ही रखती हूं। यही जिंदगी है। आपको अपनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तो, मैं बस वही कर रही हूं।'

क्या हैं अदिति के आरोप?

अदिति की शिकायत में उनके पति अभिनीत विद्यानंद कौशिक, सास उर्मिला कौशिक और ननद कीर्ति कौशिक का नाम शामिल है।

उन्होंने उन पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, मारपीट, गाली-गलौज और चरित्र हनन का आरोप लगाया है।

अदिति ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सास ने उनकी शादी के गहने अपने पास रख लिए और बार-बार कहने के बावजूद उन्हें वापस नहीं किया।

उनकी शिकायत में बताए गए गहनों में सोने की चेन, अंगूठियां, हीरे की अंगूठी, मंगलसूत्र और चूड़ियां शामिल थीं।

पुलिस को दिए अपने बयान में अदिति ने बताया कि अभिनीत से उनकी मुलाकात जून 2021 में अभिनीत से हुई थी। शुरुआत में दोनों दोस्त बने और बाद में उनका रिश्ता रोमांटिक हो गया। वे सितंबर 2024 में गोरेगांव वेस्ट में एक किराए के घर में रहने लगे और 12 नवंबर 2024 को शादी कर ली। दोनों परिवारों को इस शादी के बारे में पता था और उनकी सहमति भी थी।

कब आई रिश्ते में खटास?

अदिति ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ ही दिनों बाद उनके रिश्ते में खटास आने लगी। उन्होंने दावा किया कि उनके बीच अक्सर कपड़ों और रोजमर्रा के अन्य मामलों को लेकर बहस होती थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अभिनीत घर के खर्चों में हिस्सा लेने के बजाय उनसे पैसे मांगता था।

अदिति का काम

अदिति शर्मा ने 2018 में 'कलीरें' से टेलीविजन में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'ये जादू है जिन्न का!', 'रब से है दुआ' और 'अपोलीन-सपनों की ऊंची उड़ान' जैसे शो में काम किया। उन्होंने फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 14 में भी भाग लिया था।

न्यूजीलैंड के भारतीय फिल्म महोत्सव में हिस्सा लेंगी वहीदा रहमान, किन फिल्मों का होगा प्रदर्शन?

जल्द न्यूजीलैंड में भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस खास महोत्सव में भारतीय सिनेमा की मशहूर

अदाकारा वहीदा रहमान भी शामिल होंगी। जानें कितनी फिल्में होगी कार्यक्रम का हिस्सा?

वहीदा रहमान ने जाहिर की खुशी

अभिनेत्री वहीदा रहमान भी न्यूजीलैंड में होने वाले इस भारतीय फिल्म महोत्सव में हिस्सा बनेंगी। उनकी प्रतिष्ठित फिल्म 'तीसरी कसम' का प्रदर्शन किया जाएगा। इस पर एक बातचीत के दौरान प्रतिक्रिया के दौरान वहीदा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा सिनेमा में हमेशा से लोगों और संस्कृतियों को करीब लाने की शक्ति रही है।

मुझे खुशी है कि टीआईएफएनजेड न्यूजीलैंड में भारतीय सिनेमा की समृद्धि और विविधता का जश्न मना रहा है। फिल्म 'तीसरी कसम' मेरे दिल के बहुत करीब है।

मुझे विशेष रूप से खुशी है कि यह फिल्म महोत्सव का उद्घाटन करेगी। जिससे दर्शकों की एक नई पीढ़ी को इसकी कालजयी कहानी और कविता को जानने का मौका मिलेगा।

क्या होगी न्यूजीलैंड के भारतीय महोत्सव में?

भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन न्यूजीलैंड में किया जाएगा। भारतीय फिल्म महोत्सव 30 फिल्मों की स्क्रीनिंग, उद्योग जगत की चर्चाओं, स्क्रीनिंग के बाद प्रश्नोत्तर सत्र, नेटवर्किंग कार्यक्रमों और एक पुरस्कार समारोह होंगे। पहले संस्करण में 10 फीचर फिल्में, 16 लघु फिल्में और 4 विशेष स्क्रीनिंग दिखाई जाएंगी।

रिपोर्ट्स के अनुसार गुजराती, बंगाली, मलयालम, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, फ्रेंच, जापानी, हिंदी, अंग्रेजी, नेपाली, कश्मीरी, पंजाबी और कुमाऊंनी सहित 11 भाषाओं और यहां तक कि एक मूक फिल्म के साथ, यह महोत्सव भारत की भाषाओं और कहानी कहने की कला का जश्न मनाएगा।

कैसे होगा फिल्म महोत्सव का समापन ?

इस फिल्म महोत्सव के बारे में फेस्टिवल की निदेशक पेट्रीना डी'रोजारियो ने बताया कि इस फिल्म फेस्टिवल के समापन के दौरान कौन से कार्यक्रम होंगे। फिल्म 'पाकीजा' ने न्यूजीलैंड के दर्शकों के लिए हमें उपलब्ध कराई है। पुनर्स्थापित होने के बाद इस फिल्म को प्रदर्शित करने वाला हमारा फेस्टिवल दुनिया का दूसरा फेस्टिवल होगा। 1972 की इस प्रतिष्ठित फिल्म को देखने वाले पहले दर्शकों में से एक होने पर हम बेहद उत्साहित हैं। यह भी संभव है कि न्यूजीलैंड के दर्शकों ने पहले कभी इस फिल्म को न देखा हो।

प्रेग्नेंट सामंथा ने खास डिस्क्लेमर के साथ शेयर किया वर्कआउट वीडियो, बोलीं- 'कम जोर लगाएं, शरीर की सुनें'

39 साल की सामंथा ने यह भी बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद फिटनेस को लेकर उनका नजरिया बदल गया है। अब वह खुद को लगातार ज्यादा पुश करने के बजाय जरूरत पड़ने पर रुकना और अपने शरीर की बात सुनना ज्यादा जरूरी समझती हैं।

सामंथा ने शेयर किए वर्कआउट वीडियो

सामंथा ने अपने वर्कआउट के कई वीडियो

शेयर किए। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, 'आजकल ट्रेनिंग का तरीका अलग है। ज्यादा जोर लगाने से ज्यादा जरूरी है कि शरीर की बात सुनी जाए।' एक दूसरे स्लाइड में वह डेडलिफ्ट करती नजर आईं। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'जब आप अपनी क्षमता के 70 फीसदी पर ही रुक जाते हैं।'

एक अन्य तस्वीर में वह डंबल उठाती दिखाई दीं। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ दिन मैं खुद को मजबूत महसूस करती हूं। कुछ दिन मैं एक्सरसाइज में बदलाव करती हूं।'

डॉक्टर की सलाह के बाद कर रही हैं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

सामंथा ने अपने कैप्शन में बताया कि डॉक्टर से अनुमति मिलने के बाद उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान भी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जारी रखी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके ट्रेनर प्रीनेटल ट्रेनिंग के लिए सर्टिफाइड हैं और उनके वर्कआउट को उनकी बॉडी, अनुभव और प्रेग्नेंसी के हिसाब से बदला गया है।

उन्होंने लिखा, 'एक छोटा सा डिस्क्लेमर: मैंने काफी समय से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की है और डॉक्टर की अनुमति के बाद प्रेग्नेंसी के दौरान भी इसे जारी रखा है। मेरे ट्रेनर भी प्रीनेटल ट्रेनिंग के लिए सर्टिफाइड हैं और यहां दिखने वाली हर एक्सरसाइज को मेरी बॉडी, मेरे अनुभव और मेरी प्रेग्नेंसी के हिसाब से बदला गया है।'

सामंथा ने आगे लोगों को सलाह दी कि हर प्रेग्नेंसी अलग होती है, इसलिए उनके वर्कआउट को देखकर कोई अपनी एक्सरसाइज तय न करे। उन्होंने कहा कि प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें और किसी योग्य ट्रेनर के साथ ही वर्कआउट करें।

'आवारापन 2' की सक्सेस पार्टी में जबरदस्त डांस से दिशा पाटनी ने मचाई धूम

दिशा पाटनी अपनी नई फिल्म 'अवारापन 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म की सक्सेस पार्टी के वीडियो ने दिशा पाटनी को चर्चा में ला दिया है। 34 साल की दिशा पार्टी में 'शीला की जवानी' गाने पर डांस करती दिखीं। यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में क्या है?

'आवारापन 2' की सक्सेस पार्टी में दिशा 'शीला की जवानी' गाने पर डांस करती दिख रही हैं। यह गाना 'तीस मार खान' (2010) में एक्ट्रेस कैटरीना कैफ पर फिल्माया गया था। आज भी उनके सबसे यादगार डांस नंबरों में गिना जाता है।

जब वह इस गाने पर डांस कर रही थीं, तो आस-पास मौजूद लोग उन्हें चीयर कर रहे थे। इस इवेंट के लिए दिशा ने हॉल्टर-नेक ड्रेस पहनी थी, जिसमें प्लंजिंग नेकलाइन और थाई-हाई स्लिट थी। उन्होंने इसके साथ मैचिंग इयररिंग्स पहने, मिनिमल मेकअप किया और बालों का जूड़ा बनाया था।

फिल्म को हुई कई गुना ज्यादा फायदा

करीब 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी

फिल्म 'आवारापन 2' ने 200 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। पहले हफ्ते के बाद भी इसकी रफ्तार बनी हुई है। बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के अलावा, सक्सेस पार्टी में दिशा के डांस परफॉर्मेंस ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

'आवारापन 2' बॉक्स ऑफिस पर इस साल की सबसे बड़ी सक्सेस स्टोरीज में से एक बनकर उभरी है। आजादी के दिन के वीकेंड से पहले इस फिल्म का मुकाबला 'बंटवारा 1947' से हुआ और इसने पहले दिन 22 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके बाद दूसरे दिन इसमें उछाल आया और इसने 33.75 करोड़ रुपये कमाए।

पहले हफ्ते के आखिर तक, इस सीक्वल ने भारत में 113.50 करोड़ रुपये (नेट) कमाए, जबकि दुनिया भर में इसकी कुल कमाई 161.67 करोड़ रुपये रही। फिल्म ने दूसरे वीकेंड में भी अपनी रफ्तार बनाए रखी। दूसरे मंगलवार को टिकट की कम कीमतों के बावजूद फिल्म ने 4 करोड़ रुपये कमाए और भारत में कुल नेट कलेक्शन लगभग 143 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

दुनियाभर में 'आवारापन 2' की कमाई

फिल्म ने अब दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और अब तक कुल 201.45 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसमें से 170.15 करोड़ रुपये भारत में ग्रॉस कलेक्शन से आए हैं, जबकि विदेशी बाजारों से 31.30 करोड़ रुपये मिले हैं।

राहुल गांधी इस सरकार से कुछ भी करा सकते हैं

आदिवासी छात्रों की हड़ताल खत्म होने पर बोले पवन खेड़ा

राहुल गांधी के पुराने बयान को दोहराते हुए पवन खेडा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के उठाए मुद्दों पर सरकार को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा और इसका श्रेय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जाता है। पवन खेड़ा का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राहुल गांधी के महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने हॉस्टलों में आदिवासी छात्रों के लिए उम्र की सीमा खत्म कर दी है। राहुल गांधी ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उन छात्रों की समस्या के बारे में बताया था, जो पिछले 10 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। पवन खेड़ा ने इस पर कहा कि राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि वह इस सरकार से कुछ भी कहलवा सकते हैं। लगता है कि अब हम उससे आगे बढ़ गए हैं। वह उनसे कुछ भी करवा सकते हैं।

कांग्रेस से राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने आगे कहा कि गांधी के असर की वजह से पूर्व शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा, संसद पुलिस स्टेशन में उनके विरोध प्रदर्शन के कारण साहिल लोचब के मामले में एफआईआर दर्ज हुई और अब महाराष्ट्र सरकार ने छात्रों की मांगें सुनी हैं। उन्होंने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। खेड़ा ने आगे लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, साहिल लोचब के मामले में एफआईआर और अब महाराष्ट्र में आदिवासी छात्रों की मांगें, यह तो बस शुरुआत है। आगे-आगे देखिए क्या होता है।

बता दें कि पुणे में छात्रों के 13 दिन के विरोध-प्रदर्शन के बाद, महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को आदिवासी हॉस्टलों में एडमिशन के लिए 30 साल की उम्र सीमा हटा दी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भूख हड़ताल कर रहे आदिवासी छात्रों की समस्याओं पर ध्यान देने के लिए कहा था। राहुल गांधी ने फडणवीस को लिखे एक पत्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से आदिवासी छात्रों से व्यक्तिगत रूप से मिलने और उनकी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने का आग्रह किया था।

महाकाल मंदिर में बवालः नंदी हॉल में कांवड़ियों ने किया जमकर हंगामा

बैरिकेड तोड़ गर्भगृह में घुसने की कोशिश

उज्जैन, 26 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार दोपहर उस समय हंगामा हो गया, जब दर्शन करने पहुंचे कुछ कांवड़ियों ने नंदी हॉल में प्रवेश कर गर्भगृह की ओर जाने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो विवाद हो गया। आरोप है कि कांवड़ियों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की। घटना में एक सुरक्षाकर्मी के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि कुछ अन्य सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए हैं।

बताया जा रहा है कि कांवड़िये मंदिर की निर्धारित दर्शन व्यवस्था के तहत भगवान महाकाल को जल चढ़ाने के बजाय नंदी हॉल में जाने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नंदी हॉल तक पहुंच गए और गर्भगृह में प्रवेश करने की कोशिश करने लगे। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों और कांवड़ियों के बीच विवाद बढ़ गया। महाकालेश्वर मंदिर के सूत्रों के अनुसार, कुछ उपद्रवी और असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों ने मंदिर की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया। आरोप है कि इन लोगों ने नंदी हॉल में लगी बैरिकेडिंग तोड़ दी और व्यवस्था के लिए लगाए गए बैरिकेड तथा दान पेटियों को इधर-उधर फेंक दिया। इसके बाद उन्होंने अनधिकृत रूप से गर्भगृह में प्रवेश करने का प्रयास किया।

स्मृति ईरानी–सुनील बंसल बन सकते हैं छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी

गजेंद्र पटेल–हरीश द्विवेदी के नामों पर भी चर्चा, संगठन की बैठक में होगा अंतिम फैसला

रायपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम के ऐलान के बाद अब छत्तीसगढ़ संगठन में भी बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 17 अगस्त को अपनी नई टीम घोषित की है। इसके बाद राज्यों के प्रभारियों में भी फेरबदल की संभावना जताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ के नए प्रभारी को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संगठन और राजनीतिक गलियारों में कई वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में हैं। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, गजेंद्र पटेल और हरीश द्विवेदी के नाम शामिल हैं। सबसे चर्चित नामों में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम भी शामिल भी शामिल है। नितिन नवीन की नई टीम में उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

संगठनात्मक राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को देखते हुए उन्हें किसी महत्वपूर्ण राज्य

की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना पर चर्चा है। हालांकि, छत्तीसगढ़ का प्रभार उन्हें दिए जाने को लेकर पार्टी की ओर से कोई संकेत नहीं मिला है। राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल का नाम भी संभावित चेहरों में लिया जा रहा है। बंसल लंबे समय से भाजपा के संगठन विस्तार और चुनावी रणनीति से जुड़े रहे हैं। उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और चुनावी प्रबंधन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। नई राष्ट्रीय टीम में उन्हें फिर राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। ऐसे में किसी बड़े राज्य की जिम्मेदारी मिलने की संभावना से उनका नाम जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए गजेंद्र पटेल और हरीश द्विवेदी के नाम भी चर्चा में हैं। दोनों को नई राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। पार्टी राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने के लिए अनुभवी नेताओं को प्रभार देने की रणनीति अपना सकती है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और संगठन के लिहाज से प्रदेश प्रभारी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

नए प्रभारी को सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय, कार्यकर्ताओं से संवाद और आगामी राजनीतिक रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी संभालनी होगी। हालांकि, अभी तक स्मृति ईरानी, सुनील बंसल, गजेंद्र पटेल या हरीश द्विवेदी में से किसी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कर्नल सौफिया कुरैशी मामलाः मंत्री विजय शाह पर एक्शन की मंजूरी नहीं

कांग्रेस ने राष्ट्रपति से क्या मांग कर दी?

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को मांग की है कि कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी नहीं देने पर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार को राष्ट्रपति बर्खास्त करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सरकार एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल एक राजनीतिक व्यक्ति को जवाबदेही से बचाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल की शुरुआत में मध्यप्रदेश सरकार को विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी पर दो सप्ताह के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया था। हालांकि, मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस संबंध में कोई प्रस्ताव चर्चा

के लिए नहीं आया। इस मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होनी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में अभियोजन की मंजूरी से संबंधित कोई प्रस्ताव पेश नहीं किया गया। मंत्री राकेश सिंह ने यह जानकारी दी। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बाद में पीटीआई से इसकी पुष्टि की। पटवारी ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अभियोजन की मंजूरी मांगी है। ऐसी स्थिति में सरकार का रुख देश के सामने एक गंभीर संवैधानिक सवाल खड़ा करता है कि क्या सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर हैं।

पत्र में कहा गया कि यह मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास का ''बेहद शर्मनाक अध्याय'' है। मामला केवल आदिवासी कल्याण मंत्री विजय शाह के आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट की संवैधानिक और नैतिक जवाबदेही से जुड़ा है। पटवारी ने लिखा, ''इसलिए मुख्यमंत्री सहित पूरी कैबिनेट को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति सेना और संविधान की सर्वोच्च संरक्षक हैं। देश की जनता उनसे संविधान की गरिमा, न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और भारतीय सेना के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद करती है।

कांग्रेस नेता ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे और राजनीतिक प्रभाव को न्यायिक प्रक्रिया में बाधा नहीं बनने देंगे। कर्नल सोफिया कुरैशी उन सैन्य अधिकारियों की टीम का हिस्सा थीं, जिन्होंने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को जानकारी दी थी।

प्रेमी ने प्रेमिका को पास कराने के लिए लीक किया था पेपर

ब्रेकअप के बाद खुद ही कर दी शिकायत

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ड्रग इंस्पेक्टर परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में एक चौंकाने वाला कथित प्रेम प्रसंग सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने अपनी प्रेमिका को परीक्षा में पास कराने के लिए पेपर की व्यवस्था की और उसे दिया। प्रेमिका के परीक्षा पास करने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद युवक ने कथित तौर पर महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग को पेपर लीक की जानकारी दे दी। मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

ड्रग इंस्पेक्टर की परीक्षा कैसे पेपर लीक कांड में बदली?

महाराष्ट्र में ड्रग इंस्पेक्टर की परीक्षा 22 मार्च को हुई थी और जुलाई में उसका परिणाम भी जारी कर दिया गया था। बाद में परीक्षा का पेपर लीक होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजतिलक रौशन के अनुसार, जांच के दौरान पेपर लीक मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रेमी ने प्रेमिका के लिए पेपर कैसे जुटाया?

क्राइम ब्रांच के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में गौरव राजेंद्र पाटिल भी शामिल है। आरोप है कि गौरव का ऋतुजा पाटिल नाम की युवती से प्रेम संबंध था। उसने ऋतुजा को परीक्षा में पास कराने के लिए कथित तौर पर पेपर की व्यवस्था की और ऋतुजा समेत कुछ अन्य लोगों को उपलब्ध कराया। ऋतुजा परीक्षा में पास भी हो गई। हालांकि, बाद में गौरव और ऋतुजा का ब्रेकअप हो गया।

ब्रेकअप के बाद पेपर लीक की जानकारी किसने दी?

पुलिस के मुताबिक, ब्रेकअप के बाद गौरव ने गुस्से में महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग को पेपर लीक होने की जानकारी दी। ड्रग इंस्पेक्टर की परीक्षा महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग कराता है। आयोग ने इसके बाद मुंबई पुलिस से संपर्क किया और मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। डीसीपी राजतिलक रौशन की निगरानी में हुई जांच के बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विश्वेश्वर दत्तात्रय नकाते, गोपाल भटु मराठे, अभिजित गणपतराव लेंडवे, प्रवीण दिलीप पाटिल, गौरव राजेंद्र पाटिल और अमृत नामदेव पाटिल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अमृत पाटिल ऋतुजा के पिता हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ लोग महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग से जुड़े बताए गए हैं। ऋतुजा को क्राइम ब्रांच ने नोटिस दिया है, जबकि अन्य आरोपियों को किला कोर्ट ने दो सितंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है।

दो मकानों से 2.35 लाख की चोरी

बिलासपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के ग्रामीण इलाकों में दो सूने मकानों को चोरों ने निशाना बनाया। सीपत थाना क्षेत्र के दर्राभांठा और बेलगहना चौकी क्षेत्र के आमागोहन में हुई चोरी की दोनों घटनाओं में करीब 2.35 लाख रुपए का सामान चोरी होने की बात सामने आई है।

पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दर्राभांठा मामले में पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार कर चोरी के जेवर बरामद किए हैं। दर्राभांठा के सतनामी मोहल्ला निवासी सनत कुमार रात्रे सोमवार सुबह करीब 8 बजे एनटीपीसी सीपत में मजदूरी करने चले गए थे। उनकी पत्नी सविता देवी भी सुबह 8:30 बजे घर में ताला लगाकर खेत में निंदाई के लिए गई थीं। करीब 11:45 बजे लौटने पर उन्हें मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला।

राजधानी ट्रेन के खाने में बड़ी लापरवाही

बेस किचन में मिला एक्सपायर्ड खाना, 10 लाख का लगा जुर्माना

अहमदाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेन में सफर करते हैं और वहां मिलने वाले खाने को लेकर निश्चिंत रहते हैं, तो अहमदाबाद से आई यह खबर आपको हैरान कर देगी। अहमदाबाद मंडल रेलवे की विशेष टीम ने राजधानी एक्सप्रेस के लिए खाना सप्लाई करने वाले बेस किचन में अचानक छापा मारा। जांच में बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड यानी तारीख निकल चुकी खाद्य सामग्री मिली। यात्रियों को एक्सपायर्ड खाना परोसे जाने की इस लापरवाही पर रेलवे ने सख्त कार्रवाई की है। संबंधित खाद्य सेवा प्रदाता पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

अहमदाबाद मंडल के डीआरएम की ओर से गठित स्पेशल टीम 'रेलवे फूड विजिलेंस फोर्स' ने स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस के बेस किचन में औचक जांच की। रेलवे की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत की गई इस कार्रवाई का मकसद यात्रियों को परोसे जाने वाले खाने की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच करना था। लेकिन जांच के दौरान टीम को जो मिला, वह चौंकाने वाला था। बेस किचन में बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री यात्रियों को परोसने के लिए रखी हुई थी।

इस दौरान 369 पैकेट एक्सपायर्ड हल्दीराम पोहा और 984 पैकेट हल्दीराम उपमा के एक्सपायर्ड मिले। इसके अलावा टीम को 24 पैकेट एक्सपायर्ड हल्दीराम छोले मसाला और 6 पैकेट एक्सपायर्ड फॉर्च्यून सूजी भी मिली। रेलवे के मुताबिक, इन सभी खाद्य पदार्थों को यात्रियों को परोसे जाने के लिए रखा गया था। एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिलने को गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित सेवा प्रदाता के खिलाफ कार्रवाई की गई।

रेलवे प्रशासन ने कहा कि यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और हाइजीन से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बेस किचन और खाद्य आपूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा और निर्धारित मानकों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा के 800 प्रतिष्ठानों को ईपीएफओ का नोटिस

कर्मचारियों के हित के खिलाफ कर रहे थे काम

नोएडा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप गौतमबुद्ध नगर के किसी रेस्टोरेंट, मैनपावर एजेंसी, बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर, ट्रांसपोर्ट फर्म या किसी अन्य प्रतिष्ठान में काम करते हैं तो अपने पीएफ नामांकन की स्थिति जरूर चेक कर लें। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने लगभग 800 कंपनियों की पहचान की है, जिनमें अभी तक कर्मचारियों का पीएफ नामांकन नहीं किया गया है। विभाग ने इन कंपनियों को 31 अक्टूबर तक कर्मचारियों का नामांकन पूरा करने का नोटिस जारी किया है। निर्धारित समय पर प्रक्रिया पूरी न होने पर विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। पीएफ में नामांकित होने से कर्मचारियों को भविष्य निधि के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के फायदे मिलते हैं।

फ्लैश फ्लड के खतरे से बिहार में अलर्ट

सीएम ने की अपात बैठक, तैयारियां की तेज एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की तैनाती

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में गंडक नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति उत्पन्न होने और गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की आशंका को देखते हुए बिहार में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, गंडक नदी में करीब तीन मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आने की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए गंडक नदी से जुड़े जिलों में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आपात बैठक की है।

सीएम ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित संकल्प' सभागार में नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश

फ्लड की स्थिति तथा गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की संभावना को देखते हुए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बिहार के संबंधित जिलों में विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए बिहार में संभावित प्रभाव वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जाए। विशेषकर गंडक नदी से जुड़े पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली सहित अन्य संवेदनशील जिलों में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में बाढ़ के कारण आने वाले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा संभावित प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसी भी कमजोर हिस्से पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने बांधों एवं तटबंधों पर रात में भी विशेष नाइट पेट्रोलिंग कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील एवं प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन द्वारा लाउडस्पीकर/माइक के माध्यम से लोगों को लगातार आवश्यक सूचना एवं संभावित खतरे की चेतावनी दी जाए ताकि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

600 करोड़ के कथित घोटाले को लेकर कांग्रेस आक्रामक

वित्त मंत्री के बंगले के सामने प्रदर्शन कर इस्तीफा मांगा

भोपाल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। नया घोटाला सामने आने के बाद मध्यप्रदेश में सियासत गरमाई हुई है। 600 करोड़ के कथित घोटाले को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए, हमले तेज कर दिए है। कांग्रेस ने वित्त मंत्री से इस्तीफा मांगा है।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार आरोपों से लगातार घिरते जा रही है। सामने आए 600 करोड़ के कथित घोटाले को कांग्रेस ने मुद्दा बना लिया है और सरकार की आरोपों के साथ घेराबंदी करदी है। कथित घोटाले को लेकर। कांग्रेस और युवक कांग्रेस

ने सरकार के खिलाफ भोपाल में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश

के वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले पर पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान प्रतीकात्मक रूप से नोटों की गड्डियां फेंककर सरकार से जवाबदेही की मांग की गई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में अधिकारियों की जवाबदेही तय करना और दोषियों पर कार्रवाई करना वित्त मंत्री देवड़ा की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि उनके विभाग के रहते इतनी बड़ी वित्तीय अनियमितता हुई है, तो उन्हें इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले युवा कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार ने कहा कि यदि सरकार कथित घोटाले पर कार्रवाई नहीं करती और वित्त मंत्री अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा नहीं देते हैं, तो युवा कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन करेगी। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही वित्त मंत्री नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दें। कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो युवा कांग्रेस प्रदेशभर में अपना आंदोलन और तेज करेगी।

अवैध शराब पर आबकारी की दबिश

12 लीटर महुआ शराब और 345 किलो लाहन जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

सक्ती, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सक्ती जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को अंजोरीपाली गांव में छापामार कार्रवाई कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब और 345 किलो महुआ लाहन बरामद किया गया है।

आबकारी विभाग को अंजोरीपाली में अवैध महुआ शराब की बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के लिए टीम ने पहले छद्म ग्राहक के जरिए आरोपी से शराब खरीदी। इसके बाद टीम ने आरोपी के रिहायशी मकान में विधिवत तलाशी ली।

तलाशी के दौरान अंजोरीपाली निवासी लोचन पटेल के कब्जे से तीन पीले रंग के जरिकेन में कुल 12 लीटर महुआ मदिरा मिली। इसके अलावा 23 प्लास्टिक डिब्बों में रखा 345 किलो महुआ लाहन भी बरामद किया गया। विभाग ने शराब और लाहन को जब्त कर लिया।

आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से रिमांड मिलने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल के नेतृत्व में की गई।

22 नगरीय निकायों के मुक्तिधामों के लिए 10.40 करोड़ मंजूर

बिलासपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के मुक्तिधामों की बदहाल स्थिति को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सख्ती के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 22 नगरीय निकायों में मुक्तिधामों के निर्माण और सुधार के लिए 10.40 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। बिलासपुर नगर निगम के मधुबन मुक्तिधाम के लिए 84 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं, जिसमें से 40 लाख रुपए की पहली किश्त जारी कर दी गई है।

मुक्तिधामों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को जरूरी सुधार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने नगरीय निकायों के प्रस्तावों के आधार पर राशि स्वीकृत की है।

बिलासपुर नगर निगम ने मधुबन मुक्तिधाम के विकास के लिए 1.49 करोड़ रुपए का प्रस्ताव सूडा को भेजा था।

निगम के अधीक्षण अभियंता एसपी साहु के मुताबिक इसमें से 84 लाख रुपए ही स्वीकृत हुए हैं। प्रस्तावित राशि में करीब 65 लाख रुपए की कटौती किन कार्यों में हुई है, यह फिलहाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

नदी किनारे बाउंड्रीवॉल सहित कुछ प्रस्तावित कार्यों को अभी स्वीकृति नहीं मिली है। स्वीकृत राशि से मुक्तिधाम में शेड, नाली, आने-जाने के रास्ते और अन्य जरूरी सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

सूडा की ओर से जारी 10.40 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग नए मुक्तिधाम बनाने और पुराने मुक्तिधामों के सुधार में किया जाएगा। इसमें शेड निर्माण, बाउंड्रीवॉल, नाली व्यवस्था, रास्ते और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

सूडा ने राशि जारी करते हुए निकायों के लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं। जिस जमीन पर निर्माण होना है, उस पर संबंधित निकाय का कब्जा और एनओसी होना जरूरी होगा। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू किया जाएगा।

पहली किश्त की राशि खर्च होने के बाद निकाय को उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) और खर्च का हिसाब देना होगा। इसके आधार पर अगली किश्त जारी की जाएगी। वहीं, काम में देरी के कारण लागत बढ़ने पर अतिरिक्त राशि संबंधित नगर निगम को ही वहन करनी होगी।

घर खरीदना बना नई प्राथमिकता, 31% भारतीय पांच साल में चाहते हैं अपना आशियाना

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीयों में वित्तीय आत्मविश्वास बढ़ने के साथ अब खर्च के बजाय लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा पर जोर बढ़ रहा है। होम क्रेडिट इंडिया की द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, निम्न-मध्यम वर्ग के 31 फीसदी लोग अगले पांच साल में अपना घर खरीदना सबसे बड़ा वित्तीय लक्ष्य मानते हैं। पिछले साल के मुकाबले इसमें 8 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। घर खरीदना महिलाओं की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। 40 फीसदी महिलाओं ने अगले पांच साल में घर खरीदने को लक्ष्य बताया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 29 फीसदी रहा। घर खरीदने के बाद कारोबार शुरू या बढ़ाना 25 फीसदी लोगों की प्राथमिकता रही। सर्वे में शामिल लोगों की औसत मासिक आय 35 हजार और जरूरी खर्च 21 हजार रुपये रहा।

अरहर पर महंगाई की मार कीमतें 27% तक बढ़ीं

घरेलू मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य के पार निकले दाल के दाम

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले घरेलू और आयातित अरहर दाल की कीमतों में धीरे-धीरे मजबूती का रुख देखने को मिल रहा है।

कम घरेलू आवक, मिलर्स की ओर से बढ़ती खरीदारी और आयातित स्टॉक में कमी के चलते प्रमुख उत्पादक मंडियों में अरहर के भाव सरकार द्वारा तय खरीफ समर्थन मूल्य 8,450 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर को छूने और पार करने लगे हैं।

घरेलू मंडियों में अरहर की कीमतें एक साल में औसतन 26 से 27 फीसदी तक बढ़ गई हैं। आयातित दालों में चेन्नई लेमन तुअर में सबसे अधिक 36.55 फीसदी का उछाल आया है। कमोडिटी रिसर्च फर्म आईग्रेन इंडिया के मुताबिक, 22 अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान घरेलू अरहर के साथ-साथ म्यांमार और अफ्रीकी अरहर की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। चेन्नई लेमन तुअर 20 अगस्त के 7,900 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 24 अगस्त को 8,500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। इसी तरह महाराष्ट्र की अकोला मंडी में भाव 8,550 रुपये और सोलापुर मंडी में 8,450 रुपये प्रति क्विंटल दर्ज किए गए हैं।

आगे कैसा रहेगा हाल

अरहर की कीमतों में मजबूती बनी रहेगी। सीमित आपूर्ति के चलते कीमतों को सहारा मिलता रहेगा। बाद में आयात बढ़ने और घरेलू खरीफ फसल बेहतर रहने से कीमतों में तेजी पर अंकुश लगेगा।

दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बनाएंगे मस्क

ये मैनहट्टन से 8 गुना बड़ी जमीन पर बनेगा हर साल हजारों स्टारशिप रॉकेट लॉन्च होंगे

3,000 नई नौकरियां मिलेंगी, औसत सैलरी 88 लाख रुपये सालाना होगी

लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने इसे राज्य की इकोनॉमी के लिए बड़ा कदम बताया है। लैंड्री के मुताबिक, इस स्पेसपोर्ट से क्षेत्र में कम से कम 3 हजार से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा होंगी। यहां काम करने वाले कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी 92,600 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए होगी, जो वर्मिलियन पैरिश की मौजूदा औसत इनकम से लगभग दोगुनी है। गवर्नर ने कहा, यह प्रोजेक्ट रोजगार, समुदायों के लिए प्रगति और हमारे तटीय इलाकों के लिए सुरक्षा लेकर आएगा।

वाशिंगटन डीसी, 26 अगस्त (एजेंसियां)। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बना रही है। इस प्रोजेक्ट पर कंपनी 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। 'स्टारबेस, लुइसियाना' स्पेसएक्स का दूसरा 'स्टारबेस' कैंपस होगा। यह नया स्पेसपोर्ट लुइसियाना के पिकान आइलैंड पर 1.25 लाख एकड़ में फैला होगा, जो कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन शहर से भी आठ गुना बड़ा है। यहां से स्पेसएक्स के नेक्स्ट-जनरेशन रॉकेट 'स्टारशिप' और एआई बेस्ड सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। कंस्ट्रक्शन साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है।

'सेल्फ-सस्टेनिंग' होगा कैंपस, खुद बनाएगा ईधन और बिजली

स्पेसएक्स की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल ने बताया कि यह कैंपस पूरी तरह 'सेल्फ-सस्टेनिंग' होगा। खुद का ईंधन और बिजली: कॉम्प्लेक्स के भीतर ही रॉकेट प्रोपेलेंट के लिए मीथेन गैस का उत्पादन होगा और इलेक्ट्रिसिटी जनरेशन फैसिलिटी लगाई जाएगी। शिपिंग और ट्रांसपोर्ट: स्टारशिप रॉकेट्स को लाने-ले जाने के लिए डीप-वॉटर शिपिंग पोर्ट और व्हीकल प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई जाएंगी। एक डेडिकेटेड एयरपोर्ट भी बनाया जा सकता है। शॉटवेल ने कहा कि इस फैसिलिटी का लक्ष्य हर साल स्टारशिप के हजारों उड़ानों को सपोर्ट करना है, हालांकि यह इंजीनियरिंग और रेग्युलेटरी अप्रूवल पर निर्भर करेगा।

रॉकेट मैन्युफैक्चरिंग नहीं सिर्फ लॉन्चिंग होगी

यह लुइसियाना कैंपस स्पेसएक्स के टेक्सास स्थित 'स्टारबेस' से काफी अलग होगा। टेक्सास में रॉकेट्स का निर्माण और असेंबली की जाती है, जबकि लुइसियाना फैसिलिटी में रॉकेट की मैन्युफैक्चरिंग नहीं होगी। इसका मुख्य फोकस केवल हाई-फ्रीक्वेंसी यानी तेज गति से लॉन्चिंग पर रहेगा।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 4,700 करोड़ रुपए का ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट जीता

अहमदाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने कर्नाटक में पैदा होने वाली 4,500 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को महाराष्ट्र के प्रमुख बिजली खपत केंद्रों तक पहुंचाने के लिए 4,700 करोड़ रुपए का ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट हासिल की है। यह प्रोजेक्ट सतारा, पुणे और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में तेजी से विकसित हो रहे पंप्ड स्टोरेज सिस्टम को भी सहयोग प्रदान करेगा।

कंपनी के बयान के अनुसार, यह प्रोजेक्ट टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया के जरिए हासिल किया गया है, जिसमें एईएसएल सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी रही। एईएसएल के सीईओ कंदर्प पटेल ने कहा, "पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रही हैं। ये बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा को ग्रिड में शामिल करने के लिए जरूरी लचीलापन और विश्वसनीयता प्रदान करती हैं।" उन्होंने कहा कि सतारा ट्रांसमिशन परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी और ऊर्जा भंडारण के विस्तार, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार करेगी। इससे दक्षिणी और पश्चिमी भारत के बीच बिजली के प्रवाह को मजबूत करने में मदद मिलेगी। स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) सतारा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के तहत इस प्रोजेक्ट को 36 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह---	05-24 बजे
चंद्र	मकर	मे	कन्या--	07-30 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला----	08-34 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक--	11-45 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु----	14-00 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर--	16-04 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ---	17-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन---	19-33 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष----	21-09 बजे
			वृष-----	22-52 बजे
			मिथुन--	00-56 बजे
			कर्क----	03-12 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष गुरुवार 27 August 2026
तिथि - चतुर्दशी 09-09 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - धनिष्ठा 02-15 रात्रि तक उपरान्त शतभिषा
योग - शोभन 07-55 तक अतिगण्ड
करण - वणिज 09-09 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष: पूर्णिमा व्रत,पंचक 13-35 से भद्राकाल 09-09 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-51 से 15-25 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06-01 - 07-36	शुभ	अमृत	18-42 - 19-59	शुभ
रोग	07-36 - 09-10	अशुभ	चंचल	19-59 - 21-25	शुभ
उत्पात	09-10 - 10-44	अशुभ	रोग	20-25 - 22-51	अशुभ
चंचल	10-44 - 12-18	शुभ	काल	22-51 - 00-18	अशुभ
लाभ	12-18 - 13-51	शुभ	लाभ	00-18 - 01-44	शुभ
अमृत	13-51 - 15-25	शुभ	उत्पात	01-44 - 03-10	अशुभ
काल	15-25 - 16-59	अशुभ	शुभ.	03-10 - 04-36	शुभ
शुभ	16-59 - 18-42	शुभ	अमृत	04-36 - 06-01	शुभ

मंजूरी में मिलेगी छूट : सेमीकंडक्टर फैक्टरी लगाना होगा आसान

मशीन अटकी तो कारखाना अटका, अब समस्या खत्म...

खास मशीनों को रियायत देगी सरकार

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जापानी कंपनियों के लिए भारत में सेमीकंडक्टर जैसे हाईटेक कारखाने लगाना अब पहले से आसान होने जा रहा है। विदेश से मंगाई जाने वाली खास मशीनों और उपकरणों के लिए जहां बीआईएस मानक लागू हैं, वहां प्रमाणन में लगने वाला समय घटाने के लिए सरकार नया ढांचा तैयार कर रही है।

इसके तहत उद्योग, कंपनी, उत्पाद या किसी खास परियोजना के स्तर पर छूट देने का विकल्प रखा जाएगा। यह एलान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापानी उद्योगपतियों के सामने किया। उन्होंने बताया कि बीआईएस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को इस पर काम शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

वक्त बचा तो पैसा बचा

असल फायदा वक्त का है और वक्त का सीधा मतलब पैसा है। सेमीकंडक्टर का एक कारखाना अरबों डॉलर का होता है और उसमें लगने वाली मशीनें एक तय क्रम में आती हैं। एक जरूरी मशीन की मंजूरी या आपूर्ति अटकती है तो पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और कारखाना शुरू होने की तारीख आगे खिसक सकती है। कारखाना समय पर चालू हुआ तो निर्माण के दौर की नौकरियों से लेकर संयंत्र चलाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों तक रोजगार के अवसर भी जल्दी बनेंगे। सबसे अहम, भारत में चिप का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी।

150 अरब डॉलर की मांग इसलिए जापान अहम

भारत में सेमीकंडक्टर की मांग 2032 तक बढ़कर करीब 150 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में दुनिया के बड़े सेमीकंडक्टर बाजारों में भी शामिल होने जा रहा है। यही वजह है कि सरकार जापान को सिर्फ निवेशक ही नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला के साझेदार के तौर पर देख रही है।

भारत को फायदा

इससे भारत की कारोबारी साख बनेगी। साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रस्तावित छूट केवल तैयार उत्पादों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारत में सेमीकंडक्टर मशीनरी, उपकरण, सामग्री और दूसरे जरूरी कलपुर्जों को विकसित करने की संभावना बढ़ेगी। सरकार सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े निवेश के लिए सेमीकॉन 1.0 और सेमीकॉन 2.0 के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। सेमीकॉन 1.0 के तहत अब तक 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली है और इनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है।

चांदी 2,299 रुपये बढ़कर 2.44 लाख रुपये किलो पर पहुंची

सोना 610 रुपये गिरकर 1.61 लाख रुपये का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में 26 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 610 रुपए घटकर 1.61 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,299 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पहुंच गई। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

वित्त वर्ष में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने दर्ज किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रदर्शन

मुनाफा 10,176 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। देश के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। वित्तीय सेवा विभाग की समीक्षा बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, आरआरबी का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) बढ़कर 10,176 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 6,820 करोड़ रुपए था।

बयान में कहा गया है कि आरआरबी की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 5.3 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात भी घटकर 2.1 प्रतिशत रह गया है। इससे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की वित्तीय स्थिति पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, देश के सभी 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कुल कारोबार 13.5 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण बैंकिंग क्षेत्र में लगातार बढ़ते विश्वास और वित्तीय गतिविधियों को दर्शाती है। आरआरबी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने की।

सेंसेक्स 183 अंक गिरकर 77,473 पर बंद-निफ्टी भी 127 अंक नीचे आया

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 26 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 183 अंक गिरकर 77,473 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 127 अंक की गिरावट रही, ये 24,208 पर बंद हुआ। आईटी, रियल्टी और एफएमसीजी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन लिमिटेड का आईपीओ 28 अगस्त को ओपन होगा। कंपनी इसके जरिए 720 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी ने आईपीओ के लिए शेयर का प्राइस बैंड 408 रुपए से 429 रुपए तय किया है। निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 34 शेयर्स के लिए 14,586 रुपए से बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ 1 सितंबर को बंद होगा।

चीनी की नई दरें क्या? : 55 रुपये प्रति किलो हुई चीनी की थोक कीमत

सरकार का दावा-एक्स-मिल भाव में 18% की गिरावट

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। चीनी के आयात की अनुमति और सट्टेबाजी व जमाखोरी पर सरकार के अंकुश का असर अब दिखने लगा है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि चीनी की एक्स-मिल कीमत (थोक भाव) 18 फीसदी घटकर 55 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है और आने वाले दिनों में इनमें और गिरावट आएगी।

हालांकि, मिल भाव में आई गिरावट का असर खुदरा बाजारों में दिखना अभी बाकी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 24 अगस्त को देश में चीनी का औसत थोक भाव 58.29 रुपये और खुदरा भाव 63.05 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। विशेषज्ञों के मुताबिक, आमतौर पर मिल और खुदरा भाव में सात-आठ रुपये प्रति किलो का अंतर होता है। पिछले हफ्ते चीनी की एक्स-मिल कीमतें बढ़कर रिकॉर्ड 67 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थीं। चोपड़ा ने इसके लिए मिलों की ओर से भाव बढ़ाने को जिम्मेदार ठहराया था। कहा, कीमतों में उछाल बुनियादी वजहों से नहीं आया है। देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। खाद्य सचिव ने कहा, भले ही विपणन वर्ष 2025-26 अक्तूबर-सितंबर) के लिए चीनी का उत्पादन पहले के 343 लाख टन के अनुमान से घटकर 306 लाख टन रह गया है, फिर भी देश में स्टॉक काफी है। घरेलू मांग 285 लाख टन है।

10 लाख टन आयात को मिली मंजूरी

चीनी के दाम बढ़ने के बाद सरकार ने पिछले सप्ताह 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी थी। इसके साथ ही थोक खरीदारों के लिए भंडार सीमा भी लागू की थी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं, बस अपनी विशेषज्ञ कौशल से लाभ प्राप्त करने की इच्छा रखने वालो के महत्व को आप स्वीकार करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे । आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है । आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है । आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सावन में महंगे हो रहे अंडे? आगे और बढ़ सकती है कीमत, इथेनॉल से है सीधा कनेक्शन

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। चीनी की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इसके लिए इथेनॉल को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। इथेनॉल से चीनी ही महंगी नहीं हुई है बल्कि इसका असर अंडों की कीमत पर भी पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि पोल्ट्री फीड में इस्तेमाल होने वाले मक्के का एक बड़ा हिस्सा अब इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल हो रहा है।

इससे चारे की लागत और अंडों की कीमतें बढ़ गई हैं। नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी (एनईसीसी) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में अंडों की कीमतें करीब 35-40% बढ़ी हैं। अब फार्म पर एक अंडे की कीमत लगभग 7 रुपये है। रिटेल में इनकी कीमत 8.50 से 9.00 रुपये के बीच है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पोल्ट्री इंडस्ट्री के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि सर्दियों में अंडे की कीमत बढ़ सकती हैं, क्योंकि तब डिमांड बढ़ बढ़ जाती है। एनईसीसी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कुल मक्का उत्पादन का लगभग 37% हिस्सा अब इथेनॉल डिस्टिलरी में जा रहा है। पिछले एक साल में अंडों की कीमतें लगभग 40% बढ़ी हैं और इनके और बढ़ने की संभावना है। सरकार के इथेनॉल ब्लेंडिंग नियम के तहत तेल कंपनियों को पेट्रोल पंपों पर बेचने के लिए पेट्रोल में बायोफ्यूल मिलाना जरूरी है। इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने और मक्के का इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे चीनी बनाने और फीडस्टॉक के लिए सप्लाई प्रभावित हुई है। इस कमी के बीच मक्के की कीमत तीन साल पहले के लगभग 14,000 रुपये प्रति टन से बढ़कर लगभग 26,500 रुपये प्रति टन पहुंच गई है। इससे पोल्ट्री किसानों के लिए उत्पादन लागत बढ़ गई है। पिछले पांच महीनों में ही कीमतें लगभग 20% बढ़ी हैं।

एनईसीसी अधिकारी ने कहा, पोल्ट्री किसानों के लिए मक्का सबसे बड़ा खर्च है, जो कुल पोल्ट्री उत्पादन लागत का 65-70% हिस्सा है। मक्के की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी इंडस्ट्री के लिए बहुत मुश्किल भरी है। संसद के आंकड़ों के मुताबिक भारत का कुल मक्का उत्पादन लगभग 43.4 मिलियन टन है, जिसमें से लगभग 17 मिलियन टन का इस्तेमाल अब इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जा रहा है। इससे पोल्ट्री फीड और अन्य इस्तेमाल के लिए सप्लाई कम हो गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता आरसी चौधरी का बेटा 'नकली नोट' गैंग में गिरफ्तार

निकाय चुनाव में लाखों के जाली नोट खपाने का था मकसद

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम और बजाज नगर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय जाली नोट तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस सनसनीखेज मामले में जयपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता आरसी चौधरी के बेटे साहिल चौधरी को तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। नाकाबंदी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 500-500 रुपये के कुल 861 जाली नोट बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 4 लाख 30 हजार 500 रुपये है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस नकली नोटों की खेप के तार बांग्लादेश की राजधानी ढाका से जुड़े हुए हैं। पुलिस की शुरुआती तफ्तीश में सामने आया है कि जाली नोटों की इस बड़ी सप्लाई को राजस्थान में आगामी नगर निकाय चुनाव 2026 के दौरान बाजार और चुनावी गतिविधियों में खपाने की तैयारी थी।

जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम और बजाज नगर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहर में लग्जरी गाड़ियों के जरिए नकली नोटों की बड़ी खेप लाई जा रही है। शुक्रवार देर रात पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग शुरू की। इस दौरान पुलिस ने एक फॉर्च्यूनर और एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रोककर तलाशी ली, जिसमें से 4.30

लाख रुपये के 500 रुपये वाले नकली नोट बरामद हुए। पुलिस ने मौके से साहिल चौधरी (निवासी सीकर/फतेहपुर, हाल जयपुर) के साथ हरियाणा के रोहतक निवासी तीन अन्य आरोपियों अंशुल, प्रियांशु और आकाश को तुरंत हिरासत में ले लिया।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने प्रेसवार्ता कर इस पूरे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस जांच के अनुसार, इन जाली नोटों की प्रिंटिंग बांग्लादेश की राजधानी ढाका में की गई थी। वहां से अवैध रास्तों के जरिए नोटों की खेप को पहले पश्चिम बंगाल लाया गया। कोलकाता से हरियाणा के रोहतक होते हुए इस खेप को राजस्थान के जयपुर तक पहुंचाया गया। इस गिरोह का मुख्य सरगना रोहतक निवासी अमन राणा बताया जा रहा है, जो फिलहाल कोलकाता और बांग्लादेश के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा है।

पुलिस पूछताछ के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि यह गिरोह '1 लाख रुपये के असली नोट के बदले 5 लाख रुपये के नकली नोट' देने की डील पर काम कर रहा था।

आगामी राजस्थान नगर निकाय चुनाव 2026 को ध्यान में रखते हुए इस जाली मुद्रा का इस्तेमाल स्थानीय स्तर पर किया जाना था। पुलिस अब इस बात की गहनता से तफ्तीश कर रही है कि चुनाव के दौरान ये नोट किन-किन नेताओं, स्थानीय एजेंटों या व्यवसायियों तक पहुंचाए जाने थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता के बेटे का नाम इस तरह के जाली नोटों के रैकेट में आने के बाद प्रदेश का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भाजपा का रुखः भाजपा नेताओं ने इस मामले को देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि पुलिस अपनी निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है, लेकिन राजनीतिक दलों को अपने नेताओं के पारिवारिक आचरण पर भी विचार करना चाहिए।

स्वाइन फ्लू की दस्तक, मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की रिपोर्ट पॉजिटिव; एसएमएस अस्पताल में भर्ती

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसमी बीमारियों के बीच स्वाइन फ्लू ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के स्वाइन फ्लू पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें जयपुर के एसएमएस अस्पताल के मेडिकल आइसीयू के बेड नंबर-2 पर रखा गया है। संक्रमण नियंत्रण को देखते हुए इस बेड को सील कर दिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने मरीज और चिकित्सा स्टाफ की सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरती है।

उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 के पहले पखवाड़े तक राजस्थान में स्वाइन फ्लू के 129 मामले सामने आ चुके हैं। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या केवल 16 थी। यानी एक साल में मामलों में करीब आठ गुना उछाल आया है। राहत की बात यह है कि अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू से किसी मौत की सूचना नहीं है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देर शाम तबीयत नासाज होने पर उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में भर्ती किया।

डॉ. मीणा के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से विशेष चिकित्सकीय टीम का गठन किया गया है। यह टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखेगी

और आवश्यकतानुसार उपचार उपलब्ध कराएगी। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के स्वाइन फ्लू पॉजिटिव पाए जाने की खबर सामने आने के बाद उनके समर्थकों में चिंता का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने विभाग के अधिकारियों की बैठक ली थी। बैठक में स्वाइन फ्लू सहित अन्य बीमारियों को लेकर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए थे। शाम होते होते डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के बीमार होने का समाचार मिला। इसके बाद चिकित्सा मंत्री ने कॉल कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और डॉक्टरों को त्वरित इलाज के निर्देश दिए। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने एक्स पर लिखा कि कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के अस्वस्थ होने का समाचार मिला है। ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत पड़ोसी राज्यों में फ्लू के मामले बढ़ने के बाद राजस्थान में भी सर्विलांस बढ़ाया गया है। अस्पतालों को आइसोलेशन बेड और जरूरी व्यवस्थाएं तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा संक्रमण किसी नए वायरस या नए स्ट्रेन के कारण नहीं, बल्कि एच1एन1 के मौसमी पैटर्न का हिस्सा है। हालांकि, केस बढ़ने के कारण सतर्कता जरूरी है।

गोल्ड ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12 करोड़ 9 लाख 65 हजार 512 रुपये की साइबर ठगी के मामले में राजस्थान स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस ने भोपाल निवासी विशाल शर्मा को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने कमीशन के लालच में साइबर ठगों को अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया था। स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस ने फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में एक और आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोपाल निवासी विशाल शर्मा के रूप में हुई है।

85 हजार स्कूल कमरे जर्जर

20 हजार करोड़ की जरूरत, हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी हालात चिंताजनक

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जर्जर स्कूल भवनों को लेकर हाईकोर्ट में चल रहे मामले में राष्ट्रीय बाल आयोग की ओर से पक्षधर एडवोकेट वागेश कुमार सिंह ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था और स्कूलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। मामले को लेकर एडवोकेट सिंह ने कहा कि अगस्त 2025 में हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा है।

एडवोकेट वागेश कुमार सिंह के मुताबिक, पिपलौदी में सात बच्चों की मौत की घटना के बाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब मांगा था। सुनवाई के दौरान सरकार ने कोर्ट के सामने स्वीकार किया था कि राजस्थान में करीब 85 हजार कमरे जर्जर अवस्था में हैं और किसी भी सूरत में उनका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सरकार ने यह भी माना था कि प्रदेश में करीब 5 से 6 हजार स्कूल भवन ऐसे हैं, जिन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर नए भवन बनाना ही एकमात्र विकल्प है।

सिंह ने बताया कि इन आंकड़ों के सामने आने के बाद हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए थे कि जर्जर भवनों में बच्चों को नहीं बैठाया जाए और उनके लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। इसके बावजूद आज भी कई जगह स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार से स्कूल भवनों की मरम्मत और नियमित रखरखाव के लिए विभाग की योजना के बारे में भी पूछा था। उनके अनुसार, यह गंभीर बात है कि सरकार की ओर से स्कूल भवनों की देखरेख और रखरखाव के लिए कोई स्पष्ट और प्रभावी योजना कोर्ट के सामने नहीं रखी गई। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने इस स्थिति को प्रशासनिक विफलता माना है।

वागेश कुमार सिंह के अनुसार, सरकार ने कोर्ट में बताया था कि जर्जर स्कूलों की समस्या से निपटने के लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। इसके बावजूद राज्य के बजट में केवल 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग के सचिव से कोर्ट ने पूछा था कि 20 हजार करोड़ रुपये की जरूरत को कैसे पूरा किया जाएगा। इस पर केंद्र सरकार और भामाशाह कोष से राशि जुटाने की कोशिश की बात कही गई।

सिंह ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया था कि केवल बजट आवंटित कर देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को निविदा प्रक्रिया, निगरानी और कार्यान्वयन की पूरी योजना भी बतानी होगी। इसमें यह स्पष्ट होना चाहिए कि किन स्कूलों में काम किया जाएगा और निर्माण या मरम्मत का काम किस तरह पूरा होगा। उनके मुताबिक, अब तक शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में स्पष्ट जानकारी कोर्ट के सामने नहीं रखी गई है।

डिजिटल गिरदावरी पर सरकार का यू-टर्न

नई एसओपी जारी; पटवारी करेंगे सर्वे

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पटवारियों के 23 दिन के गिरदावरी कार्य बहिष्कार के बाद सरकार बैकफुट पर आ गई है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत ऑनलाइन गिरदावरी को लेकर जारी पुराने आदेश को राजस्व विभाग ने वापस ले लिया है। अब नई एसओपी के साथ गिरदावरी की व्यवस्था बदलेगी और बुधवार से पटवारी फिर खेतों में फसल का हिसाब दर्ज करने उतरेंगे। राजस्थान में डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) के तहत मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन गिरदावरी कार्य को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य सरकार जल्द ही नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी करने जा रही है।

राजस्व विभाग ने आदेश में स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन गिरदावरी के लिए नई एसओपी जारी की जानी है, जिसके चलते विभाग की ओर से गत 5 फरवरी को जारी आदेश को वापस ले लिया है। विभाग ने इस आदेश को राजस्थान के सभी संभागीय आयुक्तों, जिला कलक्टर, राजस्व मंडल, अजमेर के निबंधक, राज्य नोडल अधिकारी और डीओआइटी के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भिजवा दिया है।

नई एसओपी जारी होने के बाद प्रदेश भर में पटवारियों की ओर से ऑनलाइन गिरदावरी का काम नई गाइडलाइंस के आधार पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के पटवारी डिजिटल क्रॉप सर्वे गिरदावरी ऐप में संशोधन की मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि ऐप से गिरदावरी करने में तकनीकी और व्यवहारिक समस्याएं आ रही थीं। डिजिटल क्रॉप सर्वे से प्राप्त आंकड़ों को फसल उत्पादन आकलन, कृषि सांख्यिकी, कृषि नीति निर्माण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्राकृतिक आपदा राहत और विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण आधार बनाया गया था।

राज्य सरकार के राजस्व विभाग ने प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन गिरदावरी कार्य को लेकर पूर्व में जारी आदेश को वापस ले लिया। इसके विरोध में 23 दिन से पटवारी हड़ताल पर थे। सरकार के आदेश वापस लेने के साथ ही पटवारियों ने बुधवार से खरीफ की फसल की गिरदावरी का कार्य करने की घोषणा कर दी है।

राजस्व विभाग के शासन उप सचिव हरिसिंह मीना ने आदेश में कहा कि प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) के अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन गिरदावरी कार्य के लिए एसओपी जारी की जानी है। अतः पूर्व में 5 फरवरी को जारी परिपत्र को प्रत्याहरित किया गया है। नागौर जिला पटवार संघ के महामंत्री प्रदीप काला ने बताया कि सरकार के इसी आदेश की परेशानियों के समाधान के लिए पटवारी आंदोलन कर रहे थे। यह आदेश सरकार ने प्रत्याहरित कर लिया है। ऐसे में पटवारी अब बुधवार से अपना पूरा काम काज करेंगे। खरीफ की गिरवारी का कार्य भी शुरू कर देंगे। साथ ही हड़ताल समाप्त कर दी गई है।

कूनो के 2 चीतों की एंट्री, घुसते ही 2 बकरियों का शिकार

बारां, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मुंडियर (बारां): मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से राजस्थान की सीमा में दाखिल हुए चीतों की हलचल ने एक बार फिर वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग को अलर्ट मोड पर ला दिया है। कूनो से निकले दो चीते 'ओकाड 1' और 'ओकाड 2' इन दिनों राजस्थान के बारां जिले के शाहबाद वन क्षेत्र में मौजूद हैं।

सीमा में प्रवेश करते ही इन दोनों चीतों ने तेलनी वनखंड 'डी' में दो बकरियों का शिकार किया। शिकार की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। वहीं, वन विभाग का महकमा तुरंत हरकत में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही डीएफओ विवेकानंद बड़े के निर्देशन में शाहबाद क्षेत्र के रेंजर मुकेश सुमन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। कूनो नेशनल पार्क से आई विशेषज्ञों की विशेष टीम भी इन दोनों चीतों की हर गतिविधि पर 24 घंटे नजर रख रही है।

नीट छात्रा की मौत, तैयारी करने के लिए 2023 में छोटी बहन के साथ मध्य प्रदेश से आई थी कोटा

कोटा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में नीट की तैयारी कर रही 20 साल की छात्रा की मौत का मामला सामने आया है। छात्रा का शव कुन्हाड़ी क्षेत्र में स्थित एक फ्लैट में मिला है। वह अपनी छोटी बहन के साथ किराए के फ्लैट में रहकर पढ़ाई कर रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान मध्य प्रदेश निवासी खुशबू पटेल के रूप में हुई है। वह मध्यप्रदेश के छतरपुर की रहने वाली थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि खुशबू साल 2023 में अपनी छोटी बहन खुशी के साथ पढ़ाई करने के लिए कोटा आई थी। दोनों बहनें यहां रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं।

जिसमें खुशबू नीट की तैयारी कर रही थी और उसकी छोटी बहन जेईई की तैयारी कर रही है। दोनों बहनों ने जुलाई महीने में ही कोटा के लैंडमार्क सिटी क्षेत्र में किराए पर फ्लैट लिया था। दोनों यहां साथ रह रही थीं और नियमित रूप से कोचिंग जा रही थीं। जब खुशबू की छोटी बहन कोचिंग से वापस फ्लैट पर पहुंची तो उसको घटना का पता चला। वह फ्लैट पर पहुंची तो बहन ने गेट नहीं खोला जिसके बाद उसने अपनी बहन को संदिग्ध स्थिति में कमरे में देखा तो चौंक गई। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कुन्हाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने छात्रा को तुरंत एमबीएस अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत 3,000 नशीली गोलियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

हनुमानगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध तस्कर पहचान भीमसेन उर्फ कान्हा को दबोचकर उसके पास से 3,000 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन टैबलेट जब्त की हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, ताकि नशीली दवाओं के इस अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

गश्त के दौरान एएसआई कैलाशचंद्र और उनकी टीम हनुमानगढ़ के एचएमएच नहर पटड़ा क्षेत्र के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को वहां एक व्यक्ति की गतिविधियां अत्यधिक संदिग्ध दिखाई दीं। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति को घेराबंदी कर रोक लिया। पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर उसकी गहन तलाशी ली।

तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से 3,000 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन टैबलेट की खेप बरामद की गई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी की पहचान भीमसेन उर्फ कान्हा पुत्र नेमीचंद के रूप में हुई है। आरोपी हनुमानगढ़ टाउन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 4, कोहला का निवासी है।

जिले में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत यह बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा अवैध नशीली दवाओं की बिक्री और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आरोपी भीमसेन उर्फ कान्हा को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पूरे मामले की गहन जांच एएसआई कर्मजीत सिंह कर रहे हैं।

पीटीआई भर्ती में फर्जी डिग्री का पर्दाफाश

सीहोर के निजी विश्वविद्यालय के कुलपति समेत तीन गिरफ्तार

जयपुर/सीहोर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी और कथित बैकडेटेड डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने मध्यप्रदेश के सीहोर स्थित श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के कुलपति मुकेश तिवाड़ी, परीक्षा नियंत्रक संजय राठौड़ और कंप्यूटर ऑपरेटर आनंद शर्मा को गिरफ्तार किया है। जांच में विश्वविद्यालय प्रबंधन की कथित भूमिका सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल के अनुसार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 25 दिसंबर 2022 को शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में सांचौर जिले के धानता गांव निवासी भारमल राम ने आवेदन किया था। जांच के दौरान सामने आया कि भारमल राम ने कथित तौर पर अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाया था। परीक्षा पास करने के बाद उसका चयन शारीरिक शिक्षक के पद पर हो गया। मामला सामने आने के बाद एसओजी ने जांच शुरू की। भारमल राम को पहले ही गिरफ्तार कर उसके खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है।

दस्तावेज सत्यापन के समय भारमल राम ने सीहोर स्थित श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय की बी.पी.ईडी. डिग्री प्रस्तुत की थी। एसओजी की जांच में यह डिग्री प्रथम दृष्टया बैकडेट में जारी की गई प्रतीत हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा की गहन जांच शुरू की गई। एसओजी टीम ने न्यायालय से सर्च वारंट लेकर विश्वविद्यालय परिसर में तलाशी ली। इस दौरान विभिन्न रिकॉर्ड और कंप्यूटर डेटा जब्त किए गए। बाद में जब्त डिजिटल सामग्री और दस्तावेजों का फॉरेंसिक ऑडिट कराया गया।

राजीनामे के बहाने बुलाकर की हत्या, हिस्ट्रीशीटर समेत 3 गिरफ्तार

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के विद्याधर नगर में आपसी लेन-देन के विवाद को लेकर हुई कहासुनी के बाद एक जने की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने राजीनामे का झांसा देकर पीड़ित पक्ष को रविवार देर रात मंदिर मोड़ के पास बुलाया था। पुलिस ने वारदात की सूचना मिलने के बाद 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी नॉर्थ हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

उन्होंने बताया कि 24 अगस्त को शास्त्री नगर पानी की टंकी के पास तीन-चार दिन पहले हुए लेन-देन के विवाद को लेकर रफीक उर्फ बकरी चोर और शाकिर के भाई कय्यूम के बीच राजीनामे की बात चल रही थी। इसी दौरान रफीक के साले ने गाली-गलौच करते हुए विवाद शुरू कर दिया। कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को मौके पर बुला लिया। शाकिर के पहुंचते ही रफीक ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल शाकिर को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर देर रात उसकी मौत हो गई। हमले में कय्यूम के भी चोट लगी।

एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह ने बताया कि जयपुर के विद्याधर नगर स्थित सुंदर नगर निवासी शाकिर हत्या के एक मामले में करीब 11 साल जेल में रहने के बाद पिछले साल ही बाहर आया था। परिवार में कुछ समय पहले ही खुशियां आई थीं और करीब 10 दिन पहले वह पिता बना था। नवजात बच्चे के जन्म के कुछ ही दिन बाद उसकी हत्या ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

निम्स हॉस्टल की 15वीं मंजिल से गिरे बीटेक छात्र की मौत

यूपी का रहने वाला था; 2 दिन से नहीं गया था कॉलेज

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर-दिल्ली हाईवे स्थित निम्स यूनिवर्सिटी के गार्नेट हॉस्टल में दर्दनाक हादसा हो गया। बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य तिवारी (18) की रात करीब 9 बजे गार्नेट हॉस्टल की 15वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर चंदवाजी थाना प्रभारी राजवीर सिंह जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को निम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना भिजवा दी है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। इसके बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार घटना के समय आदित्य के रूम पार्टनर मयंक यादव और अंकित सिंह कैंपस में बाहर गए हुए थे। ऐसे में घटना के दौरान कमरे में आदित्य अकेला था। पुलिस दोनों रूम पार्टनर के अलावा हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों से भी पूछताछ कर रही है। आदित्य 2 दिन से कॉलेज भी नहीं जा रहा था।

एटीएम को काटकर लूटने की कोशिश कर रही गैंग के दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भरतपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर शहर में एटीएम लूट की कोशिश से पहले पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने एटीएम काटकर लूटने की कोशिश कर रही गैंग के दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। हालांकि, गैंग के अन्य सदस्य भागने में कामयाब हो गए। अच्छी बात ये रही कि भरतपुर पुलिस की सजगता से एटीएम लूट की बड़ी वारदात टल गई। एटीएम लूट की कोशिश का यह मामला भरतपुर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र का है। जहां देर रात बदमाशों ने एमएसजे कॉलेज के सामने बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम को लूटने की कोशिश की। जब दो बदमाश गैस कटर से एटीएम को काट रहे थे, तभी गश्त कर रहे एक कांस्टेबल की नजर बदमाशों पर पड़ गई। कांस्टेबल ने बिना वक्त गंवाए एटीएम वाली दुकान का शटर बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की। एसपी राजेश मीणा के निर्देशन मथुरा गेट थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय चौधरी निवासी अभोर्रा कुम्हेर और कुलदीप निवासी गढ़ऊआ इगलास अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक बुलेट बाइक, एटीएम काटने की मशीन, कटर, हथौड़े समेत अन्य सामान बरामद किया है।

भट्टी ने सिंगरेणी को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में विस्तार का निर्देश दिया

सिंगरेणी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्ल भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना की सार्वजनिक क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड को लाभदायक और मजबूत संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया है, ताकि इसे आने वाली पीढ़ियों को एक सशक्त संस्था के रूप में सौंपा जा सके। बुधवार को हैदराबाद के महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में सिंगरेणी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक में भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को कोयला खनन से आगे बढ़कर विशेष रूप से महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में खनन के अवसर तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों और कोयला खनन के सभी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय नीलामी कार्यक्रमों में सिंगरेनी को सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। बैठक में सिंगरेणी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति, निदेशक सूर्यनारायण, वेंकटेश्वरलु और तिरुमला राव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। एल नीनो के प्रभाव के कारण बिजली की मांग बढ़ने की पृष्ठभूमि में उपमुख्यमंत्री ने सिंगरेनी के कोयले की बढ़ती मांग के अनुरूप कोयला उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी को केवल कोयला खनन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे खनन क्षेत्र में अपने संचालन का विस्तार करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य की जनता की सरकार इसके लिए आवश्यक हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि आने वाले समय में वैनेडियम और टाइटेनियम वाले खनिज ब्लॉकों की नीलामी होने की संभावना है। उन्होंने अधिकारियों को इन खनिज ब्लॉकों को हासिल करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

राज्य में गंभीर सूखे की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा कि सिंगरेनी को तेलंगाना की ऊर्जा सुरक्षा में अपने योगदान को और मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक घटनाक्रमों के अनुरूप सरकार सिंगरेनी को तांबा, ग्रेफाइट, लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े खनन अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और चिली समेत विभिन्न देशों में खनन एवं निवेश के अवसरों का अध्ययन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों की सेवाएं ली गई हैं। इसका उद्देश्य सिंगरेनी के विकास और विविधीकरण के लिए नए अवसर तलाशना है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल तैयार करने उद्योग जगत के साथ साझेदारी जरूरी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने राज्य में कौशल विकास की व्यवस्था को मजबूत करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल तैयार करने के लिए उद्योगों तथा उद्यमियों से राज्य सरकार के साथ साझेदारी करने का आह्वान किया है। बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित एक होटल में बोइंग, लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन और केंद्रीय औजार डिजाइन संस्थान की ओर से आयोजित प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार तेलंगाना के युवाओं को उद्योग की बदलती जरूरतों और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप कौशल प्रदान करने के लिए काम कर रही है। मंत्री ने बोइंग कौशल विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले युवाओं, दिव्यांगजनों और पूर्व सैनिकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के कारण उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल भी लगातार बदल रहे हैं। युवाओं को इन बदलावों के लिए तैयार करने के लिए सरकार, उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच कौशल संबंधी अंतर को दूर करने पर विशेष ध्यान दे रही है। यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। वहीं, सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में परिवर्तित किया जा रहा है, ताकि आधुनिक और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों और उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप शिक्षा एवं प्रशिक्षण को तैयार करने के लिए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किए जा रहे हैं तथा नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि सरकार उद्योगों और उद्यमियों की साझेदारी से राज्यभर में कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार करने की योजना तैयार कर रही है।

उन्होंने उद्योग जगत से सरकार की कौशल विकास, कौशल उन्नयन और पुनःकौशल प्रशिक्षण पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा कार्यबल तैयार करना है, जो उद्योगों की बदलती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो और युवाओं को उभरते अवसरों का लाभ उठाने में मदद करे।

मिलाद-उन-नबी कार्यक्रम में शामिल हुए महेश कुमार गौड़

पैगंबर मोहम्मद के शांति, भाईचारे के संदेश को बताया समाज के लिए आदर्श

निज़ामाबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद शहर के किला रोड के पास आयोजित मिलाद-उन-नबी कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने भाग लिया।

इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद द्वारा दिया गया शांति, भाईचारे और मानवता का संदेश पूरे समाज के लिए आदर्श है। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने तेलंगाना में सभी वर्गों के लोगों के सुख-शांति और भाईचारे के साथ रहने की कामना की।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि धार्मिक सद्भाव, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता को मजबूत करने से ही समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने कहा कि मिलाद-उन-नबी जैसे अवसर लोगों को शांति, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हैं तथा समाज में आपसी विश्वास को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में स्थानीय कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, मुस्लिम धर्मगुरुओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

एक्साइज सीआई और कॉन्स्टेबल पर विभागीय कार्रवाई

कोत्तागुडेम, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम एक्साइज पुलिस स्टेशन में गांजा केस में गिरफ्तार दो लोगों से जुड़े पंचनामा और केस के अन्य रिकॉर्ड्स में कथित तौर पर बदलाव और जालसाजी करने के लिए एक प्रोहिबिशन और एक्साइज इंस्पेक्टर और एक कॉन्स्टेबल पर कार्रवाई की गई।

बताया गया कि एक्साइज एनफोर्समेंट टीम ने 4 अगस्त को ओडिशा से दो गांजा तस्करों को पकड़ा और उन्हें भद्राचलम एक्साइज पुलिस स्टेशन को सौंप दिया।

आरोपियों को उसी दिन कोर्ट में पेश किया जाना था और न्यायिक हिरासत में भेजा जाना था। लेकिन, लापरवाही बरतते हुए, एक्साइज इंस्पेक्टर ने दोनों आरोपियों की निगरानी के लिए एक कॉन्स्टेबल को तैनात किया और उन्हें रात भर स्टेशन पर ही रखा। मौका पाकर, आरोपियों में से एक, माधबा हंतल, 5 अगस्त की सुबह स्टेशन से भाग गया।

इस घटना से घबराकर, एक्साइज सीआई ने मामले की जानकारी एक्साइज सुपरिटेंडेंट को दी। इसके बाद, सीआई ने एनफोर्समेंट अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर करके पंचनामा रिपोर्ट में बदलाव किया ताकि यह गलत तरीके से दिखाया जा सके कि दो लोगों के बजाय केवल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, और अकेले उस व्यक्ति को कोर्ट में पेश करके कोर्ट को गुमराह किया।

जब एनफोर्समेंट अधिकारियों को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने उच्च अधिकारियों से शिकायत की। प्रोहिबिशन और एक्साइज कमिश्नर, सी हरि किरण ने 24 अगस्त के एक मेमो में एक्साइज सीआई, शेख रहीमूनिसा बेगम और कॉन्स्टेबल सीएच रवि कुमार को सस्पेंड करने और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया।

इसके अलावा, एक्साइज सुपरिटेंडेंट ए श्रीनिवास रेड्डी, जिन्होंने कथित तौर पर सीआई रहीमूनिसा बेगम की मदद की थी, उन्हें अटैचमेंट (पद से हटाकर दूसरी जगह संबद्ध) में डाल दिया गया और इन-चार्ज एक्साइज सुपरिटेंडेंट की जिम्मेदारी एस जनैया को सौंप दी गई, जो पहले कोत्तागुडेम में काम करते थे। दूसरी ओर, ज़िले के आबकारी विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। रिहायशी इलाकों में अवैध शराब की दुकानों (बेल्ट शॉप्स) से होने वाली समस्याओं के बारे में कई शिकायतें मिलने के बावजूद, कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी।

तेल पाम की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार पानी की अधिक खपत वाली धान की खेती पर राज्य की अत्यधिक निर्भरता कम करने के उद्देश्य से तेल पाम की खेती का बड़े पैमाने पर विस्तार करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही तेल पाम के प्रसंस्करण और इससे जुड़े अन्य उद्योगों में निवेश को भी बढ़ावा दिया जाएगा। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक खेतेन मोदी के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव तथा कोडाड विधायक एन. पद्मावती रेड्डी से मुलाकात कर तेलंगाना में एकीकृत तेल पाम व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा की। सरकार ने रिलायंस को प्रारंभिक स्तर पर सूर्यापेट जिले के कोडाड-हुजूरनगर क्षेत्र का अध्ययन करने का सुझाव दिया है। यहां तेल पाम बागान और प्रसंस्करण केंद्र विकसित करने की संभावना तलाशी जा रही है।

कांग्रेस में तेलंगाना नेतृत्व को दबाने का प्रयास : राजगोपाल रेड्डी

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडे के विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस में तेलंगाना नेतृत्व को दबाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के साथ हाल में हुई अपनी मुलाकात को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि बैठक में केवल मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए धनराशि से संबंधित विषय पर चर्चा हुई थी। इसका मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुस्मिता पटेल की टिप्पणियों से कोई संबंध नहीं था। पत्रकारों से बातचीत में राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना नहीं की और न ही कांग्रेस के खिलाफ कोई काम किया है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में अपनी भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के गठन के लिए संघर्ष करने वाले वास्तविक आंदोलनकारियों को पार्टी में उचित पहचान और संरक्षण मिलना चाहिए। कांग्रेस विधायक ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी में शामिल होने वाले नए लोगों को निष्ठावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कीमत पर चुनाव टिकट देने का विरोध दोहराया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत करना और राहुल गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनते देखना है। राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि कुछ ऐसे लोग, जिन्होंने तेलंगाना आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया था, आज महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोंडा सुस्मिता पटेल से संबंधित मामले पर कांग्रेस की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति फैसला करेगी।

पश्चिम बंगाल में सुरक्षित मिले सात लापता मछुआरे

अमरावती, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडु ने बुधवार को कहा कि कोनासीमा ज़िले से समुद्र में जाने के बाद लापता हुए सात मछुआरे पश्चिम बंगाल में सुरक्षित मिल गए हैं।

अल्लावरम मंडल के ओडलारेवु, डुम्मलापेटा और वसालाथिप्पा गांवों के ये सात मछुआरे 3 अगस्त को सुबह करीब 10 बजे मछली पकड़ने के लिए ओडलारेवु फिश लैंडिंग सेंटर से निकले थे।

वे उस दिन सुबह करीब 11 बजे तक अपने परिवारों के संपर्क में थे, जिसके बाद संपर्क टूट गया। नाव के 12 अगस्त तक लौटने की उम्मीद थी, लेकिन वह नहीं लौटी, जिसके बाद अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू किया।] कृषि और मत्स्य पालन मंत्री ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, कोनासीमा ज़िले के ओडलारेवु से समुद्र में जाने के बाद लापता हुए सात मछुआरे पश्चिम बंगाल में सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि नाव शंकरपुर फिशिंग हार्बर के पास मिली और उस पर सवार सभी सात मछुआरे सुरक्षित पाए गए।

अच्चन्नायडु ने कहा कि मछुआरे स्वस्थ हैं और उन्हें अपने परिवारों से बात करने की अनुमति दी गई है।

कार चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 8.90 लाख की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अट्टापुर पुलिस ने चार पहिया वाहन और अन्य सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की हुंडई आई-20 कार और लैपटॉप समेत 8.90 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान सैयद मजहर उर्फ शूटर उर्फ टकला उर्फ मजहर खान, उम्र 30 वर्ष, निवासी उप्परपल्ली, राजेंद्रनगर, रंगारेड्डी जिला के रूप में हुई है। आरोपी मूल रूप से सुल्तान नगर, रंगारेड्डी जिले का रहने वाला है और फिलहाल बेरोजगार था। यह कार्रवाई अट्टापुर थाने में दर्ज अपराध संख्या 925/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(बी) के मामले में की गई। पुलिस ने आरोपी को 22 अगस्त को हुई वाहन चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक 22 अगस्त की रात करीब 11.30 बजे पिस्ता हाउस, अट्टापुर में पिलर नंबर 169 के पास स्थित वैलेट पार्किंग से हुंडई आई-20 एस्टा कार चोरी हुई थी। शिकायतकर्ता अपने रिश्तेदार के साथ भोजन करने पिस्ता हाउस पहुंचे थे और उन्होंने अपनी कार संख्या टीजी07 एडी2657 वैलेट पार्किंग कर्मचारियों को सौंप दी थी। इसी दौरान आरोपी पिस्ता हाउस पहुंचा और उसने देखा कि वैलेट कर्मचारी ग्राहकों की कारों की चाबियां लेकर वाहनों को पार्क कर रहे थे तथा सभी चाबियां वैलेट काउंटर के पास रखी जा रही थीं। कर्मचारियों की व्यस्तता का फायदा उठाकर आरोपी ने काउंटर से दो कारों की चाबियां चुरा लीं और उन्हें अपनी जेब में रख लिया। इसके बाद उसने एक चाबी दबाकर यह पता लगाया कि कौन-सी कार उससे जुड़ी है। चाबी दबाने पर पिस्ता हाउस के पास बंसाली मार्बल दुकान के निकट खड़ी स्टाररी नाइट रंग की हुंडई आई-20 की लाइटें जल उठीं। आरोपी ने आसपास देखा और किसी को मौजूद नहीं पाकर कार में प्रवेश किया, उसे स्टार्ट किया और वहां से फरार हो गया। दूसरी चुराई गई चाबी उसने बंसाली मार्बल दुकान के पास फेंक दी। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और पहले भी संपत्ति तथा गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। वह कई बार गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है और हाल ही में जमानत पर बाहर आया था। बेरोजगार होने के कारण वह बिना काम के घूम रहा था। मिलाद-उन-नबी त्योहार के मद्देनजर आरोपी अपने पैतृक गांव हिलालपुर, हलिखेड़ तालुक, बीदर जिला, कर्नाटक जाना चाहता था। वहां नासिर शाह दरगाह के निकट कब्रिस्तान में उसके पिता की कब्र है। लंबी यात्रा के लिए उसके पास पर्याप्त पैसे नहीं थे। इसलिए उसने चार पहिया वाहन चोरी कर उससे भागने की योजना बनाई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्टाररी नाइट रंग की हुंडई आई-20 एस्टा कार और एक लैपटॉप बरामद किया। बरामद संपत्ति का कुल मूल्य 8.90 लाख रुपये बताया गया है। चोरी गई संपत्ति में 11 ग्राम वजन की दो सोने की अंगूठियां भी शामिल थीं। कुल चोरी गई संपत्ति का मूल्य करीब 9 लाख रुपये था। आरोपी के पास से एक ओप्पो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। यह कार्रवाई राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त एस. श्रीनिवास, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के. एस. राव, राजेंद्रनगर संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त टी. श्रीनिवास तथा अट्टापुर थाना प्रभारी ए. सीतैया की निगरानी में की गई।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले प्रमोद कुमार, दीपक कुमार सरायवाला अशोक कुमार लाखोटिया अजय अग्रवाल भारत भूषण सेसैया, डॉ गिरजा किशोर गुप्ता, सुभाष अग्रवाल सुरेंद्र मोहन, सुरेश अग्रवाल सीए विजय कुमार अग्रवाल, विनोद टिकमानी श्रीनिवास वेंकटेश्वर राव विजय लक्ष्मी विजय लक्ष्मी रेड्डी एवं अन्य।

ट्रेन की चपेट में आने से चरवाहे की मौत

नलगोंडा, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को मद्गुलापल्ली मंडल के अभंगापुरम में रेलवे ट्रैक पार करते समय एक 60 वर्षीय चरवाहे की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सूर्यपेट के निम्माकल्ल गांव के रहने वाले वेलपुला कोमारैया के रूप में हुई है।

यह घटना तब हुई जब चरवाहा पिलर नंबर 106/14 के पास रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गया और इस घटना में चार भेड़ों की भी मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता संपन्न

'अंतिम पत्र' को प्रथम, 'पितृ स्नेह' को द्वितीय और 'ओटीपी' को तृतीय पुरस्कार

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में 24 और 25 अगस्त को क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बुधवार को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि तथा अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, राजेश पी. खाडे ने की। इस अवसर पर मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्षों के अलावा सिकंदराबाद तथा हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय, सिकंदराबाद मंडल, हैदराबाद मंडल, नांदेड मंडल और लालागुडा कारखाना की टीमों ने अपने-अपने नाटकों का मंचन किया। सिकंदराबाद मंडल द्वारा प्रस्तुत 'अंतिम पत्र' को प्रथम पुरस्कार मिला। प्रधान कार्यालय द्वारा प्रस्तुत 'पितृ स्नेह' ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि लालागुडा कारखाना के 'ओटीपी' को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

हैदराबाद मंडल के 'रील से रियल तक' तथा नांदेड मंडल के 'पटरी की शेरनी' को प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, अभिनेता, संगीत, रूप सज्जा सहित विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ. राममोहन होलागुंडी तथा प्रो. करण सिंह उत्वल को आमंत्रित किया गया था। डॉ. राममोहन होलागुंडी निशुंभिता स्कूल ऑफ ड्रामा, हैदराबाद के संस्थापक-निदेशक हैं। वे रंगकर्मी, निर्देशक, रंगमंच शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और अभिनेता के रूप में भी सक्रिय हैं। प्रो. करण सिंह उत्वल मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, गच्चीबावली, हैदराबाद के हिंदी विभाग में प्रोफेसर हैं। उन्हें हिंदी कथा साहित्य के नाट्य रूपांतरण, नाटक, फिल्म एवं मीडिया, शोध-प्रविधि, लोक साहित्य तथा साहित्य के फिल्मांतरण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन दक्षिण मध्य रेलवे के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों ने हिंदी रंगमंच के प्रति अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और प्रतिबद्धता का प्रभावी प्रदर्शन किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.108 से 113 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, दि.25-08-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.18-09-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः.108 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः आरआरबी/एससी पर क्षमता का विस्तार & इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का उन्नयन। अनुमानित मूल्य रु.3,39,68,484.00, अग्रधन रु.6,79,400.00

निविदा संख्याः.109 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एम&ई स्टोर्स सहित वर्कशाप बाउंडरी वाल का पुनर्निर्माण के साथ एम&ई स्टोर्स के निर्दिष्ट स्थान पर आरएसपी स्टोर्स का निर्माण। अनुमानित मूल्य रु.8,41,32,196.00, अग्रधन रु.16,82,700.00

निविदा संख्याः.110 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः निम्न एमसीआय इनसर्ट्स की रीकंडीशनींग (एल&टी, अडवानी ओर्लीकान, डिफ्फ्युझन, शार्प-650 मेक के टेर्रा, सी-।-194-इलेक्ट्रोड्स का उपयोग करते हुए पाइन्ट्स&क्रासिंग स्लीपर्स की संबंधित रीकंडीशनींग अथवा कास्ट आयरन एल्लाय्ज की रिकंडीशनींग हेतु आरडीएसओ द्वारा तत्समान अनुमोदन) (पाइन्ट्स & क्रासिंग्स कार्यो की पार्ट रिकंडीशनींग)।

अनुमानित मूल्य रु.66,57,250.00, अग्रधन रु.1,33,200.00

निविदा संख्याः.111 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः वर्ष 2026-27 के लिए एचवायबी डिवीजन में पुलों के कार्यों या ब्रिज वर्क्स हेतु वार्षिक क्षेत्रीय ठेका। अनुमानित मूल्य रु.60,00,000.00, अग्रधन रु.1,20,000.00

निविदा संख्याः.112 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः सीडब्ल्यूएस /एलजीडीएस पर नई एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग की तरफ ट्रैवर्सर-। (22X10.5एम) & ट्रैवर्सर-॥ (साइज 22X7एम) का विस्तार। अनुमानित मूल्य रु.71,12,718.00, अग्रधन रु.1,42,300.00

निविदा संख्याः.113 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _26, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः सीडब्ल्यूएस /एलजीडीएस में नीचले क्षेत्र पर बायो-टैंक रखरखाव शेड का विस्तार & स्थानांतरण। अनुमानित मूल्य रु.2,24,36,793.00, अग्रधन रु.4,48,700.00

अधिक जानकारी हेतु **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।
विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), हैदराबाद

निविदा सं. सी_ एसजी_36 _619, दि.24-08-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल& दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे - दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेन्डर्स की ई-प्रोक्योरमेंट माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्या:01, निविदा सं. & दि.- सी_ एसजी_36 _619, दि.24-08-2026, बंद करने की तिथिः16-09-2026, कार्य विवरणः _1. रामगुंडम स्टेशन & बायपास केबिन सहित तत्संबंधित उनके संचालन को एकीकृत करके एंड केबिन्स (ए,बी & गूड्स) को हटाने या एलमिनेट करने के लिए सिग्नल्लिंग व्यवस्थाएं (पीएचः1600, आइआरपीएसएम आयडीः 11.05,16.25.3.17.022)। 2. डिपाजिट टर्म्स पर आरडीएम-जीडीके लाइन के बीच किमी नं.8-9 पर प्रस्तावित नई क्रासिंग स्टेशन के लिए सिग्नल्लिंग & दूरसंचार व्यवस्थाएं (डिपाजिट वर्क)। अनुमानित विज्ञापित मूल्य रु.37,59,65,525.08, बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.75,19,300.00

ज्यादा जानकारी हेतु **वेबसाइट**:www.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

निविदा सं.टीएम-केओइएलएएमसी-26-28

निम्न निविदा सूचना को ई-प्रोक्योरमेंट द्वारा दर्शाया गया है।

निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें & अपने आफर्स या प्रस्तावों को प्रस्तुत करें। ध्यान दें कि, मैन्युएल रुप से या पेपर के माध्यम से प्रस्तुत आफर्स अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

निविदा संख्याः टीएम-केओइएलएएमसी-26-28, कार्य विवरणः दो वर्षो के लिए केओइएल ब्रांड की डिजेल इन्जीनों के ट्रैक मशीनों पर फिट की गई के रखरखाव हेतु वार्षिक रखरखाव ठेका। निर्धारित तिथिः 16-09-2026, निविदा का मूल्य रु.9,38,062.00

विस्तृत विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें।
उप मुख्य अभियंता/टीएम/एचक्यू

निविदा सूचना संख्याः एलजीडी/एल/09/2026-27/ओटी, दि.25-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीईई/एलजीडीएस द्वारा निविदा संख्याः एलजीडी/एल/09/2026-27/ओटी संबध्द-ई-टेंडर-बंद करने की तिथि दि.22-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल /संशोधित बोलियों को केवल तत्संबंधित बंद करने की तिथि&समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार किये जायेंगे तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उस पर नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को अनुमति है कि, इस निविदा से संबंधित अग्रधन (बोली सुरक्षा) को ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रुप में जमा करें अथवा

किसी भी भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारंटी बॉन्ड के रुप में प्रस्तुत करें या इसे निविदा दस्तावेजों में उल्लेखित सूचनानुसार प्रस्तुत करें। यह बैंक गारंटी बॉन्ड अनुलग्नक-VI A -नुसार होना चाहिए तथा बोली वैधता अवधि से परे, 60 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। मूल बैंक गारंटी बॉन्ड को, बोलियों की प्रस्तुति की अंतिम तिथि की 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, निविदा दस्तावेज में सूचित नुसार, व्यक्तिगत रुप में आधिकारिक नामित व्यक्ति (आफिशियल नामिनेटेड) को सौंपा जाना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरपीएस) पर, निर्धारित अवधि में, बिड सहित बी.जी. की स्कैन की गयी कॉपी की अप्रस्तुति तथा /ओरिजिनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर बोली या बिड को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम संख्या:01, निविदा संख्याः एलजीडी/एल/09/2026-27/ओटी, कार्य विवरणः तीन वर्षो की अवधि हेतु सीडब्ल्यूएस/एलजीडी पर ट्रैक्शन मोटर्स & डेमु पावर कारें, एसपीएआरटी, एसपीएमआरवी &टावर कारों से संबंधित साफ सफाई (क्लीनींग) कार्यो की आउटसोर्सिंग करना (बिजली का हिस्सा या इलेक्ट्रिकल पोर्शन)। विज्ञापित मूल्य रु.39,95,658.08(रु.उनचालीस लाख पिचानवे हजार छह सौ अट्ठावन & आठ पैसे मात्र), बोली सुरक्षा रु.79,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 36 महिने, बंद करने की तिथिः 22-09-2026 के 15.00 बजे।

वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in
निविदा शर्ते/ज्यादा जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in/. पर जाएं।
उप मुख्य बिजली अभियंता, सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद
A700

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scर्.indianrailways.gov.in पर जाएं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.सी/सी/565/एम-युटीएस/2026,दि.21-08-2026

अनुलग्नक-1 में विवरित स्थानों पर एम-युटीएस सहायकों(एम-युटीएस) की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रुप में अर्थात् दि.30-06-2027 तक सिकंदराबाद डिवीजन के 12 अनुमोदित स्टेशनों पर एम-युटीएस सहायकों की भर्ती हेतु मुहरबंद आवेदन आमंत्रित हैं। स्थानों सहित एम-युटीएस सहायकों की रिक्त पदों की संख्या को अनुलग्नक-। में उल्लेखितकिया गया है।

एम-युटीएस सहायकों, सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों & सामान्य जन (18 वर्ष की आयु से अधिक) की भर्ती से संबंधित आवेदन क्रमशः अनुलग्नक-॥ & अनुलग्नक-॥। में संलग्न है। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों को प्राधान्यता दी जायेगी। आवेदन प्रपत्र, योग्यता मानदंड &; अन्य विवरण **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in सेडाउनलोड कर सकते हैं। इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारियों/सामान्य जन द्वारा अपने अपने मुहरबंद आवेदनों को निर्धारित प्रपत्र में निम्न अनुसूची श्रेणी नुसार प्रस्तुत करना चाहिएः

श्रेणी	स्थान (21)	प्रस्तुत करने/खोलने की तिथि
एनएसजी-1, 2 & 3	एससी, एचवायबी, एलपीआय, सीएचजेड, केजेडजे, डब्ल्यूएल, केएमटी, बीएमटी, वायजी, आरसी, एमसीआय &; बीआयडीआर (12)	15-09-2026 (मंगलवार)

टिप्पणीः आवेदनों को केवल निर्धारित तिथियों पर नामित स्टेशनों के लिए ही प्रस्तुत करना चाहिए। नामित स्थानों के लिए/नामित तिथियों के पहले या पश्चात् प्रस्तुत किए गये आवेदनों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यदि अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी घोषित होती है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा। ज्यादा जानकारी हेतु आप किसीभी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। निविदा विवरण & निविदा प्रपत्र को **वेबसाइटः**www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदनों को अनुसूचित तिथियों के 15.00 बजे के पहले, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन कंपाउंड, सिकंदराबाद (अनुराग क्रेचे के बाजू), सिकंदराबाद पर स्थित मुहरबंद टेंडर बाक्स में डालना चाहिए।

अनुसूचित तिथियों के अर्थात् बंद तिथि के 15.00 बजे के पश्चात् प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नही किया जायेगा या विचार नही किया जायेगा। आवेदनों को प्रस्तुति तिथि की वही तिथि के 15.30 बजे खोला जायेगा।

A699 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/सिकंदराबाद**

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे

सुथार को दो विकेट, बारिश से चौथे दिन का मैच रुका

कोलंबो, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं।

बुधवार को बारिश की वजह से चौथे दिन का खेल समाप्त करना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 रन ही बना सके। दोनों को मानव सुथार ने आउट किया। निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर पवेलियन लौटे। भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट हुआ था। भारत को 213 रन की बढ़त मिली, जिसके बाद फॉलोऑन दिया गया।

कोलंबो टेस्ट के चौथे दिन बारिश तेज होने के कारण खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। ग्राउंड स्टाफ के लिए मैदान को दोबारा तैयार करना संभव नहीं था, इसलिए अंपायरों ने दिन का खेल समाप्त करने का फैसला किया।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया की क्रिकेट में वापसी

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी; हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है।

सीए के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है।

हालांकि, सीए की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें डब्ल्यूबीबीएल की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है।

अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया।

सीए ने उनके मामले की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है। प्रीमियर क्रिकेट को सीए की नीति में कम्युनिटी क्रिकेट की श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसमें खेलने के लिए एलीट क्रिकेट वाली पात्रता शर्तें लागू नहीं होतीं।

डब्ल्यूबीबीएल जैसी एलीट प्रतियोगिताओं के लिए अनाया को सीए की मेडिकल पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। सीए के पत्र के मुताबिक मार्च 2027 से उनकी एलीट क्रिकेट पात्रता इस बात पर निर्भर होगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके ब्लड टेस्ट में सीरम टेस्टोस्टेरोन 10 से कम हो और वे पॉलिसी की बाकी शर्तों को भी पूरा करती रहें।

अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले को अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें सच में लगने लगा था कि वे शायद दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी।

उन्होंने कहा कि बचपन से क्रिकेट उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके लिए सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था।

अनाया के मुताबिक, यह सिर्फ किसी महिला लीग में शामिल होने का मामला नहीं है, बल्कि उस खेल में वापस लौटने का मौका है, जिससे वे बचपन से प्यार करती हैं।

अनाया इससे पहले मुंबई की एज-ग्रुप क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर-19 स्तर पर क्रिकेट खेला था और उस दौर में सरफराज खान और उनके भाई मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ भी खेल चुकी हैं।

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट में खेलने को लेकर BCCI की स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। दूसरी ओर, ICC ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को एलीट महिला इंटरनेशनल

मांजरेकर बोले- सूर्यवंशी-जायसवाल पर कार्रवाई करें

उन्हें छोड़ना यानी दूसरी बार बुरे बर्ताव के लिए तैयार करना; आईसीसी-बीसीसीआई से अपील

ऐसे व्यवहार को नजरअंदाज करना उन्हें इसे दोहराने के लिए बढ़ावा देना है। यह खेल और उनके भविष्य, दोनों के लिए ठीक नहीं है।

संजय मांजरेकर, पूर्व क्रिकेटर

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के हालिया मैदान पर विवादों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई और आईसीसी को टैग कर खिलाड़ियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

मांजरेकर ने एक्स पर लिखा ,'प्रिय आईसीसी और बीसीसीआई, पहले वैभव और अब जायसवाल. अगर आप उन्हें इस तरह के व्यवहार के लिए बार-बार छोड़ते रहेंगे, तो आप उन्हें दोबारा ऐसा बरताव दोहराने के लिए ही तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार क्रिकेट और खिलाड़ियों के अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यशस्वी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में असिथा फर्नांडो से उलझ गए थे। आउट होने के बाद दोनों के बीच बहस हुई और एक समय यशस्वी का हेलमेट फर्नांडो के माथे से टकराया। यशस्वी ने बाद में अपने व्यवहार का बचाव करते हुए कहा था कि बिना यह जाने फैसला नहीं करना चाहिए कि फर्नांडो ने उनसे क्या कहा था। वैभव सूर्यवंशी का भी हाल में श्रीलंका-ए के खिलाफ मुकाबले के बाद विवाद हुआ था। मैच के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ी विषेन हलांबागे और वैभव के बीच बहस बढ़ गई थी और वैभव ने उन्हें धक्का दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंकाई खिलाड़ी ने पूरी सीरीज के दौरान वैभव को उकसाया था, लेकिन मांजरेकर ने तब भी शारीरिक टकराव को गलत बताया था।

मांजरेकर ने उस समय कहा था कि अगर वे इंडिया-ए के कोच या मैनेजर होते तो अफगानिस्तान-ए के खिलाफ अगले मैच में वैभव को बाहर रखते, ताकि उन्हें यह समझाया जा सके कि मैदान पर शारीरिक होना स्वीकार्य नहीं है। वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 स्तर पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान भी विवाद हुआ था। आउट होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी अली रजा के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई थी। इसके बाद वैभव ने जूते की ओर इशारा किया था, जिसे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक इशारा बताया गया।

गावस्कर ने मैकॉय की पिच पर सवाल उठाए: आईसीसी पर दोहरे मापदंड का आरोप; 2 दिन में खत्म हो गया था टेस्ट

मैकॉय, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ओपनर सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के मैकॉय की पिच पर सवाल उठाए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने इस मामले पर आईसीसी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया है। 77 साल के गावस्कर ने स्पोर्ट्स स्टार पर अपने कॉलम में लिखा- 'पिछले कुछ साल में ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट दो दिन से कम समय में खत्म हो गए। लेकिन, आईसीसी ने इस पर आंखें बंद कर रखी हैं।'

उनके अनुसार भारत में ऐसा होने पर पिच पर कार्रवाई की जाती। जबकि, ऑस्ट्रेलिया के मामले में कोई आलोचना सुनने को नहीं मिली।

दरअसल, मैकॉय में बांग्लादेश के ऑस्ट्रेलिया दौरे का दूसरा टेस्ट 2 दिन में ही समाप्त हो गया था। बांग्लादेशी टीम इस मैच की दोनों पारियों में 100 रन के अंदर ऑलआउट हो गई थी।

गावस्कर ने लिखा, 'तो ऑस्ट्रेलिया में एक और टेस्ट दो दिन के अंदर खत्म हो गया। पिछले कुछ साल में वहां ऐसा चार बार हो चुका है। फिर भी ऐसी पिचों की आलोचना सुनने को नहीं मिली, जिनमें जरूरत से ज्यादा उछाल होता है और जो ऐसे नतीजे देती हैं।' गावस्कर ने लिखा, 'बहाने तेजी से सामने आएंगे। कहा जाएगा कि ग्राउंड्समैन, माफ कीजिए, टर्फ एग्जीक्यूटिव से गलती हो गई। मौसम के अनुमान में गर्मी बताई गई थी, इसलिए उसने थोड़ी ज्यादा घास छोड़ दी और इससे जरूरत से ज्यादा उछाल मिला।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि पहला टेस्ट हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजों के लिए मददगार पिच तैयार करना हैरानी की बात नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैकॉय की पिच कोई हैरानी की बात नहीं थी। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के बांग्लादेश से बुरी तरह हारने के बाद वे ऐसी पिच तैयार करने वाले थे, जो तेज और उछाल वाली हो।' उन्होंने आगे कहा, 'अब दावा किया जाएगा कि ग्राउंड्समैन ने यह काम अपने दम पर किया। टीम मैनेजमेंट की ओर से कोई निर्देश नहीं था। हम सभी जानते हैं कि असल में क्या होता है।' कुछ मीडिया रिपोर्ट्स पर लिखा गया है कि मैकॉय की पिच को 'बहुत अच्छी' रेटिंग मिलने वाली है। इस पर गावस्कर ने लिखा- 'जैसा कि मैंने पहले कहा, दोहरे मापदंड चौंकाने वाले हैं। देखते हैं कि मैच रेफरी मैकॉय की पिच को क्या रेटिंग देते हैं। ल

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।

घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।

पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।'

पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

इस मामले में बोरीवली पुलिस स्टेशन में अब खत्म किए जा चुके भारतीय दंड संहिता (IPC) की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान पासी बार-बार कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इसके बाद उसे घोषित अपराधी करार दिया गया।

अधिकारी ने बताया, 'पासी गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना रहने का पता और संपर्क की जानकारी लगातार बदलता रहा। हालांकि, जांचकर्ताओं ने उसकी गतिविधियों और संपर्कों की जानकारी जुटाकर उसे तलाशने की कोशिश जारी रखी।'

पुलिस ने उसके ठिकाने की पुष्टि करने के बाद उसे ठाणे जिले के मीरा रोड ईस्ट स्थित पूनम रेजिडेंसी से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंदा को हराया

बुखारेस्ट (रोमानिया), 26 अगस्त (एजेंसियां)। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। दूसरा मुकाबला आज होगा।

इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया।

वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

कारुआना ने कहा कि ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में 2018 के बाद यह उनकी पहली क्लासिकल जीत है। 6 अंकों की बढ़त मिलने के बाद उन्होंने कहा कि अगले क्लासिकल गेम में काले मोहरों से खेलते हुए अगर वह मुकाबला संभाल लेते हैं तो उनकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा। दोनों ने जटिल स्थिति में शानदार खेल दिखाया और आखिर में रूक एंडगेम में बाजी बराबरी पर खत्म हुई।

कीमर ने मुकाबले से पहले प्रज्ञानानंदा के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि नया मैच शुरू होने से उन्हें फिर से ध्यान लगाने में मदद मिली। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि लंबे टूर्नामेंट के कारण खिलाड़ियों पर थकान का असर पड़ रहा है।

कारुआना-प्रज्ञानानंदा और कीमर-सो के बीच दूसरा क्लासिकल गेम 26 अगस्त को भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे खेला जाएगा। बराबरी की स्थिति रहने पर बोनस टाई-ब्रेकर भी हो सकता है। गुरुवार को रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे।

2026 ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 22 से 27 अगस्त तक सेंट लुइस में हो रहा है। टूर्नामेंट में कुल 4.5 लाख डॉलर की इनामी राशि है और विजेता को 2 लाख डॉलर मिलेंगे।

दलीप ट्रॉफी- वेस्ट जोन को हराकर नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

गायकवाड के रनआउट से पलटा मैच, आबिद मुश्ताक को 9 विकेट

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)। नॉर्थ जोन ने वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली। बेंगलुरु में 287 रन का पीछा कर रही वेस्ट जोन की टीम चौथे दिन 234 रन पर ऑलआउट हो गई।

आबिद मुश्ताक ने मैच में 9 विकेट लिए। वेस्ट जोन के कप्तान ऋतुराज गायकवाड का रनआउट मैच का टर्निंग पॉइंट रहा। नॉर्थ जोन अब 30 अगस्त से साउथ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेगा।

वेस्ट जोन ने चौथे दिन 7 विकेट पर 220 रन से आगे खेलना शुरू किया था। टीम को जीत के लिए 67 रन चाहिए थे, लेकिन आबिद मुश्ताक और निशांत सिंधु ने 6.3 ओवर में बाकी तीन विकेट निकाल दिए।

मुश्ताक ने दूसरी पारी में 22 ओवर में 60 रन देकर 4 विकेट लिए। मैच में उनके 9/99 के प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वेस्ट जोन एक समय 3 विकेट पर 195 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था। गायकवाड और मुशीर खान के बीच 111 रन की साझेदारी हो चुकी थी और टीम को जीत के लिए 92 रन चाहिए थे। गायकवाड़ 66 रन बनाकर रनआउट हुए। इसके बाद वेस्ट जोन ने 25 रन के अंदर गायकवाड़ और मुशीर समेत चार विकेट गंवा दिए। मुशीर 96 रन बनाकर शतक से चूक गए।

नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 251 रन बनाए थे। इसके बाद दूसरी पारी में 222 रन बनाकर वेस्ट जोन के सामने 287 रन का टारगेट रखा। वेस्ट जोन पहली पारी में 187 रन पर ऑलआउट हुआ था और दूसरी पारी में 234 रन ही बना सका।

इंटरनेशनल शूटर के डॉग को होटल में नहीं मिला रूम

रोहतक की फैमिली दार्जिलिंग में 8 घंटे भटकी; ट्रैवल एजेंसी पर 1.08 लाख का जुर्माना

रोहतक, 26 अगस्त (एजेंसियां)। आजकल लगभग हर घर में डॉग होता है, जिसको लोग परिवार के सदस्य की तरह ही ट्रीट करते हैं. जहां जाते हैं साथ में घुमाने ले जाते हैं. ऐसे ही हरियाणा में एक परिवार अपने पेट के साथ होटल में घूमने गया था, लेकिन वहां उन्हें एंट्री नहीं दी गई. उन्होंने इसको लेकर ट्रैवल एजेंसी के ऊपर आरोप लगाया, कंज्यूमर कोर्ट ने भी फैसला सुनाते हुए परिवार को मुआवजा दिलवाया.

क्या है पूरा मामला?दरअसल हरियाणा का रहने वाला एक परिवार जिसमें एक 60 साल के व्यक्ति ने अपनी पत्नी, बेटा-बेटी, 79 और 81 साल के माता-पिता और डॉग के साथ दार्जिलिंग-गंगटोक घूमने के लिए ट्रैवल एजेंसी से पैकेज बुक किया था. पैकेज में होटल में ठहरना, नाश्ता-डिनर, होटल की सुविधाएं और टैक्सी शामिल थीं. परिवार ने इसके लिए कुल 93 हजार का भुगतान किया था. परिवार का कहना था कि उन्होंने पैकेज इसलिए लिया था ताकि बुजुर्ग माता-पिता और डॉग के साथ बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकें.

होटल में नहीं मिला कमरापरिवार ने बताया कि ट्रिप शुरू होने के बाद ट्रैवल एजेंसी ने बिना सही जानकारी दिए होटल और ट्रिप के कार्यक्रम में बदलाव कर दिया. जब परिवार नए होटल पहुंचा तो वहां उन्हें डॉग के साथ रहने की इजाजत नहीं दी गई. इसके बाद परिवार को वापस दार्जिलिंग जाना पड़ा. इस पूरी प्रक्रिया में करीब 8 घंटे का समय बर्बाद हुआ. परिवार का आरोप था कि उन्हें होटल, टैक्सी और खाने जैसी चीजों पर करीब 54 हजार रुपये एक्स्ट्रा खच करना पड़े.

ट्रैवल एजेंसी ने रखा अपना पक्षकमीशन ने बताया कि ट्रैवल एजेंसी को ई-मेल और व्हॉट्सएप के जरिए नोटिस भेजे गए थे, लेकिन वो सुनवाई के दौरान सामने नहीं आई. इसलिए आयोग ने उसकी गैरमौजूदगी में मामले की सुनवाई की. कमीशन ने कहा कि परिवार बुजुर्ग माता-पिता के साथ यात्रा कर रहा था और होटल बदलने के कारण उन्हें करीब 8 घंटे तक बेवजह यात्रा और इंतजार करना पड़ा. ये ट्रैवल एजेंसी की लापरवाही और सेवा में कमी को दिखाता है.

इसके बाद कमीशन ने ट्रैवल एजेंसी को आदेश दिया कि वो परिवार को 93 हजार रुपये वापस करे, 10 हजार रुपये बतौर मुआवजा दें और 5 हजार रुपये कानूनी खर्च के लिए दे. इसके अलावा कमीशन ने 93 हजार रुपये पर शिकायत दर्ज होने की तारीख से 9 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देना होगा.

यात्रियों के लिए क्या सीख?ये मामला बताता है कि ट्रैवल पैकेज बुक करते समय अपनी खास जरूरतों की जानकारी एजेंसी को पहले से देना और उसका रिकॉर्ड रखना जरूरी है. खासकर अगर ट्रिप पर बुजुर्गों, बच्चों या पालतू के साथ जा रहे हैं. अगर एजेंसी ने किसी सुविधा का वादा किया है और अपनी गलती या लापरवाही से यात्री को परेशानी और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है, तो उपभोक्ता आयोग में शिकायत की जा सकती है.

यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में जोकोविच-सबालेंका पहले राउंड में हारे

न्यूयॉर्क, 26 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में नोवाक जोकोविच-आर्यना सबालेंका और सेरेना विलियम्स-कार्लोस अल्काराज की स्टार जोड़ियां खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं। जोकोविच-सबालेंका पहले दौर में हारे, जबकि सेरेना-अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में शिकस्त मिली। वहीं पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स ने डबल्स के नंबर-1 कतेरीना सिइनाकोवा-हेनरी पैटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। कतेरीना सिइनाकोवा और नंबर-1 पुरुष डबल्स खिलाड़ी हेनरी पैटेन ने पहले दौर में जोकोविच-सबालेंका को हराया। खेले गए मुकाबले में दोनों ने टॉप सीड जोड़ी को 1-4, 4-2 से शिकस्त दी। सबालेंका दो बार की डिफेंडिंग यूएस ओपन महिला चैंपियन हैं, जबकि जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। दोनों को उनकी संयुक्त सिंगल्स रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में नंबर-1 सीड मिली थी। हालांकि, उनकी हार को बड़ा उलटफेर नहीं माना गया, क्योंकि सामने डबल्स के नंबर-1 खिलाड़ी थे। जोकोविच और सबालेंका ने मैच की अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहला सेट सिर्फ 12 मिनट में 4-1 से जीत लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन सिइनाकोवा और पैटेन ने वापसी करते हुए सेट 4-2 से जीत लिया।

इसके बाद मुकाबला सुपर टाई-ब्रेकर में पहुंचा, जहां सिइनाकोवा-पैटेन ने 10-2 से बाजी मार ली। इस तरह पहला सेट आसानी से जीतने के बावजूद जोकोविच-सबालेंका को पहले ही मैच में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। 44 साल की सेरेना विलियम्स ने 2022 में टेनिस से विदाई के बाद पहली बार यूएस ओपन के आर्थर ऐश स्टेडियम में वापसी की। उन्होंने कार्लोस अल्काराज के साथ पहले मैच में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। इस दौरान सेरेना ने 193 किमी/घंटे की रफ्तार से एस लगाया, जिस पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार प्रतिक्रिया दी। सेरेना ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा इस कोर्ट पर लौटूंगी। यहां होना हमेशा खास है।' क्वार्टर फाइनल में सेरेना-अल्काराज का सामना बेलिंडा बेंसिच और फ्लावियो कोबोली से हुआ।

अफगानिस्तान प्रीमियर लीग का ऐलान

पहला सीजन 27 दिसंबर से

काबुल, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अफगानिस्तान प्रीमियर लीग टी20 के पहले सीजन की तारीख और तीन फ्रेंचाइजी के नाम घोषित कर दिए हैं। लीग की शुरुआत 27 दिसंबर 2026 से होगी। दुबई में आयोजित समारोह में एक्सल यूनाइटेड काबुल, बलख जवानन और कंधार वारियर्स के साथ लीग की ट्रॉफी 'कोह-ए-जफर' का भी अनावरण किया गया। समारोह में फ्रेंचाइजी मालिकों, लीग पार्टनर्स और एसीबी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। एपीएल की ट्रॉफी को 'कोह-ए-ज़फ़र' नाम दिया गया है। इसका डिजाइन अफगानिस्तान की पर्वत श्रृंखलाओं से प्रेरित है। एसीबी के अनुसार, यह ताकत, मजबूती और क्रिकेट में सफलता के शिखर को दर्शाती है। एपीएल के पहले प्लेयर्स ड्राफ्ट के लिए रजिस्ट्रेशन पोर्टल 30 अगस्त से खुलेगा। खिलाड़ियों का ड्राफ्ट 27 सितंबर को होगा। हालांकि, लीग के पूरे शेड्यूल और मैचों के वेन्यू की घोषणा अभी नहीं की गई है।

कभी करोड़ों का मालिक था ये स्टार खिलाड़ी

अब नंगे पांव घूमता है दुनिया, पाकिस्तान में बनाया ठिकाना

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया में कुछ लोग जिंदगी भर रिकॉर्ड्स और शोहरत के पीछे भागते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो सब कुछ हासिल करने के बाद अचानक इस दौड़ से खुद को अलग कर लेते हैं. स्पेन के पूर्व मोटो2 रेसर एक्सेल पॉन्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. दो बार के 250cc वर्ल्ड चैंपियन सीटो पॉन्स के बेटे एक्सेल कभी ट्रैक पर 200 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से बाइक दौड़ाया करते थे. लेकिन आज वह नंगे पांव, पीठ पर एक साधारण बैग लटकाए और अपना नाम ईसा रखकर शांति की खोज में भटक रहे हैं. हाल ही में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और चित्राल की वादियों में एक्सेल पॉन्स का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह नंगे पैर चलते दिखे. इसके बाद पूरी दुनिया के सामने उनकी यह अनोखी यात्रा सामने आई है. 9 अप्रैल 1991 को बार्सिलोना में जन्मे एक्सेल पॉन्स का बचपन रेसिंग ट्रैक्स और ट्रॉफियों के बीच बीता है. उन्होंने बार्सिलोना की ला सैले यूनिवर्सिटी से बिजनेस इंजीनियरिंग की डिग्री भी ली. 2008 में उन्होंने 125सीसी में डेब्यू किया और 2010 से लगातार मोटो2 वर्ल्ड चैंपियनशिप का हिस्सा रहे. 10 साल के करियर में उन्होंने कुल 144 ग्रैंड प्रिक्स रेस में हिस्सा लिया और 179 अंक बनाए. इस दौरान 2016 इटली के मुगेलो में उनका 6वां स्थान बेस्ट प्रदर्शन रहा. वो मार्क मार्केज, फ्रांसेस्को बगानिया, मावरिक विनाले और फैबियो क्वार्टारारो जैसे वर्ल्ड चैंपियन राइडर्स के साथ रेस कर चुके हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक समय उनकी नेट वर्थ 50 करोड़ रुपए से भी ज्यादा थी. 2017 में महज 26 साल की उम्र में एक्सेल ने अचानक रेसिंग से संन्यास ले लिया था. कुछ समय मॉडलिंग और एकांत में बिताने के बाद उन्होंने रफ्तार और दिखावे की जिंदगी पर सवाल उठाना शुरू कर दिया. एक्सेल ने एक बार कहा था कि मैंने अपनी जिंदगी को धीमा, बहुत धीमा करना शुरू किया.

केंद्र से मदद न मिले, फिर भी गरीबों के घरों का निर्माण नहीं रुकेगा : पोंगुलेटि

15,475 लाभार्थियों के खातों में 185 करोड़ रुपये की अंतिम किस्त जमा : मंत्री

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटि श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार से सहयोग नहीं मिलने के बावजूद तेलंगाना सरकार गरीबों के अपने घर के सपने को पूरा करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इंदिरम्मा आवास योजना के लिए केंद्र से मिलने वाली सहायता का एक वर्ष तक इंतजार किया गया, लेकिन बार-बार अनुरोध के बावजूद केंद्र ने अब तक एक रुपया भी जारी नहीं किया। मंत्री ने कहा कि 2014 से 2023 तक करीब दस वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों के लिए पर्याप्त आवास नहीं बनाए गए, जिसके कारण राज्य में घरों की भारी मांग है। केंद्र से धनराशि मिलने की उम्मीद में पहले पूर्ण हो चुके आवासों के अंतिम बिलों का भुगतान अस्थायी रूप से रोका गया था। उन्होंने बताया कि

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कई बार तेलंगाना के लिए आवास मंजूर करने का अनुरोध किया। उन्होंने स्वयं भी सांसदों के साथ केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर राज्य के लिए सहायता मांगी, लेकिन केंद्र की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। पोंगुलेटि ने कहा कि गरीब लाभार्थियों को अंतिम बिल के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता। राज्य की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सरकार ने 15,475 लाभार्थियों के लिए 185 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 31 मार्च तक मकान पूरा कर चुके पात्र लाभार्थियों की अंतिम राशि उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है।

शेष लाभार्थियों को भी चरणबद्ध तरीके से भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार इंदिरम्मा आवास के लिए प्रति घर पांच लाख रुपये की पूर्ण सहायता दे रही है। पिछले वर्ष राज्यभर में 4.50 लाख इंदिरम्मा आवास मंजूर किए गए, जिनमें करीब दो लाख मकान अब तक पूरे हो चुके हैं। दूसरे चरण की योजना मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 2 जून को आदिलाबाद में शुरू की थी और 15 सितंबर तक लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य है।

ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को कुचला, मैकेनिक की मौत

निर्मल, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंझी गांव में एक ट्रैक्टर द्वारा मोटरसाइकिल को कुचल दिए जाने से 26 साल के एक मैकेनिक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति को मामूली चोटें आईं।

पुलिस ने बताया कि कोल्लूर के एक ट्रैक्टर शोरूम में काम करने वाले बोडके प्रसाद के सिर में गंभीर चोटें आईं, जब ट्रैक्टर उनकी मोटरसाइकिल से टकराया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उसी गांव के रहने वाले और मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे गणेश को इस हादसे में मामूली चोटें आईं। उन्हें तुरंत भैंसा के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह हादसा तब हुआ जब प्रसाद अपनी ड्यूटी खत्म करके गणेश के साथ घर लौट रहे थे। छह महीने पहले ही उनकी शादी उसी गांव की एक महिला से हुई थी। प्रसाद के पिता गंगाधर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

नए 'हाइब्रिड साइबर ठगी' गिरोह से सावधान रहें : वी. सी. सज्जनार

मोबाइल चोरी कर बैंक खाते खाली कर रहे साइबर गिरोह

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने लोगों को मोबाइल चोरी के जरिए बैंक खाते खाली करने वाले नए 'हाइब्रिड साइबर ठगी' गिरोहों से सावधान रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ये गिरोह पारंपरिक जेबतराशी को आधुनिक साइबर अपराध से जोड़कर विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और तकनीकी जानकारी कम रखने वाले लोगों को निशाना बना रहे हैं। साइबर अपराध विभाग ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि गिरोह के सदस्य बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, भीड़भाड़ वाली बसों और सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल इस्तेमाल करने वाले लोगों को पहले चिन्हित करते हैं। वे पीछे खड़े होकर पीड़ित को मोबाइल का स्क्रीन लॉक खोलते हुए देखते हैं और मौका मिलते ही फोन चोरी कर लेते हैं।

यदि फोन लॉक हो तो आरोपी पीड़ित को फोन कर खुद को बस चालक या परिचालक बताकर झांसा देते हैं। फोन लौटाने के बहाने वे स्क्रीन लॉक का पिन या पासवर्ड हासिल कर लेते हैं। फोन खुलने के बाद गैलरी, संदेश, वाट्सऐप और नोट्स में मौजूद बैंक, आधार, पैन तथा कार्ड संबंधी जानकारी तलाशते हैं। सिम उनके पास होने के कारण वे बैंकिंग और भुगतान अनुप्रयोगों के माध्यम से ओटीपी हासिल कर पासवर्ड और भुगतान पिन बदल देते हैं तथा रकम दूसरे खातों में स्थानांतरित कर देते हैं। सज्जनार ने कहा कि यह सामान्य चोरी नहीं बल्कि संगठित साइबर नेटवर्क है, जिसमें फोन चोरी करने, पासवर्ड हासिल करने, बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग करने और रकम को अलग-अलग खातों एवं डिजिटल माध्यमों से निकालने के लिए अलग-अलग लोग काम करते हैं।

सीपी ने लोगों से की बड़ी अपील

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने लोगों से अपील की कि फोन खोने पर किसी भी व्यक्ति को स्क्रीन लॉक पिन, पासवर्ड या बैंकिंग ओटीपी न बताएं। कार्ड, सीवीवी, बैंक पासबुक, आधार और पैन की तस्वीरें मोबाइल में सुरक्षित न रखें। फोन चोरी होने पर तुरंत सिम बंद कराएं, बैंक से संपर्क कर इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कराएं तथा केंद्रीय सरकारी पोर्टल www.ceir.gov.in पर आईएमईआई दर्ज कर फोन ब्लॉक कराएं। खाते से रकम कटने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने परिवारों से वरिष्ठ नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

इंदिरम्मा इल्लु टावर्स के लिए 28 से 31 अगस्त तक पारदर्शी लॉटरी

लॉटरी प्रक्रिया में बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं : वी. पी. गौतम

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरम्मा इल्लु टावर्स योजना के तहत हैदराबाद में निर्मित किए जाने वाले मकानों के आवंटन के लिए 28 से 31 अगस्त तक लॉटरी आयोजित की जाएगी। आवास बोर्ड के उपाध्यक्ष वी. पी. गौतम ने बताया कि चार दिनों में 16 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रतिदिन चार-चार क्षेत्रों की लॉटरी निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी लॉटरी प्रक्रिया का सीधा प्रसारण किया जाएगा, ताकि आवंटन में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। आवेदकों की संख्या, स्थान की कमी और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सभी आवेदकों को लॉटरी केंद्रों में प्रवेश देना संभव नहीं होगा। हालांकि, केंद्रों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर लॉटरी प्रक्रिया देखने की व्यवस्था की जाएगी। लॉटरी का सीधा प्रसारण आवास विभाग की वेबसाइट तथा उसके सामाजिक माध्यम खातों के माध्यम से भी देखा जा सकेगा। गौतम ने बताया कि योजना के तहत 15 अगस्त तक प्राप्त सभी आवेदनों की जांच की गई है। अयोग्य पाए गए आवेदकों से प्राप्त आपत्तियों का भी निपटारा किया जा चुका है।

आवास बोर्ड उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मकानों के आवंटन में किसी सिफारिश या बिचौलिए की कोई भूमिका नहीं होगी। सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार केवल पात्र आवेदकों को ही मकान आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लॉटरी में नाम नहीं आने वाले पात्र आवेदकों को निराश होने की जरूरत नहीं है। आगामी चरण में बनने वाले टावर्स के लिए वे आवेदन कर सकेंगे। वर्तमान परियोजनाएं पायलट चरण में हैं और सरकार का लक्ष्य कुल एक लाख मकान बनाना है। अयोग्य आवेदक भी सरकार की ओर से घोषित किए जाने वाले मध्यम आय वर्ग के आवास योजना में आवेदन कर सकेंगे।

चार दिन में होगी लॉटरी

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंदिरम्मा इल्लु टावर्स के लिए 28 से 31 अगस्त तक पारदर्शी लॉटरी का आयोजन होगा।

28 अगस्त: कुतुबुल्लापुर, सिकंदराबाद छावनी, राजेंद्रनगर और नामपल्ली,

29 अगस्त: खैरताबाद, कुकटपल्ली, अंबरपेट और बहादुरपुर,

30 अगस्त: शेरिलिंगमपल्ली, मल्कपेट, इब्राहिमपट्टनम और मेडचल,

31 अगस्त: मल्काजगिरी, सनतनगर, महेश्वरम और कारवान क्षेत्र की लाटरी होगी। गौतम ने लोगों से अपील की कि मकान दिलाने के नाम पर किसी बिचौलिए के झांसे में न आएं। ऐसी किसी भी शिकायत या जानकारी के लिए 040-24603572 पर संपर्क किया जा सकता है।

पैनआईआईटी शिखर सम्मेलन आंध्र प्रदेश के लिए अहम

राज्य को एक गहन प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा

विजयवाड़ा , 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पैनआईआईटी एलुमनी इंडिया 3 अक्टूबर को नोवोटेल विजयवाड़ा वरुण में पैनआईआईटी आंध्र प्रदेश शिखर सम्मेलन 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें उद्योग, सरकार, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और निवेश से जुड़े 500 से अधिक नेता एक साथ आएंगे। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा उद्घाटन किए जाने वाले इस एक दिवसीय शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय "स्वर्णांध्र विजन 2047 के लिए नवाचार को उत्प्रेरित करना" होगा, जिसमें एआई, डीपटेक, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्वास्थ्य सेवा, हरित ऊर्जा, रक्षा और एयरोस्पेस पर चर्चा होगी।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए पैनआईआईटी के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य वैश्विक आईआईटी पूर्व छात्र नेटवर्क का लाभ उठाकर आंध्र प्रदेश के प्रौद्योगिकी आधारित विकास को बढ़ावा देना और अमरावती को भारत की अग्रणी डीप टेक राजधानी के रूप में स्थापित करना है। अमरावती में पैनआईआईटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना पर भी विचार किया जा रहा है, और शिखर सम्मेलन में राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है। पैनआईआईटी आंध्र प्रदेश शिखर सम्मेलन 2026 सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत, उद्यमियों और वैश्विक आईआईटी पूर्व छात्र समुदाय की सामूहिक शक्ति को एक साथ लाने का अवसर है। आंध्र प्रदेश के पूर्व छात्रों का एक विशाल और प्रभावशाली समुदाय दुनिया भर में, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में फैला हुआ है। आईआईटी के पूर्व छात्र आंध्र प्रदेश के विकास में उत्प्रेरक भूमिका निभाना चाहते हैं, आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और उद्यमियों के बीच सहयोग को मजबूत करेगा और आंध्र प्रदेश में निवेश आकर्षित करने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी आधारित विकास के नए अवसर पैदा करने में मदद करेगा।

अमेरिका में कार दुर्घटना में तेलंगाना के 3 छात्रों की मौत

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के तीन छात्र, जो उच्च शिक्षा के लिए महज तीन महीने पहले अमेरिका गए थे, अमेरिका के फ्लोरिडा में एक भीषण सड़क दुर्घटना में मारे गए। यह दुखद घटना तब घटी जब वे जिस वाहन में यात्रा कर रहे थे वह सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, वाहन में सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में से एक की पहचान राहुल के रूप में हुई है, जो निज़ामाबाद जिले के नवीपेट का रहने वाला था। राहुल उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए मई में अमेरिका गया था। अन्य दो छात्रों की पहचान की पुष्टि अभी स्थानीय अधिकारियों द्वारा आधिकारिक तौर पर नहीं की गई है। फ्लोरिडा पुलिस द्वारा दुर्घटना के सटीक स्थान, समय और परिस्थितियों की जांच जारी है। सड़क की स्थिति, वाहन के प्रकार या दुर्घटना में योगदान देने वाले कारकों के बारे में आधिकारिक जानकारी अभी तक जारी नहीं की गई है। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करके पीड़ितों के पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने में सहायता करेंगे। इसी बीच, राहुल के अचानक निधन की खबर से परिवार गहरे शोक में डूब गया और रिश्तेदार और पड़ोसी निजामाबाद स्थित उनके आवास पर जमा हो गए।

संवैधानिक संस्थाओं के प्रति कांग्रेस और एआईएमआईएम का दोहरा रवैया उजागर : एन.वी. सुभाष

न्यायालय के फैसलों को स्वीकार करना ही संविधान के प्रति वास्तविक सम्मान : भाजपा

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और एआईएमआईएम ने एक बार फिर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अपने दोहरे रवैये को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अक्सर जेब में संविधान की छोटी प्रति रखते हुए उसके खतरे में होने का आरोप लगाते हैं, जबकि एआईएमआईएम अध्यक्ष एवं हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी बार-बार ''संविधान खतरे में है'' का नारा लगाते हैं। सुभाष ने हाल के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हिजाब संबंधी फैसले को लेकर उठे राजनीतिक विवाद पर कहा कि कांग्रेस और एआईएमआईएम ने न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करने के बजाय फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कक्षा 11 की एक छात्रा की उस याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया, जिसमें स्कूल की निर्धारित वर्दी के नियमों से अलग हिजाब पहनने की अनुमति मांगी गई थी। अदालत ने कहा कि सिर ढंकना आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और शिक्षण संस्थान को निर्धारित वेशभूषा लागू करना का अधिकार है। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम नेताओं और कुछ इस्लामी विद्वानों ने फैसले को धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप बताया, जबकि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी। इसके विपरीत भाजपा ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों, संस्थागत अनुशासन और समान रूप से लागू होने वाले नियमों को धार्मिक आधार पर अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। सुभाष ने सवाल किया कि संवैधानिक संस्थाओं का वास्तव में अनादर कौन कर रहा है-भाजपा नीत राजग या कांग्रेस नीत विपक्ष और एआईएमआईएम? उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान किया है, चाहे फैसला राजनीतिक रूप से अनुकूल रहा हो या नहीं। उन्होंने अयोध्या मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा ने न्यायिक प्रक्रिया और उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान किया था। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति वास्तविक सम्मान उसकी प्रति जेब में रखने या ''संविधान खतरे में है'' कहने तक सीमित नहीं है, बल्कि न्यायपालिका के फैसलों को स्वीकार करने और कानून के शासन का पालन करने में है। सुभाष ने कांग्रेस और एआईएमआईएम से संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अपने कथित दोहरे रवैये को छोड़ने की मांग की।

बेटी के बयानों से हमारा कोई संबंध नहीं है: कोंडा मुरली

पार्टी हाईकमान के प्रति परिवार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया पार्टी की अनुशासनात्मक समिति के फैसले का इंतजार

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कोंडा मुरली ने बुधवार को अपनी और अपनी पत्नी, पर्यावरण एवं वन मंत्री कोंडा सुरेखा को अपनी बेटी सुष्मिता पटेल द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों से अलग कर लिया।

उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क, नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और मुनुगोडे विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के साथ प्रजा भवन में हुई बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुरली ने जोर देकर कहा कि उनकी बेटी स्वतंत्र रूप से बोलती और कार्य करती है। उन्होंने कहा, सुष्मिता 35 साल की हैं और उनके अपने विचार और राय हैं। माता-पिता होने के नाते, हमें उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने या उनके निजी फैसलों पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। पार्टी के आंतरिक मतभेदों को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कोंडा मुरली ने स्पष्ट किया कि प्रजा भवन में हुई बैठक में मंत्री कोंडा सुरेखा या हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने पार्टी के उच्च कमान के प्रति परिवार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने आगे कहा, हमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर पूरा भरोसा है। मेरी बेटी ने ये टिप्पणियां अपनी 'प्लान ए' के तहत की हैं। मुझे नहीं पता कि 'प्लान बी' क्या है, और न ही हमारा उनके बयान से कोई संबंध है। मुरली ने बताया कि मंत्री कोंडा सुरेखा अपने आधिकारिक कर्तव्यों पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिनमें हाल ही में आयोजित वन महोत्सव वृक्षारोपण अभियान में भाग लेना भी शामिल है। उन्होंने व्यापक विवाद पर आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे पार्टी की अनुशासनात्मक समिति के फैसले का इंतजार करेंगे।

कम बारिश के साथ हैदराबाद का मौसम अनिश्चित हुआ

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हालांकि बादल बारिश का संकेत देते हैं, लेकिन अक्सर बस थोड़ी देर के लिए स्थानीय स्तर पर बूंदाबांदी होती है। कुछ ही मिनटों में बादल हट जाते हैं और गर्मियों की तरह तेज़ धूप निकल आती है, साथ ही उमस भी बढ़ जाती है। और कुछ ही पल बाद, फिर से बादल छा जाते हैं और हवाएं चलने लगती हैं।

हैदराबाद के मौजूदा मौसम को समझना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि अगस्त का महीना, जो आमतौर पर भारी बारिश के लिए जाना जाता है, अब खत्म होने वाला है। जहां अगस्त में लोग आमतौर पर छाते और रेनकोट साथ रखते हैं, वहीं इस साल मौसम अनिश्चित रहा है; कभी गर्मी और उमस रहती है, तो कभी तेज़ हवाएं चलती हैं और बादल छाए रहते हैं। पूरे महीने मौसम का मिजाज बदलता रहा है और भारी बारिश का एक भी बड़ा दौर नहीं देखा गया है। हल्की से मध्यम बारिश, आंधी और तेज हवाओं की सामान्य चेतावनी के अलावा, आईएमडी हैदराबाद ने अगस्त के आखिर तक भारी बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया है।

मौसम में उतार-चढ़ाव से गर्मी से कुछ राहत तो मिल सकती है, लेकिन बारिश न होने के कारण उमस बनी हुई है। आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, 1 सितंबर तक उमस 70 से 75 प्रतिशत के बीच रहेगी।

हालांकि तेलंगाना में मॉनसून के प्रदर्शन पर अभी कोई अंतिम राय नहीं बनी है, फिलहाल ऐसा लगता है कि लोगों को ऐसे मौसम में ही रहना होगा जो उम्मीद तो बहुत जगाता है, लेकिन बारिश कम ही देता है।

नागोल में श्री श्री महाकाली पोचम्मा देवी की प्रतिमा प्रतिष्ठापित

मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक बीरला इलैया ने विशेष पूजा में लिया हिस्सा

हैदराबाद, 26 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागोल में श्री श्री महाकाली पोचम्मा देवी की प्रतिमा प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बुधवार को भक्तिभाव और धार्मिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक बीरला इलैया तथा पूर्व विधान परिषद सदस्य एगे मल्लेशम ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और देवी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने श्री श्री महाकाली पोचम्मा देवी से प्रार्थना की कि सभी लोग सुख-समृद्धि, शांति और अच्छे स्वास्थ्य के साथ जीवन बिताएं। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरों में आध्यात्मिक भावना के साथ-साथ आपसी एकता और भाईचारा भी और मजबूत होना चाहिए। मंत्री ने कामना की कि देवी के आशीर्वाद से लोगों के जीवन में सुख-शांति और सौभाग्य बना रहे तथा क्षेत्र का सभी क्षेत्रों में समग्र विकास हो। प्रतिमा प्रतिष्ठा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं, मंदिर समिति के सदस्यों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना में हिस्सा लेकर देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.